शहीद भगत सिंह महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'ए' ग्रेड से मान्यता प्राप्त

विवरणिका
2026-27

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE
60 YEARS
DIAMOND JUBILEE
UNIVERSITY OF DELHI
1967 - 2027

उत्कृष्टता के 60 गौरवशाली वर्ष

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE 60 YEARS DIAMOND JUBILEE UNIVERSITY OF DELHI 1967-2027

शहीद भगत सिंह

जन्म : 28 सितंबर 1907
शहादत : 23 मार्च 1931

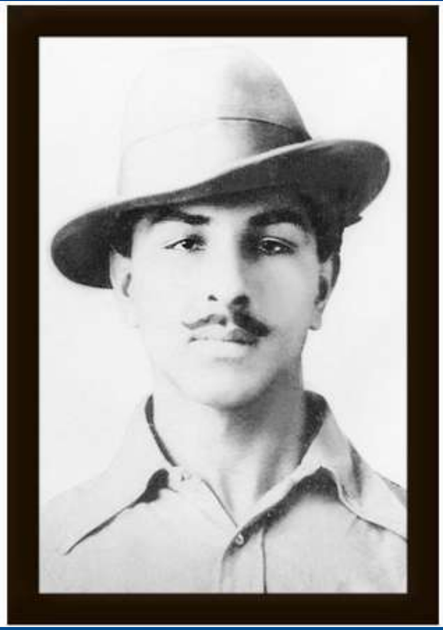

दिल्ली विश्वविद्यालय का शहीद भगत सिंह महाविद्यालय गर्वपूर्वक महान शहीद-ए-आज़म भगत सिंह के नाम पर स्थापित है, जिनका जीवन आज भी युवा पीढ़ियों को प्रेरित करता है। भगत सिंह केवल एक निर्भीक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि एक गहन चिंतक भी थे। उनका विश्वास था कि किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति शिक्षा, जागरूकता और युवाओं के सशक्तिकरण में निहित होती है। विद्यार्थियों के लिए अपने संदेश में उन्होंने इस बात पर बल दिया कि युवाओं का कार्य केवल संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि ज्ञान और शिक्षा के माध्यम से अज्ञानता तथा गरीबी को समाप्त करना भी है।

एक प्रखर पाठक और बुद्धिजीवी के रूप में भगत सिंह का मानना था कि पुस्तकें "मानसिक गुलामी" से मुक्ति का मार्ग हैं। उनके लिए क्रांति का अर्थ केवल बम और पिस्तौल नहीं था, बल्कि समाज में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन लाना था। उनके आदर्शों और मूल्यों से प्रेरित यह महाविद्यालय उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा ऐसे जिम्मेदार, जागरूक और सामाजिक रूप से संवेदनशील नागरिकों के संवर्धन का प्रयास करता है, जो राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकें।

हर युग का नायक, हर पीढ़ी की प्रेरणा.....

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE 60 YEARS DIAMOND JUBILEE UNIVERSITY OF DELHI 1967-2027

100 YEARS 1922-2022

कुलगीत
दिल्ली विश्वविद्यालय

जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्व विद्यालय विहंगम

सकल वसुधा निज कुटुंब की
भावना संस्कृति सनातन
आधुनिक शिक्षा पुरातन
ज्ञान धाराओं का संगम
देश की स्वाधीनता हित
भूमिका शत कोटि वंदन
निष्ठा धृति सत्यम के मंगल
दिव्य भावों का समागम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम

भव्य महाविद्यालयों के
परिसरों से चिर सुशोभित
श्रेष्ठ गुरुजन कर रहे नित
छात्र और छात्राएँ दीक्षित
सद्चरित्राचार पावन
साधना संकल्प संयम
नवल वैश्विक चेतना
नव क्रान्ति संस्कारों का उद्गम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्वविद्यालय विहंगम

रचनाकार
गजेन्द्र सोलंकी
अंतरराष्ट्रीय कवि, गीतकार

उत्कृष्टता के 60 गौरवशाली वर्ष

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE 60 YEARS DIAMOND JUBILEE UNIVERSITY OF DELHI 1967-2027

विषय-सूची

महाविद्यालय के बारे में......03
हीरक जयंती वर्ष......04
प्राचार्य की कलम से......05
महाविद्यालय प्रशासन चार्ट......07
महत्वपूर्ण पदाधिकारी......08
शैक्षणिक प्रत्यायन एवं विशिष्टताएँ......09
वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ एवं संविधान दिवस का आयोजन......10
विभाग......12
- बी.ए. कार्यक्रम विभाग......12
- वाणिज्य विभाग......13
- अर्थशास्त्र विभाग......18
- अंग्रेज़ी विभाग......21
- पर्यावरण अध्ययन विभाग......23
- भूगोल विभाग......24
- हिंदी विभाग......26
- इतिहास विभाग......28
- गणित विभाग......30
- शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग......32
- राजनीति विज्ञान विभाग......33

विद्यार्थी कल्याण समितियों एवं प्रकोष्ठों के अंतर्गत पहल......36
- प्राचार्य इंटर्नशिप योजना......36
- छात्र सहायता निधि एवं शुल्क रियायत......37
- छात्रवृत्ति कार्यक्रम, पुरस्कार एवं पारितोषिक......38
- प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ......40
- करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ......43
- एसबीएससी एलुमनाई एसोसिएशन......44

अवसंरचना......48
- स्मार्ट कक्षाएँ......48
- पुस्तकालय : ज्ञान एवं अधिगम संसाधन केंद्र......48
- अत्याधुनिक रीडिंग हॉल......49
- शैक्षणिक सभागार......50
- ओपन-एयर सभागार......50
- कंप्यूटर एवं भूगोल प्रयोगशालाएँ......51
- सेमिनार, गतिविधि एवं वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष......51
- ज्ञान प्रसार केंद्र......52
- एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ERP) सक्षम......52
- चिकित्सा एवं परामर्श सुविधाएँ......53
- खेल सुविधाएँ......53
- छात्राओं हेतु कॉमन रूम......54
- परिसर सुविधाएँ एवं छात्र सहायता सेवाएँ......54
- अतिरिक्त सुविधाएँ......54
- हाल के अवसंरचनात्मक विकास कार्य......55
- वर्ष 2026–27 हेतु प्रस्तावित अवसंरचनात्मक विकास......56

विभिन्न केंद्र......57
- आंतरिक शिकायत समिति......57
- आरटीआई – सूचना का अधिकार......57
- अनुशासन समिति......57
- ज्ञान प्रसार केंद्र......58
- सीमा अध्ययन केंद्र......59
- आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र......59
- भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र......60
- अंतरराष्ट्रीय संबंध केंद्र......61
- पूर्वोत्तर भारत अध्ययन केंद्र......61
- स्कूल ऑफ़ हैप्पीनेस केंद्र......62
- जनजातीय अध्ययन केंद्र......62
- लेखन एवं संचार केंद्र......63
- योग एवं ध्यान केंद्र – हर घर ध्यान......64
- गांधी अध्ययन मंडल......64
- ब्लेंडेड लर्निंग केंद्र......65
- रिसर्च सेल......65
- कौशल विकास केंद्र......66
  - इन्क्यूबेशन, नवाचार एवं उद्यमिता प्रकोष्ठ......66
  - लीड x एसबीएससी (LEADxSBSC)......67
- शहीद भगत सिंह अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र......67
- सामाजिक प्रभाव इकाई......68
- विशेष रूप से सक्षम विद्यार्थियों के समावेशन एवं सशक्तिकरण केंद्र......68
  - सक्षम इकाई......69
- समान अवसर प्रकोष्ठ......69

समितियाँ......70
- हरितक्रम......70
- उड़ान – सिविल सेवा समिति......70
- वित्त एवं निवेश समिति......71
  - वित्तमंत्रा......72
  - वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम......72
- महिला विकास प्रकोष्ठ......73
- क्वीयर फेमिनिस्ट कलेक्टिव......74
- पूर्वोत्तर छात्र समिति......74
- सबीएससी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (MUN) समिति......75
- रोटरैक्ट क्लब......75
- इनैक्टस......76

सांस्कृतिक एवं ललित कला समिति......77
- ऑडियोफाइल......77
- वाद-विवाद समिति (द रिवोल्यूशनिस्ट्स एवं सर्वज्ञ)......77
- नृत्य समिति (स्पर्धा एवं नाट्यमंत्रा)......79
- डिजिटल मीडिया समिति (एनविज़न एवं फिल्मतंत्र)......80
- मिनर्वा......82
- नूर : फैशन समिति......82
- नटवे......83
- प्रोमेथियन......84

वाणी – महाविद्यालय पत्रिका......85
खेलकूद......86
राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)......87
राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)......88
छात्र संघ एवं कल्याण......91
प्रवेश (Admissions)......92
- स्नातक (यूजी) कार्यक्रमों के लिए सीट मैट्रिक्स......92
- स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रम के लिए सीट मैट्रिक्स......93

खेल कोटा के लिए सीट मैट्रिक्स......94
ईसीए सीट मैट्रिक्स......95
शुल्क संरचना......96

विषय-सूची

प्रवेश नियम, विनियम एवं प्रक्रिया 97
प्रवेश हेतु किससे संपर्क करें....97
महाविद्यालय प्रशासन....98
प्रवेश समन्वयक / संयोजक 99
एसईसी / वीएसी / एईसी / जीई / डीएसई पाठ्यक्रमों हेतु संयोजक / समन्वयक / नोडल अधिकारी 100
शैक्षणिक कैलेंडर 101
यूजीसीएफ फ्लोचार्ट 102
नियम, अनुशासन एवं आचार संहिता....107
छात्र अनुभव....109
चतुर्थ वर्ष के प्रथम सफल बैच के छात्रों के अनुभव 109
पूर्व छात्र अनुभव 111
वर्तमान छात्रों के अनुभव....113
59वाँ वार्षिक दिवस....115
2025-26 की झलकियाँ....116
एसबीएससी : एक जीवंत परिसर....117
वंदे मातरम्....118
महत्वपूर्ण संपर्क....119
प्रॉस्पेक्टस समिति....120
महत्वपूर्ण महाविद्यालय लिंक....121

महाविद्यालय के बारे में

शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रतीक तथा भारत के महान शहीद शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह के नाम पर स्थापित हमारा महाविद्यालय वर्ष 1967 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक संघटक महाविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया। छह दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, यह संस्थान उच्च शिक्षा के एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में विकसित हुआ है, जो शैक्षणिक कठोरता, बौद्धिक जिज्ञासा तथा व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करता है।
अपने दृष्टिकोण एवं मिशन को साकार करने के प्रयासों में महाविद्यालय नैतिकता, सत्यनिष्ठा, राष्ट्रीय एकता तथा सांप्रदायिक सद्भाव के मूल्यों से प्रेरित एवं संचालित है। विशेष रूप से, यह निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध है:

- शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देना तथा शिक्षण, अनुसंधान, छात्र सहायता एवं समग्र प्रबंधन में निरंतर उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत रहना।
- नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करने वाली सहभागी प्रबंधन नीतियों को अपनाना एवं उनका अनुसरण करना।
- मानवीय मूल्यों का संवर्धन करना तथा विद्यार्थियों को सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिक बनने हेतु सक्षम बनाना।
- राष्ट्रीय विकास में एक महत्वपूर्ण एवं उत्प्रेरक भूमिका का निर्वहन करना।
- अपने कार्यों के सभी आयामों में नैतिक आचरण को विकसित करना तथा उसका समर्थन करना।

विज़न

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का विज़न उसके आदर्श वाक्य 'राष्ट्र देवो भव:' में प्रतिबिंबित होता है। यह आदर्श वाक्य भारत के महान सपूत, शहीद-ए-आज़म भगत सिंह द्वारा प्रतिपादित उन मूल्यों को दर्शाता है, जिनमें राष्ट्र की सेवा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

साथ ही, यह एक ऐसे उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान की परिकल्पना को भी साकार करता है, जिसकी सशक्त पहचान हो तथा जो शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अन्य सशक्तिकरण गतिविधियों के लिए विश्वस्तरीय वातावरण प्रदान करता हो।

मिशन

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का मिशन एक प्रभावी शिक्षण एवं अधिगम वातावरण का निर्माण करना है, जो विद्यार्थियों को उनकी पूर्ण क्षमता के विकास एवं उसके साकार होने के अवसर प्रदान करे। महाविद्यालय का उद्देश्य स्वयं को परिवर्तन एवं प्रगति के उत्प्रेरक के रूप में विकसित करना है, ताकि विद्यार्थियों को तीव्र गति से परिवर्तित हो रहे वैश्विक परिवेश में समालोचनात्मक चिंतन करने तथा उत्तरदायित्वपूर्ण आचरण करने हेतु तैयार किया जा सके। साथ ही, महाविद्यालय समुदाय के बीच पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना तथा पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार एवं प्रथाओं को जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE 60 YEARS DIAMOND JUBILEE UNIVERSITY OF DELHI 1967-2027

हीरक जयंती वर्ष : विरासत का उत्सव, उत्कृष्टता की प्रेरणा, भविष्य का निर्माण

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय ने पिछले कई दशकों में शिक्षण, बौद्धिक विमर्श तथा समग्र विकास के एक सशक्त केंद्र के रूप में स्वयं को स्थापित किया है।

महाविद्यालय अपने *60*वें वर्ष के शुभारंभ के साथ अपनी गौरवपूर्ण यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय में प्रवेश कर रहा है। यह अवसर केवल उत्सव मनाने का ही नहीं, बल्कि आत्मचिंतन तथा नवीन संकल्पों के साथ आगे बढ़ने का भी है। हीरक जयंती वर्ष छह दशकों की शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत दृढ़ता तथा उन पीढ़ियों के सामूहिक योगदान को समर्पित है, जिनमें विद्यार्थी, संकाय सदस्य, कर्मचारी, पूर्व छात्र तथा अन्य हितधारक सम्मिलित हैं, जिन्होंने महाविद्यालय की पहचान और मूल भावना को आकार प्रदान किया है।

एक वर्षव्यापी उत्सव के रूप में परिकल्पित यह ऐतिहासिक अवसर महाविद्यालय की समृद्ध विरासत और उसके भावी दृष्टिकोण के मध्य एक सशक्त सेतु स्थापित करने का प्रयास है। विविध शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक सहभागिता तथा विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से महाविद्यालय अपने स्थायी मूल्यों का उत्सव मनाते हुए नवाचार, समावेशिता और परिवर्तनकारी विकास को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध है। सतत परिवर्तित होते वैश्विक परिदृश्य में विद्यार्थियों को उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुँचने के लिए सक्षम बनाने वाले समृद्ध शैक्षणिक वातावरण के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, हीरक जयंती वर्ष उत्कृष्टता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करेगा।

प्राचार्य की कलम से

प्रिय विद्यार्थियों,

आप सभी का शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। किसी महाविद्यालय का चयन जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक होता है और मुझे प्रसन्नता है कि आप शहीद भगत सिंह महाविद्यालय परिवार का हिस्सा बनने पर विचार कर रहे हैं।

1967 में अपनी स्थापना के बाद से शहीद भगत सिंह महाविद्यालय ने निरंतर प्रगति करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख संस्थानों में अपनी पहचान बनाई है तथा वाणिज्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की है। शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार, समावेशिता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के आदर्शों से प्रेरित होकर हमारा संस्थान ज्ञान, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा केवल पारंपरिक कक्षाओं तक सीमित नहीं है। हमारे उच्च योग्य, समर्पित और अनुभवी शिक्षक विद्यार्थियों में बौद्धिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं तथा उन्हें आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक नवाचार और सार्थक सहयोग के लिए प्रेरित करते हैं। वे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन केवल शैक्षणिक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि उनके समग्र व्यक्तित्व विकास में भी करते हैं, ताकि वे बदलती दुनिया की चुनौतियों और अवसरों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें।

हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा 3.26 स्कोर के साथ 'A' ग्रेड से मान्यता प्रदान की गई है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महाविद्यालय ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए NIRF रैंकिंग 2025–26 में समग्र महाविद्यालय श्रेणी में 39वाँ स्थान प्राप्त किया, जो पहले के 101–150 रैंक बैंड की तुलना में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। इसके अतिरिक्त, इंडिया टुडे बेस्ट महाविद्यालय सर्वे 2025–26 में महाविद्यालय ने बी.ए. (कला) श्रेणी में 27वाँ तथा वाणिज्य श्रेणी में 31वाँ स्थान प्राप्त किया। साथ ही, एजुकेशन वर्ल्ड हायर एजुकेशन रैंकिंग 2026 में महाविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर 22वाँ तथा दिल्ली में 15वाँ स्थान प्राप्त हुआ।

ये उपलब्धियाँ शिक्षा, शोध, छात्र सहयोग तथा प्लेसमेंट के क्षेत्र में महाविद्यालय की उत्कृष्टता को दर्शाती हैं और भारत के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में अपनी स्थिति को और मजबूत करती हैं।

हमारा पाठ्यक्रम समाज और वैश्विक रोजगार बाजार की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, मूल्यों और दृष्टिकोण से सशक्त बनाना है ताकि वे अपने पेशेवर जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त, महाविद्यालय विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभाओं को पहचानने और विकसित करने के लिए एक गतिशील एवं प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करता है। विभिन्न सह-पाठ्यक्रम और अतिरिक्त गतिविधियाँ, छात्र समितियाँ, क्लब, वाद-विवाद, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत, सामुदायिक पहल और नेतृत्व के अवसर विद्यार्थियों को अपनी रुचियों का अन्वेषण करने और आत्मविश्वासी तथा सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्तियों के रूप में विकसित होने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमारी लाइब्रेरी और शिक्षण संसाधन शैक्षणिक जीवन की आधारशिला बने हुए हैं, जो विद्यार्थियों को पुस्तकों, पत्रिकाओं, शोध सामग्री और तकनीकी सहायता का समृद्ध भंडार उपलब्ध कराते हैं। अनुसंधान, संवाद और विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए हम आधुनिक सुविधाओं और नवाचार के माध्यम से शिक्षण को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विस्तारित शैक्षणिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए रीडिंग हॉल का समय बढ़ाया गया है और अब यह रात्रि 12 बजे तक खुला रहता है।

आगामी शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के दौरान कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ जारी रहेंगी। इनमें ई-ब्लॉक का नवीनीकरण, बहुउद्देश्यीय हॉल-सह-खेल ब्लॉक का निर्माण, ईसीए कॉम्प्लेक्स, नए कक्षाओं का निर्माण, डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम की स्थापना, खेल मैदानों में फ्लडलाइट व्यवस्था, वातानुकूलित कैंटीन का विकास तथा सुसज्जित विभागीय स्थानों का निर्माण शामिल है।

यह वर्ष हम सभी के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि हम शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने पर हीरक जयंती वर्ष मना रहे हैं। यह अवसर केवल हमारे गौरवशाली अतीत का उत्सव नहीं बल्कि हमारी यात्रा, मूल्यों और भविष्य की आकांक्षाओं पर चिंतन का अवसर भी है। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और संस्थागत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुझे आशा है कि सभी विद्यार्थी इस वर्ष को अविस्मरणीय बनाने में अपना योगदान देंगे।

हमारा उद्देश्य महाविद्यालय को नवाचार, शैक्षणिक उत्कृष्टता और सर्वांगीण विकास के केंद्र के रूप में विकसित करना है। हम विद्यार्थियों को ऐसे अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो उन्हें वैश्विक और प्रतिस्पर्धी वातावरण में सफल होने के लिए तैयार करें। सहयोगात्मक शिक्षा, मार्गदर्शन, अंतरराष्ट्रीय सहभागिता और सार्थक साझेदारियों के माध्यम से हम विद्यार्थियों को भविष्य के नेतृत्वकर्ता और जिम्मेदार नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं।

मैं आपको इस प्रतिष्ठित संस्थान का हिस्सा बनने और छह दशकों की उत्कृष्टता, समर्पण और सेवा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए हार्दिक आमंत्रण देता हूँ।

मैं शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में आपका स्वागत करने और आपकी शिक्षा, विकास और सफलता की यात्रा में सहभागी बनने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

सादर एवं शुभकामनाओं सहित,

प्रो. अरुण कुमार अत्री
प्राचार्य

महाविद्यालय प्रशासन चार्ट

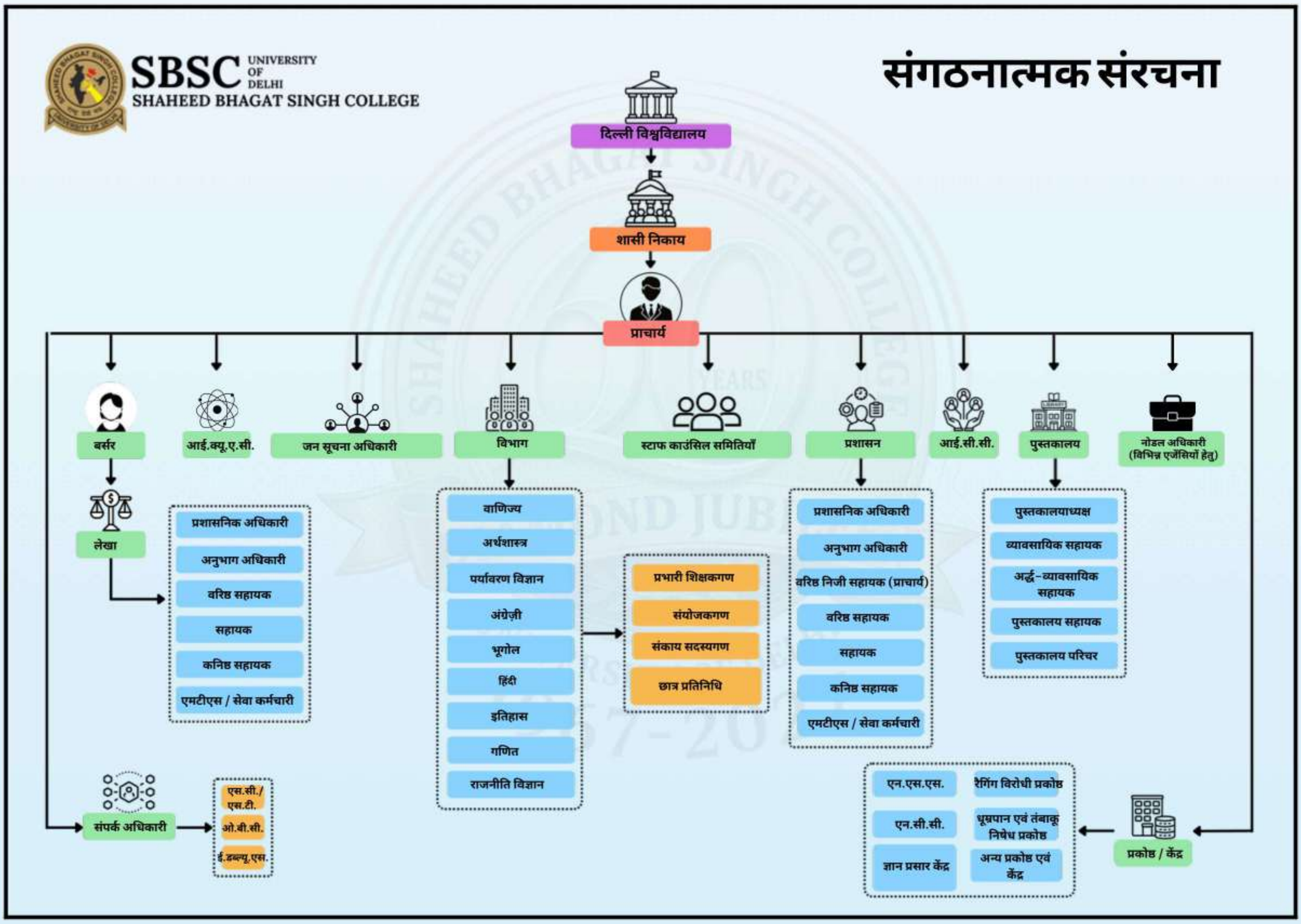

महत्वपूर्ण पदाधिकारी

अध्यक्ष, शासी निकाय	प्रो. अनन्या घोष दस्तिदार
प्राचार्य	प्रो. अरुण कुमार अत्री
बर्सर	डॉ. वी.ए.वी. रामन
संपर्क अधिकारी (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति)	प्रो. दिनेश राम
संपर्क अधिकारी (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग)	प्रो. कमलेश कुमारी
संपर्क अधिकारी (अन्य पिछड़ा वर्ग)	डॉ. राजीव रंजन सिन्हा
संपर्क अधिकारी (पूर्वोत्तर क्षेत्र के विद्यार्थी)	डॉ. क्षेत्रिमयुम कृष्णदास
समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी.	प्रो. वरिंदर कुमार
जन सूचना अधिकारी	प्रो. शिखा गुप्ता (2)
जनसंपर्क अधिकारी (पी.आर.ओ.)	डॉ. महेश कुमार चौधरी
आंतरिक शिकायत समिति (आई.सी.सी.)	प्रो. कमलेश कुमारी
अनुशासन समिति संयोजक	डॉ. आशीष सिंह
रैगिंग विरोधी समिति संयोजक	श्री नमन जैन
धूम्रपान निषेध नोडल अधिकारी	श्री शुभ सेजवार
प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन)	श्री ए. के. वर्मा
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)	सुश्री पूजा भारद्वाज

शैक्षणिक प्रत्यायन एवं विशिष्टताएँ

- राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने शहीद भगत सिंह महाविद्यालय को अपने प्रथम चक्र में 3.26 के सीजीपीए (CGPA) के साथ "A" ग्रेड प्रदान किया है। महाविद्यालय परिवार शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में महाविद्यालय के उत्कृष्ट एवं गतिशील प्रदर्शन को मान्यता प्रदान करने के लिए NAAC के प्रति आभार व्यक्त करता है।

- एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में महाविद्यालय ने एनआईआरएफ (NIRF) रैंकिंग 2025–26 में समग्र महाविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत 39वाँ स्थान प्राप्त किया है, जो पूर्व में 101–150 के रैंक बैंड से एक ऐतिहासिक प्रगति को दर्शाता है। यह उपलब्धि शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान तथा विद्यार्थियों की उपलब्धियों के क्षेत्र में महाविद्यालय द्वारा निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को प्रतिबिंबित करती है।

- इंडिया टुडे रैंकिंग 2026 के अनुसार, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय को बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम के लिए भारत के शीर्ष 10 महाविद्यालयों में स्थान प्रदान किया गया है।

- महाविद्यालय ने इंडिया टुडे सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय सर्वेक्षण 2025–26 में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए बी.ए. (कला) श्रेणी में 27वाँ तथा वाणिज्य श्रेणी में 31वाँ स्थान प्राप्त किया है।

- इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय ने एजुकेशन वर्ल्ड उच्च शिक्षा रैंकिंग 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर 22वाँ तथा दिल्ली स्तर पर 15वाँ स्थान प्राप्त कर अपनी उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण आयाम जोड़ा है। ये उपलब्धियाँ शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता तथा देश के अग्रणी उच्च शिक्षण संस्थानों में उभरने के उसके दृष्टिकोण को पुनः सुदृढ़ करती हैं।

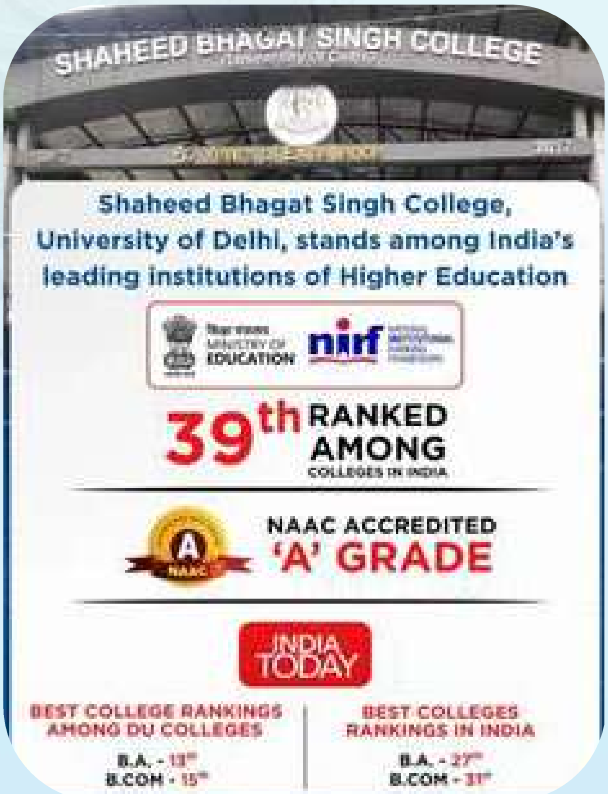

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ एवं संविधान दिवस का आयोजन

वंदे मातरम् : राष्ट्रभावना एवं सेवा के प्रति श्रद्धांजलि

26 नवंबर, 2025 की पावन प्रातः बेला में शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का मुक्ताकाशी सभागार श्रद्धा, चिंतन और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत एक ऐसे मंच में परिवर्तित हो गया, जो राष्ट्र की अमर विरासत और उसके सामूहिक भविष्य को समर्पित था। महाविद्यालय परिवार वंदे मातरम् के शताब्दी-डेढ़ (150 वर्ष) समारोह के उपलक्ष्य में एकत्रित हुआ। यह रचना, जो प्रारंभ में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के आनंदमठ के साहित्यिक पृष्ठों में प्रकट हुई थी, कालांतर में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक सशक्त प्रतीक बन गई। यह अवसर केवल एक सांस्कृतिक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि महाविद्यालय के मार्गदर्शक सिद्धांत "राष्ट्र देवो भवः" के सार्थक प्रतिपादन के रूप में उभरकर सामने आया।

इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ को संविधान दिवस के आयोजन के साथ जोड़ते हुए महाविद्यालय ने एक ऐसे बौद्धिक मंच का निर्माण किया, जहाँ राष्ट्र की भावनात्मक एवं सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित रखने वाले संवैधानिक आदर्शों के साथ समन्वित हुई। महाविद्यालय समुदाय के सदस्यों ने विचारपूर्ण विमर्शों तथा कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से मातृभूमि के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर का संपूर्ण वातावरण संस्थागत गरिमा, ऐतिहासिक चेतना तथा साहित्यिक सौंदर्य के सामंजस्यपूर्ण स्वरूप को अभिव्यक्त कर रहा था।

महाविद्यालय को इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह का स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। साथ ही, विशिष्ट अतिथियों के रूप में दक्षिण परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी तथा महाविद्यालयों के अधिष्ठाता प्रो. बलराम पाणि की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा को और बढ़ाया। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के सम्मानित प्राचार्यों तथा शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के शासी निकाय के सदस्यों की उपस्थिति ने इस सामूहिक संकल्प को अभिव्यक्त किया कि शैक्षणिक उत्कृष्टता और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति समर्पण साथ-साथ आगे बढ़ें।

सुविचारित व्यवस्थाओं के साथ वंदे मातरम् विषयक आकर्षक सज्जा, स्मारक प्रदर्शनी, बैनर तथा उच्च-गुणवत्ता वाले दृश्य प्रस्तुतीकरणों ने महाविद्यालय की उपलब्धियों और आकांक्षाओं को व्यापक विश्वविद्यालय समुदाय के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

यह समारोह संस्थान की निरंतर विकसित होती यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव सिद्ध हुआ — ऐसी यात्रा जो अतीत की गौरवशाली विरासत का सम्मान करते हुए संवैधानिक मूल्यों और बौद्धिक उद्देश्य के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है, जहाँ शैक्षणिक उत्कृष्टता और राष्ट्रसेवा इसकी मूल प्रेरणा बने हुए हैं।

वन्दे मातरम्

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE
वन्दे मातरम्

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE
वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम्

विभाग

बी.ए. कार्यक्रम विभाग

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का बी.ए. कार्यक्रम विभाग शैक्षणिक वर्ष के दौरान समावेशिता, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता से परिपूर्ण एक परिवर्तनकारी यात्रा की ओर अग्रसर है। अपनी विशिष्ट बहुविषयक प्रकृति के कारण यह विभाग प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को आकर्षित करता है। विभाग निम्नलिखित दो पाठ्यक्रम संयोजन प्रदान करता है:

- बी.ए. कार्यक्रम (वाणिज्य + गणित)
- बी.ए. कार्यक्रम (राजनीति विज्ञान + इतिहास)

प्रत्येक वर्ष विभाग नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करता है तथा उन्हें विभाग के मूल्यों और कार्यसंस्कृति से परिचित कराता है। कार्यक्रम में शामिल संवादात्मक गतिविधियाँ, प्रस्तुतियाँ और परिचयात्मक सत्र नए विद्यार्थियों को अपनापन महसूस कराने तथा उन्हें विभागीय परिवेश के साथ सहज रूप से जुड़ने में सहायक होते हैं।

शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ से ही विद्यार्थियों में अपनत्व, उत्साह और महत्वाकांक्षा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभाग अपने पाठ्यक्रमों के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) का आयोजन करता है। विभाग की प्रमुख गतिविधियों एवं आयोजनों के संचालन की मुख्य जिम्मेदारी बी.ए. कार्यक्रम एसोसिएशन पर होती है, जिसने शैक्षणिक सत्र के दौरान विविध शैक्षणिक एवं छात्र सहभागिता संबंधी पहलों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

एसोसिएशन "युवा दृष्टि" विषय पर आधारित अपनी वार्षिक पत्रिका "संश्लेषण" का भी प्रकाशन करती है। इस पत्रिका का उद्देश्य विद्यार्थियों को लेखों, कविताओं, कलाकृतियों तथा विचारात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से अपनी रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने हेतु एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जिससे उनमें अभिव्यक्ति तथा सार्थक सहभागिता को प्रोत्साहन मिल सके।

संयोजक: डॉ. सौरभ वत्स

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग महाविद्यालय का सबसे बड़ा विभाग है तथा इसे दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के प्रमुख विभागों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। विभाग में उच्च योग्य, गतिशील एवं शोधोन्मुख संकाय सदस्य कार्यरत हैं, जिन्हें वाणिज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त है।

विभाग स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिनमें बी.कॉम. (ऑनर्स), बी.कॉम. कार्यक्रम, बी.ए. कार्यक्रम (वाणिज्य + गणित) तथा एम.कॉम. शामिल हैं। विभाग जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज़ का भी प्रकाशन करता है, जो एक सहकर्मी-समीक्षित एवं विशेषज्ञ-समीक्षित शोध पत्रिका है। यह पत्रिका पिछले 36 वर्षों से वित्त, लेखांकन, विपणन, अर्थशास्त्र, मानव संसाधन प्रबंधन तथा संबंधित क्षेत्रों में शैक्षणिक शोध को समृद्ध करने में योगदान दे रही है।

विभाग शिक्षण एवं शोध क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने तथा एक समृद्ध शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से नियमित रूप से कार्यशालाओं एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है। विभाग कई वर्षों से वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का भी सफलतापूर्वक आयोजन कर रहा है, जो विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर अत्यंत प्रतिष्ठित शैक्षणिक आयोजनों के रूप में स्थापित हो चुके हैं।

हाल ही में विभाग ने 6 फरवरी, 2026 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) के सहयोग से "शहरी-ग्रामीण भारत में उद्यमिता, नवाचार एवं नेतृत्व: विकसित भारत@2047 और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की दिशा में मार्ग" विषय पर व्यवसाय एवं प्रबंधन पर 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष बल देता है। इसके अंतर्गत अभिमुखीकरण एवं विदाई कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न छात्र समितियों एवं मंचों — जैसे कॉमर्स एसोसिएशन, मार्केटिंग समिति, आर्डेंट, 180 डिग्री कंसल्टिंग तथा सप्लाई चेन मैनेजमेंट समिति — में सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को नेतृत्व, नवाचार तथा उद्यमिता से संबंधित अवसर प्राप्त होते हैं।

विभाग की **कॉमर्स एसोसिएशन (COMSOC)** एक प्रतिष्ठित एवं गतिशील संस्था है, जो वर्ष 2009 में अपनी स्थापना के बाद से वाणिज्य के व्यापक क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही है। यह विद्यार्थियों को न केवल उनके मूलभूत ज्ञान को सुदृढ़ करने बल्कि उनकी क्षमताओं को परिष्कृत करने तथा उनके व्यावसायिक नेटवर्क का विस्तार करने के लिए विविध अवसर प्रदान करती है। संवादात्मक कार्यशालाओं, ज्ञानवर्धक संगोष्ठियों तथा व्यावहारिक परियोजनाओं के माध्यम से सदस्य वास्तविक जीवन के अनुभवों से परिचित होते हैं और मूल्यवान व्यावसायिक समझ प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, कॉमर्स एसोसिएशन अपने प्रभावशाली एवं विविध आयोजनों के लिए भी प्रसिद्ध है। इनमें "अद्वितीय" एक विशेष प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से दिव्यांग प्रतिभागियों की असाधारण क्षमताओं का उत्सव मनाने के लिए समर्पित है तथा समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। प्रत्येक वर्ष एसोसिएशन "उद्यम", अपने प्रमुख वार्षिक आयोजन, का आयोजन करती है, जो वाणिज्य जगत की प्रतिभाशाली सोच और नवीन विचारों को एक मंच पर लाता है। यह आयोजन सहयोग को बढ़ावा देने तथा भावी नेतृत्वकर्ताओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कॉमर्स एसोसिएशन "व्यापार्थ" नामक अपनी वार्षिक पत्रिका का भी प्रकाशन करती है, जो वाणिज्य, अर्थशास्त्र तथा सार्वजनिक नीति से संबंधित विषयों पर विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति हेतु एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है।

शहीद भगत सिंह कॉमर्स समिट: वर्ष 2025–26 में पहली बार प्रारंभ किया गया यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन शासन, उद्योग, विधि, उद्यमिता तथा मीडिया क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों एवं नेतृत्वकर्ताओं को एक मंच पर लेकर आया। इस आयोजन में विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों के प्रतिष्ठित वक्ताओं एवं विशेषज्ञों द्वारा ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किए गए। इस समिट ने विद्यार्थियों को उद्योग जगत के महत्वपूर्ण दृष्टिकोणों तथा वास्तविक जीवन की चुनौतियों के व्यावहारिक अनुभवों से अवगत कराया। यह आयोजन विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन तथा उनके दृष्टिकोण के विस्तार के लिए एक प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुआ।

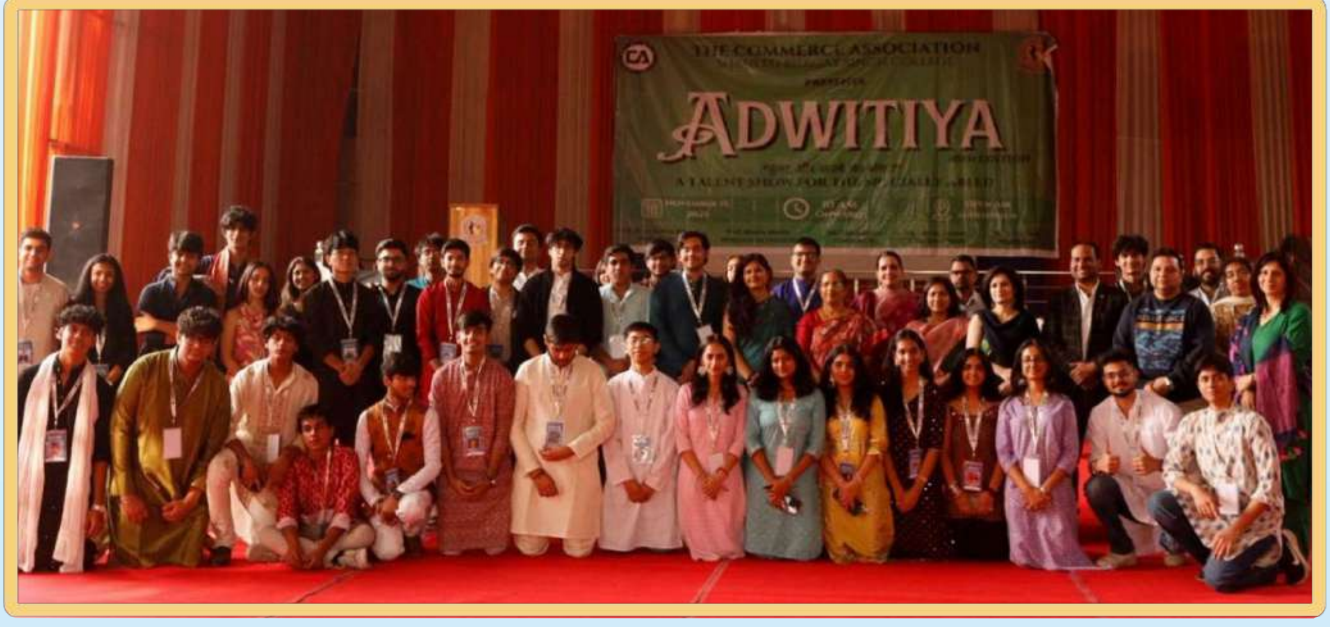

मार्केटिंग समिति (MARKSOC) की स्थापना विपणन के क्षेत्र में गहन ज्ञान तथा व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह समिति पारंपरिक तरीकों से अलग हटकर वास्तविक जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास पर विशेष बल देने के लिए जानी जाती है। समिति विपणन की गहन समझ विकसित करने के लिए समर्पित है तथा व्यावहारिक कौशलों को सुदृढ़ बनाने हेतु नवीन और रचनात्मक विधियों को अपनाती है। इसके अतिरिक्त, यह ज्ञानवर्धक लेखों के प्रकाशन तथा "मार्क टॉक्स" नामक रोचक पॉडकास्ट श्रृंखला के आयोजन में भी सक्रिय रूप से संलग्न है, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के साथ सार्थक संवाद प्रस्तुत किए जाते हैं।

समिति लिंक्डइन पर अपनी सक्रिय उपस्थिति बनाए रखती है तथा नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण समारोह आयोजित करती है। इसके अतिरिक्त, यह ऑनलाइन लेख प्रतियोगिताओं तथा वार्षिक आयोजनों का भी संचालन करती है। समिति अपने दो प्रमुख आयोजनों — "मार्केड" (Markade), जो नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाता है, तथा "एलिक्सिर" (Elixir), जो राष्ट्रीय स्तर का प्रतिस्पर्धात्मक मंच एवं उद्योग जगत के साथ नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करने वाला आयोजन है — का सफलतापूर्वक आयोजन करती है।

आर्डेंट (Ardent) विभाग की प्रौद्योगिकी एवं विश्लेषणात्मक समिति है, जो सबसे सक्रिय एवं तीव्र गति से विकसित होने वालीसमितियोंमें से एक है। इसकी स्थापना उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशलों के विकास तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व निर्माण के उद्देश्य से की गई है। नवाचार एवं व्यावहारिक शिक्षण के आधारभूत सिद्धांतों पर आधारित यह समिति डेटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), वित्तीय मॉडलिंग तथा रणनीतिक चिंतन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य करती है। आर्डेंट अपने सदस्यों को प्रतिस्पर्धात्मक परिवेश में सफल होने हेतु आवश्यक उपकरणों, कौशलों और ज्ञान से सुसज्जित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है। समिति ने वित्तीय नियोजन, डिजिटल मार्केटिंग तथा ब्रांडिंग से संबंधित प्रत्यक्ष परियोजनाओं (Live Projects) में उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञों एवं कार्यान्वयन भागीदारों के साथ सफल सहयोग स्थापित किया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को पेशेवर कार्यप्रणालियों तथा रणनीतिक क्रियान्वयन का वास्तविक अनुभव प्राप्त होता है।

आर्डेंट विद्यार्थियों के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हुए पेशेवर विशेषज्ञों, फिनटेक स्टार्टअप्स तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संस्थाओं द्वारा संचालित वेबिनार एवं मार्गदर्शन सत्रों का नियमित आयोजन करती है। थिंकिंग ब्रिज जैसे मंचों के साथ सहयोग के माध्यम से सदस्यों को पावर बीआई (Power BI) तथा एक्सेल (Excel) जैसे उपकरणों में दक्षता प्राप्त करने का अवसर मिला है, साथ ही निर्णय विज्ञान एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन के क्षेत्र में उनकी समझ को भी और गहन बनाया गया है। समिति के प्रमुख वार्षिक आयोजन "अविष्कार" (AVISHKAAR) में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

अपने वार्षिक उत्सव के दौरान समिति "क्रिएटर्स मीट" (Creator's Meet), "एक्सेलेक्स्ट" (Excellect), "एआई नेक्सस" (AI Nexus) तथा अन्य विविध कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इसके आयोजन रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के समन्वय के लिए एक गतिशील एवं प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करते हैं। आर्डेंट अपने प्रत्येक प्रयास के माध्यम से शैक्षणिक जगत और व्यावसायिक क्षेत्र के मध्य सेतु का कार्य करते हुए भविष्य के लिए सक्षम और तैयार व्यक्तित्वों के निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत है।

180 डिग्री कंसल्टिंग (180 Degrees Consulting) एक अग्रणी छात्र-संचालित परामर्श संस्था है, जो गैर-लाभकारी संगठनों तथा सामाजिक उद्यमों को उच्च गुणवत्ता वाली और प्रभाव-आधारित परामर्श सेवाएँ प्रदान करने के लिए समर्पित है, जिससे वे रणनीतिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें और अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार कर सकें। प्रत्यक्ष ग्राहक परियोजनाओं (Live Client Projects) के माध्यम से छात्र-परामर्शदाता समस्या-समाधान, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा संचार कौशलों का विकास करते हुए वास्तविक परिस्थितियों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं। यह समिति आंतरिक केस प्रतियोगिताओं, गेस्टीमेट बैटल्स तथा संरचित विचार-विमर्शों के माध्यम से निरंतर अधिगम की एक सुदृढ़ संस्कृति को प्रोत्साहित करती है, जिससे सहयोगात्मक भावना तथा सहपाठी-आधारित विकास को बढ़ावा मिलता है।

समिति अपने प्रमुख वार्षिक आयोजन "180 डीसी इम्पैक्ट जेनेसिस" का भी आयोजन करती है।
यह आयोजन देशभर के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों से हजारों पंजीकरण आकर्षित करता है तथा सार्थक संपर्कों और सहयोग के अवसरों को प्रोत्साहित करता है। समिति विद्यार्थियों को परामर्श साक्षात्कारों के लिए तैयार करने हेतु साक्षात्कार प्रतिलेखों, केस प्रकारों, गेस्टीमेट्स तथा प्रमुख फ्रेमवर्क्स की तैयारी पर निरंतर कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, समिति से जुड़े विद्यार्थियों को व्यावसायिक परिवेश से संबंधित समकालीन मुद्दों पर विस्तृत शोध प्रतिवेदन तैयार करने का अवसर भी प्राप्त होता है।

वाणिज्य विभाग के संकाय सदस्य

- प्रो. अरुण कुमार अत्री (प्राचार्य)
- प्रो. अनिल कुमार
- प्रो. शिवानी अरोड़ा
- प्रो. सोनिका शर्मा
- डॉ. शालिनी गुप्ता
- प्रो. शिखा गुप्ता (1)
- प्रो. मीरा मेहता
- श्री ए. शिवशंकरण
- डॉ. वंदना दहिया
- प्रो. रुचि गुप्ता
- सी.ए. राजकुमार अग्रवाल
- प्रो. सुनील कुमार
- **डॉ. आरती सैनी (प्रभारी अध्यापिका)**
- डॉ. गुंजन सिंह
- डॉ. विकास पांगटू
- प्रो. शिखा गुप्ता (2)
- सुश्री मंजू तंवर
- प्रो. नूपुर अग्रवाल
- डॉ. संदीप त्रेहन
- प्रो. राकेश कुमार
- प्रो. मीताक्षी पंत
- सुश्री लीला जोशी
- डॉ. पूजा तलवार
- डॉ. रवि कांत
- डॉ. शुचि प्रिया मित्तल
- डॉ. निशा गुप्ता
- डॉ. सहर सैयद
- डॉ. प्रेरणा सोनी
- डॉ. चांदनी असवाल
- डॉ. आयुष्मान
- डॉ. रंजना ठाकुर
- डॉ. अमन वर्मा
- सुश्री सुबथ्रा वी
- श्री शिवम जिंदल
- श्री तरुण कुमार
- डॉ. विक्रम मीणा
- श्री हाशिर मेराज
- डॉ. विशाल गर्ग
- श्री अनिल कुमार
- सुश्री नूपुर भाटी
- सुश्री शिवांगी धवन
- डॉ. विजय व्रत आर्य
- सुश्री पूजा रानी
- डॉ. नियति आहूजा
- डॉ. मोहम्मद तुराब सुहैल
- डॉ. दिव्या मेहता
- सुश्री पारुल सैनी
- डॉ. अमृता कौर
- श्री रवि यादव
- श्री अमोल दीपक नेरकर
- डॉ. ऋषभ गुप्ता
- डॉ. विभा लांबा
- डॉ. साहिल रामचंदानी
- डॉ. नेहा नैनवाल
- डॉ. विक्रम सिंह
- डॉ. रति ढिल्लों
- डॉ. मोहित कुमार
- डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय
- श्री बिप्लब कुमार दे
- श्री जयकर सोड्गिरी
- डॉ. रीमा मोंगा
- डॉ. हर्षदीप
- सुश्री मोनू चौहान

अर्थशास्त्र विभाग

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग अर्थशास्त्र विषय में स्नातक स्तर की शिक्षा प्रदान करता है तथा महाविद्यालय एवं दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी सुदृढ़ शैक्षणिक पहचान स्थापित कर चुका है। विभाग का बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम अत्यधिक लोकप्रिय एवं प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में से एक है, जो देश के विभिन्न भागों से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आकर्षित करता है। वर्ष 1967 में महाविद्यालय की स्थापना के साथ स्थापित इस विभाग ने एक समृद्ध शैक्षणिक परंपरा विकसित की है और आज भी भारत के विविध क्षेत्रों से विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है।

विभाग समकालीन आर्थिक मुद्दों पर प्रतिष्ठित वक्ताओं एवं विशेषज्ञों द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठियों, व्याख्यान शृंखलाओं, कार्यशालाओं तथा वेबिनारों का नियमित आयोजन करता है। इसके अतिरिक्त, विभाग औद्योगिक भ्रमण, वृक्षारोपण अभियान तथा मनोरंजक यात्राओं का भी आयोजन करता है, जो विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास तथा पर्यावरणीय संवेदनशीलता को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होते हैं।

वर्ष 2025–26 के दौरान विभाग ने “कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में चुनौतियाँ और अवसर : एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य” विषय पर विभाग की तृतीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यह संगोष्ठी नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों तथा श्रम प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने में सफल रही, जहाँ अर्थव्यवस्था पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव पर सार्थक चर्चा की गई।

विभाग का वार्षिक अर्थशास्त्र उत्सव "इकोनोटाइज़ (Econotise)" महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर भावी अर्थशास्त्रियों को पैनल चर्चाओं, शोध-पत्र प्रस्तुतियों, मॉडल यूनाइटेड नेशंस (MUNs), तात्कालिक भाषण प्रतियोगिताओं तथा आर्थिक प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है, जिससे बौद्धिक आदान-प्रदान एवं नवाचारी चिंतन को प्रोत्साहन मिलता है।

विभाग समकालीन आर्थिक विषयों पर प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठियों, व्याख्यान शृंखलाओं, कार्यशालाओं तथा वेबिनारों के माध्यम से विद्यार्थियों के अधिगम अनुभव को और समृद्ध बनाता है। इसके अतिरिक्त, विभाग विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से औद्योगिक भ्रमण, वृक्षारोपण अभियान तथा मनोरंजक यात्राओं का भी आयोजन करता है।

विभाग के पूर्व विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा के लिए भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों, जैसे दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIMs), इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB) तथा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT) में प्रवेश प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, अनेक विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर एवं शोध अध्ययन हेतु लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ स्कॉटलैंड तथा यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो जैसे अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में भी प्रवेश प्राप्त किया है। हमारे विद्यार्थी सरकारी एवं कॉर्पोरेट क्षेत्रों के विभिन्न थिंक टैंक्स में सफलतापूर्वक कार्यरत हैं। विभाग अपनी शोध पत्रिका "इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज़", अर्थशास्त्र पत्रिका "अर्थनय", अर्थशास्त्र व्याख्यान शृंखला तथा समर्पित अर्थशास्त्र शोध प्रकोष्ठ "अर्थशोध" का संचालन भी करता है।

शोध प्रकोष्ठ पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान समग्र रूप से कार्य करता है तथा विद्यार्थियों को अंतर्विषयक शोध करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस प्रकोष्ठ को दो प्रमुख उप-विभागों — सूक्ष्म अर्थशास्त्र (Microeconomics) तथा समष्टि अर्थशास्त्र (Macroeconomics) — में विभाजित किया गया है। शोध विषयों में रुचि रखने वाले नवोदित विद्यार्थियों को शैक्षणिक विषयों पर लेखन प्रारंभ करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभाग के शोध प्रकोष्ठ ने अर्थशोध (Arthshodh) की वार्षिक ई-पत्रिका "येलो राइटर: द राइट पाथ (Yellow Writer: The Write Path)" का भी शुभारंभ किया है।

यह पत्रिका युवा शोधकर्ताओं को उनके शैक्षणिक शोध रुचियों के आधार पर विषयों का अन्वेषण करने तथा लेखन के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करती है। विभाग अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नवीन एवं सृजनात्मक गतिविधियों को प्रारंभ करने के लिए निरंतर समर्पित है, जिससे हमारे प्रतिष्ठित महाविद्यालय के गौरवपूर्ण नाम और समृद्ध विरासत को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

अर्थशास्त्र विभाग के संकाय सदस्य

- डॉ. जय राम मीणा
- श्री अरुण कुमार कौशल
- सुश्री गुरपिंदर कौर
- डॉ. सौम्या वर्मा
- **सुश्री जसप्रीत कौर (प्रभारी अध्यापिका)**
- श्री अनुज गोयल
- डॉ. आशीष सिंह
- डॉ. नाहिद परवीन
- सुश्री पल्लवी मनचंदा
- सुश्री ममता
- श्री नमन जैन
- डॉ. प्रियंका सिंह
- श्री शुभ सेजवार
- श्री दीपांशु यादव
- श्री पंकज यादव
- डॉ. अमित कुमार शर्मा
- डॉ. प्रज्ञा नैय्यर
- सुश्री सौम्या कुमार

अंग्रेज़ी विभाग

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का अंग्रेज़ी विभाग विश्वविद्यालय के सबसे सक्रिय एवं ऊर्जावान विभागों में से एक है। विभाग का उद्देश्य ऐसा प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण निर्मित करना है, जहाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहन मिले। सुदृढ़ शैक्षणिक परंपरा के साथ-साथ विभाग कक्षा-कक्ष से परे सीखने की अवधारणा को भी महत्त्व देता है। संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में विद्यार्थी पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान विविध सह-पाठ्यक्रम एवं पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन तथा उनमें सक्रिय सहभागिता करते हैं। विभाग साहित्य के प्रतिष्ठित विद्वानों एवं रचनाकारों द्वारा समसामयिक विषयों पर प्रतिमाह व्याख्यानों का आयोजन करता है। व्याख्यान शृंखला के अतिरिक्त, विद्यार्थियों को विश्वभर के विभिन्न सिनेमाई आंदोलनों से परिचित कराने के उद्देश्य से चयनित फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाता है। विभाग का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य की विभिन्न विधाओं—लिखित, मौखिक तथा सिनेमाई अभिव्यक्तियों—के माध्यम से नवीन विचारों और व्यापक दृष्टिकोण से परिचित कराना है। विभाग को इस बात पर गर्व है कि उसके विद्यार्थी केवल साहित्य की डिग्री ही नहीं, बल्कि व्यापक बौद्धिक दृष्टि और समृद्ध संवेदनशीलता के साथ स्नातक होते हैं।

विभाग अपनी लोकप्रिय साहित्यिक समिति 'ब्रिकोलाज (Bricolage)' के माध्यम से विद्यार्थियों के बीच सहयोगात्मक अधिगम की सशक्त संस्कृति का निर्माण करता है। कार्यशालाओं, व्याख्यान शृंखलाओं तथा विविध सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से ब्रिकोलाज ने महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को समृद्ध करते हुए विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं बौद्धिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया है। विभाग का वार्षिक उत्सव 'एपिफेनिया (Epiphaneia)' न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करता है, बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अंतर्विषयक सहभागिता को भी प्रोत्साहित करता है।

साहित्य को सृजनात्मक दृष्टि से समझने और उसकी व्यापक व्याख्या के उद्देश्य से विभाग साहित्यिक कृतियों के दृश्य रूपांतरणों से विद्यार्थियों को परिचित कराने हेतु नियमित रूप से फिल्मों का प्रदर्शन भी आयोजित करता है। इन फिल्म प्रदर्शनों के माध्यम से कक्षा-कक्ष की चर्चाएँ लिखित पाठ से आगे बढ़कर साहित्य की बहुआयामी व्याख्याओं तक विस्तृत होती हैं। विभाग ने 30 मार्च, 2026 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सर शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में जॉन लियोनार्ड आइज़ैक्स थिएटर फेस्टिवल के द्वितीय संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन भी किया।

विभाग की एक अन्य महत्वपूर्ण पहल इसकी वार्षिक ई-पत्रिका 'एलिसम (Alyssum)' है, जिसमें संकाय सदस्य और विद्यार्थी समान उत्साह के साथ अपनी रचनात्मक एवं आलोचनात्मक अभिव्यक्तियों का योगदान देते हैं। यह पत्रिका महाविद्यालय की साहित्यिक संस्कृति को समृद्ध बनाने के साथ-साथ साहित्यिक प्रतिभाओं के संवर्धन तथा सशक्त सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहित करने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करती है। अपनी विविध एवं नवोन्मेषी पहलों के माध्यम से अंग्रेज़ी विभाग शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में बौद्धिक विकास और सृजनात्मक अभिव्यक्ति का एक सशक्त केंद्र बना हुआ है। बहुविषयक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करते हुए तथा शैक्षणिक विमर्श और रचनात्मक अन्वेषण के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराकर ब्रिकोलाज (Bricolage) विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्यरत है, ताकि वे साहित्यिक जगत और उससे परे की जटिलताओं को समझने तथा उनका सृजनात्मक रूप से सामना करने के लिए सक्षम बन सकें।

अंग्रेज़ी विभाग के संकाय सदस्य

- सुश्री नीता सिंह
- प्रो. नीलांजना मुखर्जी
- डॉ. एस. वरदराज
- सुश्री गरिमा यादव
- प्रो. वी. दीपा
- सुश्री इरा गौड़
- डॉ. सर्वचेतन कटोच
- **सुश्री बीना आर्या (प्रभारी अध्यापिका)**
- डॉ. कोमल अग्रवाल
- श्री प्रणय सूद
- श्री कुणाल करदम
- सुश्री अपूर्वा सिंह
- श्री गौरव कुमार
- सुश्री ऋतम् गुप्ता
- डॉ. चारु चोपड़ा
- सुश्री मोहिनी अवस्थी
- डॉ. अरुण सिंह अवाना

पर्यावरण अध्ययन विभाग

महाविद्यालय का पर्यावरण अध्ययन विभाग पर्यावरण अध्ययन पर आधारित विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों के अध्यापन का दायित्व निभाता है। वर्ष 2023 में तीन सहायक आचार्यों की स्थायी नियुक्ति के साथ विभाग की स्थापना हुई। स्थापना के बाद से विभाग शिक्षण, अनुसंधान एवं जागरूकता से संबंधित विविध गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। विभाग नियमित रूप से संगोष्ठियों एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन करता है, साथ ही विद्यार्थियों के लिए क्षेत्रीय भ्रमण एवं शैक्षणिक भ्रमण आयोजित कर उन्हें पर्यावरणीय विषयों के प्रति संवेदनशील बनाता है। संकाय सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) में उल्लिखित विभिन्न शिक्षण-पद्धतियों का प्रभावी उपयोग करते हुए विद्यार्थियों के लिए उत्कृष्ट अधिगम वातावरण का निर्माण करते हैं। अनुभवात्मक शिक्षण, कक्षा-चर्चाओं तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण बनाया जाता है। अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा वर्ष 2025–26 के दौरान अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें प्रमुख हैं—

- 20 जनवरी, 2026 को महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान।
- अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा दिवस के अवसर पर नारा-लेखन प्रतियोगिता एवं मुक्त प्रश्नोत्तरी का आयोजन।
- अरावली जैव विविधता उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण।
- नीला हौज़ जैव विविधता उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण।

पर्यावरण अध्ययन विभाग के संकाय सदस्य

- श्री हरविंदर सिंह
- सुश्री संध्या सिंह
- **डॉ. श्याम रंजन (प्रभारी अध्यापक)**

भूगोल विभाग

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का भूगोल विभाग महाविद्यालय के सर्वाधिक सक्रिय एवं प्रतिष्ठित विभागों में से एक है। यह विभाग पृथ्वी के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्यों, पर्यावरण तथा मानव, समाज और उनके परिवेश के मध्य विद्यमान जटिल अंतर्संबंधों के अध्ययन के लिए समर्पित है। विभाग के संकाय सदस्य भूगोल की विभिन्न उपशाखाओं, जैसे—भौतिक भूगोल, मानव भूगोल, भू-स्थानिक विज्ञान (Geospatial Science), पर्यावरण अध्ययन, नगरीय नियोजन तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों के अनुभवी एवं विशेषज्ञ शिक्षाविद् हैं। विभाग स्नातक स्तर पर ऐसा पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसे विद्यार्थियों की विविध रुचियों एवं भावी व्यावसायिक आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम भूगोल के मूलभूत सिद्धांतों की सुदृढ़ समझ प्रदान करने के साथ-साथ क्षेत्रीय अध्ययन, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी तथा वास्तविक जीवन से जुड़े अनुप्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव भी उपलब्ध कराता है।

भूगोल विषय में प्राप्त उपाधि विद्यार्थियों के लिए विविध एवं आकर्षक व्यावसायिक अवसरों के द्वार खोलती है। विभाग के पूर्व विद्यार्थी नगरीय नियोजन, मानचित्रण (Cartography), भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS), जनसंख्या अध्ययन तथा अन्य अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रहे हैं। विभाग के पूर्व छात्र-छात्राएँ समाज में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अपने-अपने कार्यक्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहे हैं। विद्यार्थियों को समकालीन भौगोलिक एवं पर्यावरणीय विषयों से निरंतर अवगत कराने के उद्देश्य से विभाग की सक्रिय भूगोल एसोसिएशन समय-समय पर विशेष व्याख्यानों, कार्यशालाओं तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

भूगोल विभाग अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है तथा इसके प्रयोगशालाएँ नवीनतम भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी (Geospatial Technology) और दूरसंवेदी (Remote Sensing) उपकरणों से सुसज्जित हैं। विभाग की भूगोल एसोसिएशन प्रतिवर्ष अपने वार्षिक "जियो-फेस्ट" का आयोजन करती है। यह उत्सव भौगोलिक ज्ञान और सृजनात्मक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण मंच है, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी वाद-विवाद, शोध-पत्र प्रस्तुति, पोस्टर निर्माण, मानचित्र निर्माण, फोटोग्राफी, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी तथा अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं।

विभाग अपनी वार्षिक भौगोलिक पत्रिका "लैंडस्केप" पर विशेष गर्व करता है, जो विभाग के युवा भूगोलविदों की प्रतिभा और रचनात्मकता को अभिव्यक्ति प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, विभाग वास्तविक जीवन के अनुभवों के महत्व में विश्वास करता है और विद्यार्थियों को विश्व के बदलते भौतिक एवं मानवीय परिदृश्यों से परिचित कराने हेतु नियमित रूप से शैक्षणिक तथा क्षेत्रीय भ्रमण आयोजित करता है। इन भ्रमणों के माध्यम से विद्यार्थियों को क्षेत्रीय सर्वेक्षण तकनीकों, जैसे दूरसंवेदी और भौगोलिक सूचना प्रणाली, के प्रशिक्षण से लेकर शोध-आधारित अनुप्रयोगों तक का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है।

भूगोल विभाग एक जीवंत, प्रगतिशील और नवोन्मेषी शैक्षणिक समुदाय है, जो बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करता है, नवाचार को बढ़ावा देता है तथा विविधता का सम्मान करता है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 की प्रमुख उपलब्धियों में से एक 2 से 8 अक्टूबर 2025 तक आयोजित क्षेत्रीय अध्ययन भ्रमण था, जिसमें सेमेस्टर VI के विद्यार्थियों ने मनाली और लाहौल क्षेत्र का भ्रमण किया, जो बारालाचा दर्रा तक विस्तृत था।

भूगोल विभाग के संकाय सदस्य

- डॉ. वी.ए.वी. रामन
- प्रो. पूनम शर्मा
- प्रो. कविता अरोड़ा
- प्रो. स्वाति राजपूत
- प्रो. विश्व राज शर्मा
- डॉ. अमृता बजाज
- डॉ. पी. थोंगखानथांग
- **डॉ. नितिन पुनीत (प्रभारी अध्यापक)**
- डॉ. संतोष कुमार
- डॉ. गौरव नैन
- डॉ. अश्विनी कुमार अग्निहोत्री
- डॉ. सूरज कुमार मलिक
- डॉ. शशांक पटेल
- डॉ. संदीप सतपति
- डॉ. राहुल कुमार

हिंदी विभाग

हिंदी विभाग उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक शिक्षा प्रदान करने तथा हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन एवं समझ में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग के संकाय सदस्य अत्यंत योग्य हैं और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशनों का प्रभावशाली रिकॉर्ड रखते हैं। वे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं तथा शैक्षणिक संवाद और विद्वतापूर्ण सहभागिता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। संकाय सदस्य विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं और उन्हें प्रतिष्ठित संस्थानों एवं संगठनों से सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। विभाग नियमित रूप से शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन करता है, जो पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान छात्रों और संकाय के बीच सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देती हैं।

विभाग में 'हिंदी परिषद' नामक एक छात्र-प्रेरित संस्था है। हिंदी परिषद छात्रों को कक्षा शिक्षण से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है और साथ ही कक्षा में अर्जित ज्ञान को व्यवहार में लागू करने के कौशल विकसित करने में सहायक होती है। परिषद का मुख्य उद्देश्य हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों में संप्रेषण कौशल का विकास करना तथा उन्हें अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सक्षम बनाना है। हिंदी परिषद छात्रों की प्रतिभा को विकसित करने के लिए निबंध प्रतियोगिता, कविता पाठ, भाषण प्रतियोगिता, शोध पत्र वाचन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता और शैक्षणिक भ्रमण जैसे अनेक अंतर-विभागीय, अंतर-महाविद्यालयीय एवं महाविद्यालय-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करती है। विभाग अपने वार्षिक उत्सव 'हिंदी महोत्सव' का भी आयोजन करता है, जिसका उद्देश्य हिंदी साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना तथा छात्रों में सृजनात्मक लेखन क्षमता को प्रोत्साहित करना है।

हिंदी विभाग के संकाय सदस्य

- प्रो. सुनील कुमार तिवारी
- प्रो. कमलेश कुमारी
- डॉ. जय सिंह मीणा
- प्रो. केदार प्रसाद मीणा
- प्रो. कुमार भास्कर
- प्रो. दिनेश राम
- प्रो. संतोष कुमार
- डॉ. हेमंत कुमार हिमांशु
- डॉ. राज कुमार राजन
- डॉ. प्रतिमा
- **डॉ. महेश कुमार चौधरी (प्रभारी अध्यापक)**
- सुश्री भगवती

इतिहास विभाग

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का इतिहास विभाग इतिहास तथा उससे संबंधित विषयों के अध्ययन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। अत्यंत योग्य संकाय और बौद्धिक जिज्ञासा एवं समालोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करने वाली सशक्त शैक्षणिक संस्कृति के साथ, विभाग एक व्यापक और समृद्ध शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इतिहास में ऑनर्स डिग्री के अतिरिक्त, विभाग बी.ए. प्रोग्राम (इतिहास + राजनीति विज्ञान) का पाठ्यक्रम संयोजन भी प्रदान करता है।

विभाग पारंपरिक रटने की पद्धति से आगे बढ़ते हुए शैक्षणिक ईमानदारी, अनुशासित अध्ययन और गहन शोध की संस्कृति को विकसित करने पर विशेष बल देता है। अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ, विभाग अभिलेखन (आर्काइविंग), पुरातत्व और संग्रहालय विज्ञान (म्यूज़ियोलॉजी) जैसे संबंधित क्षेत्रों से परिचय कराने के लिए विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और विद्वतापूर्ण आयोजनों को भी बढ़ावा देता है, जो अनुभवी संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में आयोजित किए जाते हैं।

विभाग की शैक्षणिक संस्कृति केवल कक्षा-व्याख्यानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विषय को कक्षा से बाहर वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने में विश्वास रखती है। इसी दिशा में 'हिस्टोरिया' – द हिस्ट्री समिति, पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान फील्ड ट्रिप, डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन, अतिथि व्याख्यान, शैक्षणिक भ्रमण और हेरिटेज वॉक का आयोजन करती है, जिससे छात्रों को वास्तविक जीवन आधारित अधिगम का अवसर मिलता है और पाठ्यपुस्तकों से परे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

इसके अतिरिक्त, हिस्ट्री समिति पूरे वर्ष व्याख्यान, संगोष्ठियाँ, फिल्म प्रदर्शन, कार्यशालाएँ और चर्चाएँ आयोजित करती है, जिससे जिज्ञासा, रुचि और सीखने के अवसरों से परिपूर्ण एक जीवंत वातावरण का निर्माण होता है।

'धरोहर—द हेरिटेज क्लब' भी विभाग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो विरासत के प्रति उत्साही सभी लोगों के लिए इसकी विविधता को समझने, जागरूकता फैलाने और इसके संरक्षण में योगदान देने का एक मंच प्रदान करता है। यह क्लब केवल भारतीय संस्कृति के मूर्त पहलुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी अमूर्त धरोहरों को भी उजागर करता है। यह क्लब राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (एनईपी) की भावना के अनुरूप कार्य करने का लक्ष्य रखता है, क्योंकि यह भारतीय संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस क्षेत्र में व्यावसायिक ज्ञान भी प्रदान करता है।

क्लब का उद्देश्य एक ऐसा मॉडल तैयार करना है जिसे विश्वविद्यालय स्तर पर लागू किया जा सके, जिससे प्रत्येक छात्र को अपनी विरासत को लिखित प्रस्तुतियों या दृश्य दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित करने का अवसर मिले। संस्थान के भीतर छात्रों को मंच प्रदान करने के साथ-साथ, यह क्लब छात्र विनिमय कार्यक्रमों के अवसरों का भी अन्वेषण करता है। इन कार्यक्रमों में भाग लेकर छात्रों को अन्य देशों की विरासत को निकट से समझने का अमूल्य अवसर प्राप्त होता है, जिससे उनकी वैश्विक सांस्कृतिक विविधता के प्रति समझ और सराहना का विस्तार होता है। साथ ही, विभाग भारत के भीतर विरासत से जुड़े शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित करता है, जहाँ छात्र हमारे देश के समृद्ध ऐतिहासिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं।

विभाग दो दिवसीय वार्षिक शैक्षणिक उत्सव 'युगांतर' का भी आयोजन करता है, जिसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को इतिहास विषय की अपनी समझ को प्रस्तुत करने का मंच प्रदान करना है। विभाग अपने छात्रों को सहानुभूतिपूर्ण, वैज्ञानिक और सशक्त शिक्षण अनुभव प्रदान करते हुए उन्हें सर्वोत्तम शिक्षा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है।

इतिहास विभाग के संकाय सदस्य

- डॉ. प्रशांत कुमार
- **डॉ. प्रेरणा रॉय (प्रभारी अध्यापिका)**
- डॉ. दीपक सोलंकी
- डॉ. शुभम केवलिया
- डॉ. सौरभ वत्सा
- डॉ. संदीप चटर्जी

गणित विभाग

गणित विभाग शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के प्रमुख शैक्षणिक विभागों में से एक है। 1967 में अपनी स्थापना के बाद से, यह विभाग अपने स्नातक कार्यक्रमों और अंतर्विषयक शिक्षण पहलों के माध्यम से गणित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहा है। विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) गणित पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रमों में से एक है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति–स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (NEP-UGCF) के अनुरूप तैयार किया गया है, ताकि छात्रों को गणित के सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त दोनों पहलुओं में मजबूत आधार प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त, विभाग बी.ए. प्रोग्राम (कॉमर्स + गणित) का पाठ्यक्रम संयोजन भी प्रदान करता है तथा NEP-UGCF ढांचे के अंतर्गत जेनेरिक इलेक्टिव, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स और वैल्यू एडिशन कोर्स जैसे अंतर्विषयक स्नातक पाठ्यक्रमों के शिक्षण में सक्रिय योगदान देता है।

विभाग एक प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण बनाने का प्रयास करता है, जो छात्रों में विश्लेषणात्मक सोच और समस्या-समाधान की क्षमताओं का विकास करता है। छात्रों की समझ को विस्तृत करने और विभिन्न विषयों में गणित के विविध अनुप्रयोगों से परिचित कराने के लिए नियमित रूप से संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

\

व्यावहारिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए, विभाग में आधुनिक गणितीय सॉफ्टवेयर से सुसज्जित समर्पित कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ उपलब्ध हैं, जो छात्रों के संगणनात्मक और अनुप्रयुक्त कौशल को विकसित करती हैं। साथ ही, छात्रों को महाविद्यालय के अत्याधुनिक पुस्तकालय संसाधनों का लाभ मिलता है, जहाँ गणित से संबंधित पुस्तकों और संदर्भ सामग्री का विस्तृत संग्रह उपलब्ध है।

गणित विभाग की गणित समिति 'गणितम्' नामक अपने वार्षिक उत्सव के साथ-साथ विभिन्न व्याख्यानों और संगोष्ठियों का आयोजन करती है, जिनमें आकर्षक गणितीय विषयों को प्रस्तुत किया जाता है। यह छात्रों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा को विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है तथा इसमें विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्र भाग लेते हैं। गणित में स्नातक करने वाले छात्रों ने विविध क्षेत्रों में अपने करियर बनाए हैं और शिक्षण एवं शोध, एक्चुरियल साइंस, विधि, सिविल सेवा, ऑपरेशंस रिसर्च, सांख्यिकी, डेटा विश्लेषण, एमसीए, बैंकिंग आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।विभाग के सभी संकाय सदस्य अत्यंत योग्य हैं और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पूर्णतः समर्पित हैं।

गणित विभाग के संकाय सदस्य

- डॉ. ज्योति वार्ष्णेय
- डॉ. बिनय कुमार शर्मा
- डॉ. क्षेत्रिमयुम कृष्णदास
- प्रो. वरिंदर कुमार
- डॉ. निकिता सेतिया
- डॉ. संदीप कुमार
- डॉ. पूजा राज वर्मा
- सुश्री दिव्या भाम्बरी
- श्री गोविंद सिंह
- **डॉ. श्वेता ग्रोवर कुकरेजा (प्रभारी अध्यापिका)**
- सुश्री पूजा खोड़ा

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग व्यापक शिक्षा, अनुसंधान तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से शारीरिक फिटनेस, स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह विभाग महाविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा के सामान्य वैकल्पिक (GE) पाठ्यक्रम पढ़ाता है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को सक्रिय एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करना है, साथ ही शारीरिक शिक्षा, खेल विज्ञान एवं संबंधित विषयों की समझ के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करना भी है।

शारीरिक शिक्षा विभाग, खेल समिति के साथ मिलकर, महाविद्यालय में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन एवं समन्वयन करता है।

गत शैक्षणिक वर्ष के दौरान, महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न अंतर-महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। विभाग के माध्यम से महाविद्यालय अपने वार्षिक खेल दिवस एवं एथलेटिक मीट का आयोजन करता है, साथ ही वॉलीबॉल, शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस तथा क्रिकेट जैसे विभिन्न आंतरिक (इंट्राम्यूरल) प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, विभाग शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए रस्साकशी, म्यूजिकल चेयर, टेबल टेनिस, बैडमिंटन तथा शॉट पुट जैसी अलग-अलग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करता है। इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं कर्मचारी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं।

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य

- **श्री बलविंदर सिंह (प्रभारी अध्यापक)**

राजनीति विज्ञान विभाग

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत शिक्षण, अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। 1967 में स्थापित यह विभाग एक सुदृढ़ शैक्षणिक आधार विकसित कर चुका है और राजनीति विज्ञान के अध्ययन एवं उन्नति में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, विभाग बी.ए. प्रोग्राम (इतिहास + राजनीति विज्ञान) का पाठ्यक्रम संयोजन भी प्रदान करता है। विभाग को उच्च योग्य एवं अनुभवी संकाय का सहयोग प्राप्त है, जिनकी विशेषज्ञता राजनीति विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों—जैसे राजनीतिक सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय संबंध, तुलनात्मक राजनीति, भारतीय शासन एवं राजनीति, सुरक्षा अध्ययन, महिला अध्ययन, लोक नीति एवं प्रशासन, संघर्ष एवं शांति अध्ययन तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों—में विस्तृत है।

संकाय सदस्य प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशनों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों और सहयोगात्मक शैक्षणिक परियोजनाओं में सहभागिता के माध्यम से अनुसंधान एवं विद्वता में सक्रिय योगदान देते हैं। विभाग विभिन्न शैक्षणिक पहलों के माध्यम से बौद्धिक संवाद को भी प्रोत्साहित करता है, जिनमें पैनल चर्चा, विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएँ, इंटरैक्टिव सत्र, पुस्तक समीक्षा तथा गोलमेज चर्चाएँ शामिल हैं। इन गतिविधियों के विषयों में अंतरराष्ट्रीय संबंध, जेंडर अध्ययन, लोक नीति, राजनीतिक दर्शन तथा सिविल सेवा जैसे क्षेत्र सम्मिलित हैं।

विभाग एक सक्रिय पॉडकास्ट क्लब भी संचालित करता है, जो अपनी पॉडकास्ट श्रृंखला 'थॉट बबल' के अंतर्गत प्रो. अनुराधा चेनॉय, प्रो. मनोरंजन मोहंती तथा डॉ. नुपुर रे जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों की मेजबानी कर चुका है। उल्लेखनीय रूप से, विभाग ने राजदूत शिवशंकर मेनन, प्रो. अशोक आचार्य तथा शीर्ष यूपीएससी रैंक धारकों (आईएएस एवं आईपीएस अधिकारियों सहित) के साक्षात्कार भी किए हैं, जिससे विद्यार्थियों को शासन, कूटनीति एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में मूल्यवान जानकारी प्राप्त होती है।

विभाग की प्रमुख गतिविधियों में 27 जनवरी 2026 को हर्ष वर्धन पंत के साथ आयोजित पॉडकास्ट सत्र (इंडो-पैसिफिक रणनीति एवं वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका पर केंद्रित), 4 फरवरी 2026 को अनिल त्रिगुणायत के साथ सत्र (पश्चिम एशियाई भू-राजनीति एवं भारत के विस्तारित पड़ोस पर आधारित), तथा 15 फरवरी 2026 को नीरज सिंह मानहस के साथ संवाद (ग्रीन पावर पॉलिटिक्स एवं स्थिरता पर केंद्रित) शामिल रहे। पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन (PSA) विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह संस्था 'चाणक्य' नामक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक उत्सव सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है। इस वार्षिक उत्सव में मॉडल यूनाइटेड नेशंस (MUN), वाद-विवाद, खेल प्रतियोगिताएँ तथा नीति-आधारित प्रतियोगिताएँ शामिल होती हैं, जो विद्यार्थियों को समग्र अनुभव प्रदान करने और उनके कौशल को निखारने के अवसर उपलब्ध कराती हैं।

यह एसोसिएशन विद्यार्थियों और संकाय के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करता है, जो सहभागितापूर्ण अधिगम एवं छात्र-नेतृत्व वाली पहलों को प्रोत्साहित करता है। इसकी वार्षिक पत्रिका 'चक्रव्यूह' का आधिकारिक शुभारंभ 'चाणक्य 2021' के दौरान किया गया था और इसे दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ विभागीय पत्रिका के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। व्यावहारिक समझ को सुदृढ़ करने हेतु विभाग संसद भ्रमण, फील्ड ट्रिप तथा विद्वानों और विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक सत्रों का भी आयोजन करता है।

राजनीति विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य

- डॉ. मंजेश कुमार
- प्रो. संगीता
- प्रो. प्रवीन कुमार झा
- डॉ. सिंपल मोहंती
- डॉ. अनुशा
- डॉ. कृष्ण मुरारी
- श्री निनाद शंकर नाग
- डॉ. ऋत्युषा मणि तिवारी
- डॉ. राजीव रंजन सिन्हा
- डॉ. सायमा इक़बाल
- डॉ. युवराज कुमार
- श्री गद्दे सूर्या
- **डॉ. राकेश कुमार मीणा (प्रभारी अध्यापक)**

विभागीय आयोजनों की झलकियाँ (2025–26)

विद्यार्थी कल्याण समितियों एवं प्रकोष्ठों के अंतर्गत पहल

प्राचार्य इंटर्नशिप योजना

प्राचार्य इंटर्नशिप योजना (Principal's Internship Scheme) एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थागत कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, साथ ही उनके शैक्षणिक दायित्वों के साथ संतुलन बनाए रखना भी सुनिश्चित करना है। पीआईएस 1.0 और पीआईएस 2.0 के दो सफल चरणों के पूर्ण होने के पश्चात, इस योजना ने महाविद्यालय के प्रशासनिक एवं परिचालन ढांचे के अंतर्गत प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने में अपनी प्रभावशीलता सिद्ध की है। इसी सुदृढ़ आधार पर आगे बढ़ते हुए, पीआईएस 3.0 वर्तमान में प्रगति पर है, जो अनुभवात्मक अधिगम एवं व्यावसायिक विकास की इस परिकल्पना को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में इस कार्यक्रम को अत्यंत उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ, जिसमें प्रातःकालीन एवं सायंकालीन दोनों महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से 300 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए। इंटर्न्स को प्रशासनिक कार्यालय, पुस्तकालय तथा ज्ञान प्रसार केंद्र जैसे प्रमुख विभागों में नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने दैनिक कार्यों, अभिलेख प्रबंधन तथा शैक्षणिक सहयोग सेवाओं में सक्रिय योगदान दिया।

वर्षों के दौरान, प्राचार्य इंटर्नशिप योजना एक ऐसा कार्यक्रम बन गया है, जो प्रातःकालीन एवं सायंकालीन दोनों महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से निरंतर उत्साहपूर्ण सहभागिता प्राप्त करता रहा है। जैसे-जैसे महाविद्यालय इस पहल का विस्तार कर रहा है, वह कार्यक्रम के प्रभाव को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि विद्यार्थियों को ऐसे सार्थक अनुभव प्राप्त हों जो उन्हें भविष्य की व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की परिकल्पना के अनुरूप, प्राचार्य इंटर्नशिप योजना अनुभवात्मक एवं कौशल-आधारित अधिगम को बढ़ावा देती है, जिससे विद्यार्थियों में उत्तरदायित्व, आत्मविश्वास तथा संस्थागत जुड़ाव की भावना विकसित होती है।

संयोजक: डॉ. महेश चौधरी

स्टूडेंट एड फंड एवं फीस रियायत

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय सभी छात्रों को समान अवसर और सुलभता के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय समावेशिता को बढ़ावा देने और छात्रों की आर्थिक बाधाओं को कम करने के लिए पूरी तरह समर्पित है, ताकि उनके शैक्षणिक हितों की रक्षा की जा सके। इसी उद्देश्य से, महाविद्यालय ने 'स्टूडेंट एड फंड एवं फीस रियायत समिति' की स्थापना की है, जो उन छात्रों की सहायता करती है जिन्हें अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए आर्थिक सहयोग की आवश्यकता होती है। यह समिति नियमित रूप से बैठकों का आयोजन करती है, ऐसे मामलों पर चर्चा करती है और रियायत प्रदान करने का मूल्यांकन करती है। फीस में रियायत 10 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक हो सकती है, जो संबंधित छात्र की आर्थिक आवश्यकता और परिस्थितियों पर निर्भर करती है।

शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में छात्रों से ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इसके बाद, फीस रियायत के लिए आवेदन करने वाले सभी छात्रों का विस्तृत साक्षात्कार लिया जाता है। समिति कुछ मूलभूत मानदंड निर्धारित करती है, ताकि फीस में रियायत केवल उन्हीं छात्रों को दी जाए जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है। फीस रियायत का प्रतिशत विभिन्न मानकों पर निर्भर करता है, जैसे छात्र के परिवार की आर्थिक स्थिति, शैक्षणिक प्रदर्शन, नियमित उपस्थिति, तथा महाविद्यालय में उसका समग्र अनुशासन और व्यवहार।

शैक्षणिक वर्ष 2025–26 में, समिति ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के उन सभी छात्रों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए दो विस्तृत साक्षात्कार सत्र आयोजित किए, जिन्होंने स्टूडेंट एड फंड एवं फीस रियायत के लिए आवेदन किया था। समिति ने 250 से अधिक छात्रों को फीस रियायत के लिए अनुशंसित किया। इसके अतिरिक्त, समिति ने कुछ अत्यंत पात्र छात्रों को उनकी आर्थिक स्थिति और शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर 100 प्रतिशत फीस रियायत की भी अनुशंसा की।

स्टूडेंट एड फंड एवं फीस रियायत समिति का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में समावेशिता सुनिश्चित करना है, जिसका लक्ष्य महाविद्यालय के प्रत्येक पात्र छात्र के शिक्षा के अधिकार की रक्षा करना है।
संयोजिका: सुश्री भगवती

छात्रवृत्ति कार्यक्रम, पुरस्कार एवं पारितोषिक

हमारे छात्रों की शैक्षणिक, सह-पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर उपलब्धियों को मान्यता देने के उद्देश्य से, महाविद्यालय अपनी स्थापना के समय से ही प्रतिवर्ष वार्षिक दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन करता आ रहा है। इस अवसर पर, हमारे छात्रों की उपलब्धियों को गौरवान्वित करने हेतु मुख्य अतिथि द्वारा उन्हें प्रमाणपत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं, जो पूरे गरिमामय एवं भव्य वातावरण में संपन्न होता है। वर्ष भर हमारी प्रतिष्ठितसमितियोंके सदस्यों द्वारा किए गए परिश्रम को भी स्मृति-चिह्न (मेमेन्टो) प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

स्वर्ण पदक उन छात्रों को प्रदान किए जाते हैं जो अपने-अपने विभागीय समितियों द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। ये पदक तृतीय वर्ष के उन छात्रों को दिए जाते हैं जिन्होंने अपने-अपने समूह में तीन वर्षों का सर्वोच्च समग्र अंक प्राप्त किया हो, साथ ही उन छात्रों को भी जो विशेष रूप से कठिन विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति समुदायों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र एवं छात्राओं को भी, जिन्होंने तीन वर्षों के दौरान उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि प्रदर्शित की हो, पदक प्रदान किए जाते हैं। विभिन्न सेमेस्टरों के उन छात्रों को, जो शैक्षणिक क्षमता और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते हैं, छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं।

पुरस्कार/सम्मान का नाम	पुरस्कार
कामाक्षी त्रेहन स्मृति स्वर्ण पदक – महाविद्यालय की सर्वश्रेष्ठ छात्रा (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग से इतर छात्रा हेतु)	स्वर्ण पदक
संस्थापक प्राचार्य डॉ. एम. पी. ठाकुर स्वर्ण पदक – महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ छात्र (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग से इतर छात्र हेतु)	स्वर्ण पदक
जागरानी देवी सक्सेना स्वर्ण पदक – महाविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग की सर्वश्रेष्ठ छात्रा	स्वर्ण पदक
द्वारका प्रसाद सक्सेना स्वर्ण पदक – महाविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के सर्वश्रेष्ठ छात्र	स्वर्ण पदक
बी. एम. शर्मा स्वर्ण पदक – बी.कॉम. (ऑनर्स) की उस छात्रा के लिए जिसने द्वितीय सेमेस्टर के उपरांत सर्वाधिक सीजीपीए (CGPA) प्राप्त किया हो	स्वर्ण पदक
एलुमनाई एसोसिएशन स्वर्ण पदक – कंपनी विधि (Company Law)	₹4,000
एलुमनाई एसोसिएशन स्वर्ण पदक – प्रबंधन लेखांकन (Management Accounting)	₹4,000
इंद्र देव कपूर स्मृति छात्रवृत्ति – व्यावसायिक गणित (Business Mathematics)	₹4,000
श्री एस. डी. नागपाल नकद पुरस्कार – व्यावसायिक सांख्यिकी (Business Statistics)	₹2,500
श्रीमती लक्ष्मी बाई नागपाल नकद पुरस्कार – व्यावसायिक सांख्यिकी (Business Statistics)	₹1,500
डॉ. एस. एस. गुलशन मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति	₹4,000
कामाक्षी त्रेहन स्मृति मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति – गणित	₹6,000
डॉ. रुचि शर्मा स्मृति पुरस्कार – छात्रा हेतु	₹4,000
स्वर्गीय सुरजीत सिंह मेहर स्मृति पुरस्कार – बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी के विद्यार्थी हेतु	₹5,000

महाविद्यालय अपने छात्रों द्वारा शैक्षणिक प्रयासों में प्रदर्शित समर्पण और परिश्रम को मान्यता देकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और योग्यता-आधारित वातावरण को विकसित करने का प्रयास करता है। ये सम्मान छात्रों को उस उत्कृष्टता के मानक तक पहुँचने के लिए प्रेरित करते हैं, जिसे शहीद भगत सिंह महाविद्यालय बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय अपने शिक्षकों को भी निरंतर प्रोत्साहित करता है कि वे छात्रों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें—एक ऐसी प्रतिबद्धता जो आने वाले वर्षों में भी दृढ़ बनी रहेगी।

संयोजक: डॉ. विशाल गर्ग

प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप सेल उद्योग से जुड़ाव को सुदृढ़ करते हुए तथा संरचित, करियर-उन्मुख सहयोग प्रदान करके छात्रों के पेशेवर जगत में सफल प्रवेश को सुनिश्चित करने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सेल ने नियोक्ताओं (रिक्रूटर्स) के साथ सहभागिता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया, साथ ही छात्रों को प्रतिस्पर्धी भर्ती प्रक्रियाओं में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिए तैयार किया। पूरे वर्ष के दौरान, रोजगार-योग्यता को बढ़ाने हेतु सीवी निर्माण एवं मूल्यांकन सत्र, अभिक्षमता (एप्टीट्यूड) कार्यशालाएँ, समूह चर्चा प्रशिक्षण तथा मॉक इंटरव्यू जैसी विभिन्न पहलें आयोजित की गईं। सेल ने 'सी-सूट क्लैश' नामक एक केस स्टडी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया, जो Unstop द्वारा संचालित थी, जिसमें छात्रों ने विश्लेषणात्मक सोच का प्रदर्शन करते हुए वास्तविक व्यावसायिक चुनौतियों के लिए नवाचारी समाधान प्रस्तुत किए।

प्लेसमेंट अवसर

शैक्षणिक वर्ष 2025–26 एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का साक्षी रहा है, जिसमें 240 से अधिक प्लेसमेंट ऑफ़र प्राप्त हुए हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। यह पिछले एक दशक में नियोक्ताओं की सबसे अधिक भागीदारी को दर्शाता है, साथ ही हाल के वर्षों में छात्र प्लेसमेंट में उल्लेखनीय वृद्धि को भी प्रतिबिंबित करता है। प्रमुख संगठनों जैसे बेन कैपेबिलिटी नेटवर्क, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, फ्यूचर्स फर्स्ट, डेलॉइट तथा ग्रांट थॉर्नटन ने महाविद्यालय से सक्रिय रूप से भर्ती की।

प्लेसमेंट ड्राइव में उभरती और तेज़ी से विकसित हो रही कंपनियों जैसे डिस्ट्रिक्ट बाय ज़ोमैटो, गैलाघर एंड मोहन, डिट्टो, वीमॉक, प्रेफ़र्ड स्क्वायर, डब्ल्यूटीडब्ल्यू तथा डेल्टा एक्स की भी भागीदारी रही, जो नियोक्ताओं के बढ़ते और विविध आधार को दर्शाती है।

पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान, सर्वाधिक पैकेज ₹17 लाख प्रति वर्ष रहा, जबकि औसत CTC ₹5.45 लाख प्रति वर्ष और माध्य (मीडियन) CTC ₹6 लाख प्रति वर्ष रहा, जो स्थिर और प्रतिस्पर्धी परिणामों को इंगित करता है।

इंटर्नशिप अवसर

इंटर्नशिप अवसर
वर्ष के दौरान कुल 385 से अधिक इंटर्नशिप प्राप्त की गईं, जो सेल के विस्तारित संपर्क और उद्योग के साथ मजबूत सहभागिता को दर्शाती हैं। इनमें से 110 से अधिक इंटर्नशिप स्वतंत्र इंटर्नशिप ड्राइव्स के माध्यम से प्राप्त हुईं, जिनमें डेलॉइट यूएसआई, केपीएमजी, मैजिकपिन, फार्मली, टाटा 1एमजी तथा हिताची जैसी संस्थाओं ने योगदान दिया। वहीं, एक बड़ी संख्या सेल की प्रमुख पहल 'इंटरनोवेट 2026' के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके तहत 275 से अधिक छात्रों ने इंटर्नशिप हासिल की।

फरवरी में आयोजित 'इंटरनोवेट' के प्रथम संस्करण में 75 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें 40 से अधिक ऑफलाइन और 45 से अधिक ऑनलाइन रिक्रूटर्स शामिल थे। इस पहल को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों से 1000 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए, जो इसके व्यापक प्रभाव और पहुँच को दर्शाता है। अनस्टॉप, टाइम्स इंटरनेट, मैजिकपिन, फार्मली, हिताची तथा Careers360 जैसी संस्थाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्रदान किए।

इंटर्नशिप स्टाइपेंड ₹5,000 से लेकर ₹25,000 से अधिक तक रहा, जबकि औसत स्टाइपेंड ₹15,000 प्रति माह रहा। कई कंपनियों ने प्री-प्लेसमेंट ऑफर (PPOs) भी प्रदान किए, जिससे छात्रों के दीर्घकालिक करियर अवसर और अधिक सुदृढ़ हुए।
संयोजक: डॉ. ऋषभ गुप्ता

PLACEMENT REPORT 2025-26

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE, UNIVERSITY OF DELHI

PLACEMENT HIGHLIGHTS

- **17 LPA** HIGHEST PACKAGE
- **6 LPA** MEDIAN PACKAGE
- **5.6 LPA** AVERAGE PACKAGE
- **14 CR** GROSS PACKAGE
- **80+** RECRUITERS
- **280+** OFFERS
- **30+** PROFILES OFFERED

INTERNSHIP HIGHLIGHTS

- **180+** OFFERS
- **15k** AVERAGE STIPEND
- **40k** HIGHEST STIPEND

PROFILES OFFERED

CONSULTING	AUDIT	FINANCE
ARTICLESHP	MARKETING	HUMAN RESOURCES

TOP RECRUITERS

D. · wtw · pwc · EY · KPMG · Grant Thornton

zomato · ditto · RSM · BAIN & COMPANY

करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ शैक्षणिक अध्ययन और व्यावसायिक उत्कृष्टता के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करता है। छात्रों की आकांक्षाओं को संवारने के उद्देश्य से, यह प्रकोष्ठ उन्हें व्यापक मार्गदर्शन, मेंटरशिप और करियर काउंसलिंग प्रदान करता है, जिससे वे अपने भविष्य के मार्ग को आत्मविश्वास के साथ तय कर सकें।

नियमित कार्यशालाओं, संवादात्मक सेमिनारों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा संचालित कौशल-विकास सत्रों के माध्यम से, यह प्रकोष्ठ छात्रों को आज के प्रतिस्पर्धी वैश्विक परिवेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशलों से सुसज्जित करता है। इसके वार्षिक कैलेंडर का मुख्य आकर्षण 'करियर कोड' है, जो प्रकोष्ठ का प्रमुख कार्यक्रम है। यह अत्यंत प्रतीक्षित आयोजन उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तियों, रिक्रूटर्स और छात्रों को एक साथ लाता है, जहाँ सारगर्भित पैनल चर्चाएँ, नेटवर्किंग के अवसर और करियर निर्माण से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जो छात्रों के लिए उत्कृष्ट इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के नए द्वार खोलती हैं।

डेल्टा

डेल्टा आर्टिकुलेशन समिति, छात्रों में प्रभावी संप्रेषण, समालोचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए समर्पित है। यह करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत कार्य करती है। यह समिति एक गतिशील मंच प्रदान करती है, जहाँ आवश्यक सॉफ्ट स्किल्स का विकास किया जाता है, जो शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ समूह चर्चा, साक्षात्कार, सार्वजनिक वक्तृत्व और पेशेवर संवाद के लिए छात्रों को तैयार करती हैं।

पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान, डेल्टा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करती है, जिनका उद्देश्य अभिव्यक्ति कौशल, विश्लेषणात्मक क्षमता और पारस्परिक कौशल को सुदृढ़ करना है। सत्र का समापन 'विरासत'26' के साथ हुआ, जो समिति का प्रमुख आयोजन है। इसमें 'युवा सक्रियता: नैतिकता, नेतृत्व एवं निर्णय-निर्माण' विषय पर प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ 'परिवर्तन' सत्र आयोजित किया गया। इस आयोजन से पहले एक शोध-आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली एनसीआर के विभिन्न महाविद्यालयों से सहभागिता रही। यह कार्यक्रम सार्थक संवाद, प्रभावी संप्रेषण और सामाजिक रूप से जागरूक नेतृत्व का उत्सव था।

सत्र के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं: रेज़ोनेट, टीम मीट, रिपोर्ट लेखन, वर्बेटिम कैप्चर, शोध कार्यशाला, लिंक्डइन कार्यशाला, समूह चर्चा, वर्ड वॉर (इवॉल्व के साथ), एजुकेशन फेयर, टंग-फू हसल, प्रीसाइस राइटिंग, डेल-क्लासिको, आर्टिकल फॉर चेंज, 'अभिव्यक्ति' (पॉडकास्ट श्रृंखला), 'ग्लोबल रोटी डे' (विशालाक्षी फाउंडेशन के सहयोग से), तथा समिति की पत्रिका 'एक्सप्रेसो' का प्रकाशन।

संयोजक: डॉ. साहिल रामचंदानी

एसबीएससी एलुमनाई एसोसिएशन

एलुमनाई एसोसिएशन पूर्व छात्रों को एकजुट करने और उनके हितों को आगे बढ़ाने का कार्य करती है, साथ ही महाविद्यालय के आदर्शों को साकार करने में सहयोग देकर संस्थान के प्रति निष्ठा को प्रोत्साहित करती है। यह शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है तथा महाविद्यालय प्रशासन के लिए एक विचार-विमर्श मंच के रूप में कार्य करती है, साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित उपयुक्त एलुमनाई गतिविधियों का समर्थन करती है। एलुमनाई रिलेशन्स सेल (ARC) एसबीएससी और उसके प्रतिष्ठित पूर्व छात्र समुदाय के बीच सेतु का कार्य करता है। यह सेल पूर्व छात्रों को सामाजिक, पेशेवर और शैक्षणिक संवाद में संलग्न होने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

यह सेल तीन प्रमुख गतिविधियों के माध्यम से पूर्व छात्रों के हितों को सुदृढ़ करने का कार्य करता है: छात्र अनुभव को बेहतर बनाना, पूर्व छात्रों को सेवाएँ प्रदान करना, और महाविद्यालय समुदाय के साथ मजबूत संबंध स्थापित करना। एलुमनाई रिलेशन्स सेल, एलुमनाई एसोसिएशन के मार्गदर्शन में, महाविद्यालय में एक मेंटरशिप महोत्सव का आयोजन करता है। यह एक अनूठी पहल है, जिसके तहत विभिन्न उद्योगों से वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में अपने अनुभव साझा करते हैं।

प्रतिभागियों को अतिथि वक्ताओं के साथ संवाद करने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर भी मिलता है। पिछले शैक्षणिक वर्ष की एक प्रमुख पहल "द वॉयसेज़ ऑफ एसबीएससी" नामक पॉडकास्ट श्रृंखला का शुभारंभ था, जिसका उद्देश्य पूर्व छात्रों की सहभागिता को सुदृढ़ करना और उन्हें अपने अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस वर्ष की एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि एलुमनाई नेटवर्क का निरंतर विस्तार रहा, जिसमें आजीवन सदस्यता 5000 के आँकड़े को पार कर गई।

संयोजिका: डॉ. दिव्या मेहता

अधिक जानकारी के लिए देखें: www.sbscalumni.org

हमारे प्रमुख एलुमनाई

G. GEHANI
B.Com,Batch of 1974
Director & Company Secretary at PSL

JUSTICE MOOL CHAND GARG
B.Com (Hons.), Batch of 1974
Higher Judicial Service

RAKESH BEDI
B. Com Hons, Batch of. 1976
ACTOR

SANDEEP MARWAH
B. Com (Hons.), Batch of 1978
FOUNDER OF ASIAN ACADEMY OF FILM & TELEVISION

ANIL BERERA
B. Com, Batch of 1979
STRATEGIC ADVISOR

NARINDER WADHWA
B. Com (Hons.), Batch of 1984
MANAGING DIRECTOR OF SKI GROUP

SHOOJIT SIRCAR
B. Com (Hons.), Batch of 1990
FILMAKER/PRODUCER

GAURAV BHAGAT
English Honors, Batch of 1997
Founder and Managing Director Consortium

ASANKA SHEHAN SEMASINGHE
B. Com, Batch of 1999
MINISTER OF FINANCE OF SRI LANKA

KABIR ADVANI

Owner, Bercos

RIDHIMA KOHLI

B. Com (Hons.), Batch of 2004

DIRECTOR AT STANDARD CHARTERED BANK

SIDHARTH MALHOTRA

B.Com, Batch of 2006

ACTOR

AMAN GUPTA

B. Com (Hons.), Batch of 2001

ENTREPRENEUR

SONAKSHI TOMAR IAS

B. Com (Hons.), Batch of 2011

INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE

BHUVAN BAM

BA (Hons.) History, Batch of 2014

COMEDIAN & ACTOR

ANUBHAV SINGH

BA (Hons.) Political Science, Batch of 2015

IAS OFFICER

Anubhav Singh, a distinguished alumnus of our esteemed college from the batch

RITURAJ SHARMA

BA (Hons.) Political Science, Batch of 2022

UPSC AIR 462

MOHIT BHARDWAJ

B. Com (Hons.), Batch of 2007

ADVOCATE AT DELHI HIGH COURT

AKASH GUPTA

B. Com (Hons.), Batch of 2010

STAND UP COMEDIAN

KOMAL PANDEY

B. Com, Batch of 2015

FASHION BLOGGER

HARSHVARDHAN RANE

Course, Batch of

ACTOR

ARUN GUPTA

B.Com (Hons.), Batch of2017

GUEST SERVICES ASSOCIATE

SARAH HUSSAIN

BA (Hons.) Political Science, Batch of 2017

FOOD BLOGGER

SIDDHARTH SETHI

B. Com (Hons.), Batch of 2013

ENTREPRENEUR

SUNEET VARMA

FASHION DESIGNER

ADRIAN SHEPHERD

BA Prog, Batch of 2011

CEO, Superfly Productions

ANUBHA MATHUR

B.Com, Batch of 2004

CFO, Clifford Chance

अवसंरचना

स्मार्ट कक्षाएँ

महाविद्यालय ने आधुनिक एवं प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण वातावरण के निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप अनेक कक्षाओं को अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाओं के रूप में विकसित किया है। ये कक्षाएँ स्मार्ट बोर्ड, एलएएन (LAN) कनेक्टिविटी, ऑडिटोरियम शैली की बैठक व्यवस्था, इंटरैक्टिव पैनल, पोडियम प्रणाली, उच्च गति की वाई-फाई सुविधा, ध्वनि प्रणाली तथा स्मार्ट कैमरों जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इन संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षण सामग्री तक सहज पहुँच प्राप्त होती है तथा जटिल अवधारणाओं का प्रभावी दृश्यांकन, सहभागितापूर्ण शिक्षण और अधिक समृद्ध शिक्षण-अधिगम अनुभव सुनिश्चित होता है। महाविद्यालय प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा भविष्य में अत्याधुनिक शिक्षण अवसंरचना से युक्त अतिरिक्त स्मार्ट कक्षाओं के विकास हेतु सक्रिय पहल कर रहा है।

पुस्तकालय : ज्ञान एवं अधिगम संसाधन केंद्र

महाविद्यालय का पुस्तकालय उसकी शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, जहाँ पुस्तकों, शोध-पत्रिकाओं तथा डिजिटल ई-संसाधनों का समृद्ध एवं विस्तृत संग्रह उपलब्ध है। यह विद्यार्थियों और शोधार्थियों को स्वतंत्र अध्ययन, शोध तथा बौद्धिक विकास के लिए अनुकूल एवं सुव्यवस्थित पठन-पाठन वातावरण तथा पूर्णतः संगणकीकृत पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करता है। विद्यार्थी ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC) के माध्यम से पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों का विवरण प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, एन-लिस्ट (NLIST) तथा दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (DULS) के माध्यम से ई-पुस्तकों एवं ई-जर्नलों तक भी सहज पहुँच उपलब्ध है।

अत्याधुनिक रीडिंग हॉल

महाविद्यालय का नवीन रूप से विकसित, विशाल एवं पूर्णतः वातानुकूलित रीडिंग हॉल विद्यार्थियों के एकाग्र अध्ययन एवं स्वाध्याय के लिए विशेष रूप से निर्मित किया गया है। यह विस्तृत बैठक क्षमता तथा समावेशी एवं विद्यार्थी-अनुकूल वातावरण के साथ शैक्षणिक तैयारी के लिए उत्कृष्ट सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह रीडिंग हॉल सोमवार से शनिवार तक मध्यरात्रि (12:00 बजे) तक खुला रहता है।

रीडिंग हॉल का समय

सोमवार–शनिवार	प्रातः 08:00 बजे – रात्रि 12:00 बजे
रविवार	प्रातः 08:00 बजे – रात्रि 10:00 बजे
राजपत्रित अवकाश	प्रातः 08:00 बजे – रात्रि 08:00 बजे

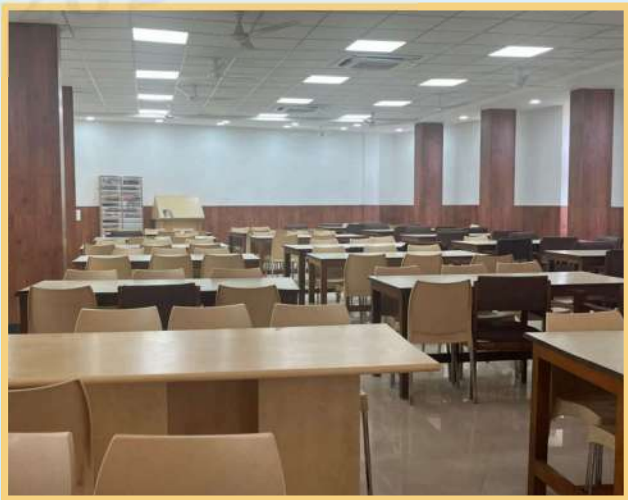

शैक्षणिक सभागार

उन्नत ऑडियो-विजुअल प्रौद्योगिकी तथा लचीली बैठक व्यवस्था से सुसज्जित एक आधुनिक सभागार। यह सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशालाओं तथा बौद्धिक विचार-विमर्श के लिए महाविद्यालय का प्रमुख केंद्र है। सभागार में 230 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। इस सभागार में पहले ही 13वें अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय एवं प्रबंधन सम्मेलन जैसे प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। यह महाविद्यालय के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रमुख आयोजन स्थल के रूप में इसकी महत्ता को दर्शाता है।

ओपन-एयर सभागार

महाविद्यालय ने हाल ही में रॉक-वूल इन्सुलेशन से सुसज्जित एक अत्याधुनिक ओपन-एयर सभागार का निर्माण कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह सभागार प्रमुख शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु एक उत्कृष्ट स्थल प्रदान करता है, जहाँ उत्कृष्ट डिज़ाइन, लचीलापन, दक्षता तथा सततता का समन्वित रूप से समावेश किया गया है। इस सभागार में लगभग 500 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है।

सभागार में ऊर्जा-कुशल एवं कम-शोर वाले हाई वॉल्यूम लो स्पीड (HVLS) पंखे स्थापित किए गए हैं, जो समान एवं सुचारु वायु संचार सुनिश्चित करते हैं। इससे उपस्थित लोगों को अधिक आरामदायक वातावरण प्राप्त होता है, अनेक स्टैंडिंग पंखों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है तथा कार्यक्रमों के लिए एक सतत एवं लागत-प्रभावी शीतलन व्यवस्था उपलब्ध होती है। हाल ही में इस सभागार में महाविद्यालय का 59वाँ वार्षिक दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कंप्यूटर एवं भूगोल प्रयोगशालाएँ

महाविद्यालय में 11 आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं, जिनमें भूगोल विभाग की तीन प्रयोगशालाएँ भी शामिल हैं। सभी प्रयोगशालाएँ ऑल-इन-वन (AIO) कंप्यूटर, प्रोजेक्टर तथा साउंड सिस्टम से सुसज्जित हैं। भूगोल विभाग की रिमोट सेंसिंग एवं डिजिटल कार्टोग्राफी प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक उपकरणों एवं प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित किया गया है, ताकि विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए उन्नत शिक्षण एवं शोध को सक्षम बनाया जा सके।

सेमिनार, गतिविधि एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष

आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित ये बहुउद्देशीय एवं लचीले कक्ष कार्यशालाओं, प्रस्तुतियों तथा सहयोगात्मक समूह चर्चाओं के लिए समर्पित हैं। ये कक्ष रचनात्मकता, प्रभावी संवाद एवं निर्बाध संचार को प्रोत्साहित करने वाला एक पेशेवर वातावरण प्रदान करते हैं।

ज्ञान प्रसार केंद्र

रिकॉर्डिंग सुविधाओं से सुसज्जित एक डिजिटल मीडिया केंद्र, जहाँ शैक्षणिक व्याख्यानों, पॉडकास्ट तथा समर्पित यूट्यूब चैनल के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री तैयार की जाती है। यह केंद्र संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (CUET-PG) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शैक्षणिक संसाधन एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराता है। इसका उद्देश्य पारंपरिक कक्षा शिक्षण से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के अवसरों का विस्तार करना है।

एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ERP) – सक्षम

सक्षम शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा आंतरिक रूप से विकसित एक एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ERP) प्रणाली है, जो महाविद्यालय के आँकड़ों एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कुशल प्रबंधन के लिए विकसित की गई है। यह प्रणाली महाविद्यालय की वेबसाइट तथा समर्पित मोबाइल ऐप के माध्यम से उपलब्ध है। इसके माध्यम से प्रवेश/नियुक्ति से लेकर विदाई/सेवानिवृत्ति तक विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं प्रशासन से संबंधित समस्त सूचनाओं का एकीकृत संग्रहण, प्रबंधन एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जाता है।

डिजिटल इंडिया की भावना तथा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य के अनुरूप कागज़ की खपत को कम करने के उद्देश्य से सक्षम विभिन्न प्रक्रियाओं एवं अभिलेखों—जैसे विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन के अंक, विद्यार्थियों हेतु सूचनाएँ आदि—का डिजिटलीकरण करता है। इसके परिणामस्वरूप महाविद्यालय के कार्बन फुटप्रिंट में उल्लेखनीय कमी आती है तथा पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत कार्य-संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। यह पोर्टल विशेष रूप से विद्यार्थियों को उपस्थिति, असाइनमेंट, शिक्षकों एवं प्रशासन के साथ प्रभावी संवाद तथा अन्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सेवाओं का सहज लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। यह अभिनव प्रणाली महाविद्यालय की दैनिक गतिविधियों की वास्तविक समय) में निगरानी एवं दृश्यता उपलब्ध कराती है, जिससे आँकड़ा-आधारित निर्णय-निर्माण, अधिक पारदर्शिता तथा कार्यकुशलता सुनिश्चित होती है। साथ ही, यह विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन अवकाश आवेदन आदि प्रक्रियाओं के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन में सहायक है।

समन्वयक: डॉ. शशांक पटेल

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.sits.sitsliveerpsbsc (प्ले स्टोर से ERP ऐप डाउनलोड करने के लिए लिंक)

चिकित्सा एवं परामर्श सुविधाएँ

महाविद्यालय ने संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों सहित महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के संवर्धन हेतु एक सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की है। मुख्य भवन (डॉ. बी. आर. आंबेडकर ब्लॉक) के प्रवेश द्वार पर स्थित चिकित्सा कक्ष में योग्य चिकित्सक डॉ. सुमंत गौतम तथा स्टाफ नर्स सुश्री मिनी सैमुअल की उपलब्धता के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक कल्याण के लिए छात्र परामर्शदाता/ मनोवैज्ञानिक सुश्री ज्योत्सना गुलाटी की सेवाएँ भी उपलब्ध कराई जाती हैं। वे प्रत्येक मंगलवार को ऑनलाइन अपॉइंटमेंट तथा प्रत्येक गुरुवार को परिसर में प्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों को समर्पित एवं प्रभावी परामर्श प्रदान करती हैं।ये सभी सेवाएँ महाविद्यालय के सभी सदस्यों के लिए पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध हैं।

खेल सुविधाएँ

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए इनडोर एवं आउटडोर दोनों प्रकार के खेलों की उत्कृष्ट सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इनमें क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, खो-खो, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, जिम्नास्टिक, कैरम तथा शतरंज जैसे खेल शामिल हैं। विभिन्न खेलों में पंजीकरण हेतु विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री बलविंदर सिंह से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

छात्राओं हेतु कॉमन रूम

छात्राओं के लिए विशेष रूप से आरक्षित एक सुरक्षित, आरामदायक एवं सुव्यवस्थित मनोरंजन कक्ष। यह कक्ष आरामदायक बैठक व्यवस्था, इनडोर खेलों, वाई-फाई तथा विश्राम एवं पारस्परिक संवाद के लिए आवश्यक सभी मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित है।

परिसर सुविधाएँ एवं छात्र सहायता सेवाएँ

महाविद्यालय परिसर में सुव्यवस्थित साझा स्थान एवं सुलभ सेवा काउंटर उपलब्ध हैं, जिन्हें छात्र सहायता सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। ये सुविधाएँ विद्यार्थियों को दैनिक परिसर जीवन में सुविधा, आराम तथा कार्यकुशलता सुनिश्चित करती हैं।

अतिरिक्त सुविधाएँ

फोटोकॉपी सेवाएँ: महाविद्यालय परिसर में स्थित फोटोकॉपी एवं स्टेशनरी दुकान पर उचित दरों पर फोटोकॉपी सेवाएँ उपलब्ध हैं।

हरित लॉन: महाविद्यालय में सुंदर रूप से विकसित हरित लॉन हैं तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बनाए रखने हेतु नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान संचालित किए जाते हैं।

बैंक: परिसर में स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को सुविधाजनक वित्तीय सेवाएँ प्रदान करती है।

कैंटीन एवं कैफेटेरिया: हरित उद्यान के समीप स्थित कैंटीन में स्वच्छ, पौष्टिक एवं किफायती नाश्ता एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाते हैं। यह स्थान विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए एक जीवंत सामाजिक केंद्र के रूप में भी कार्य करता है, जहाँ कक्षाओं एवं कार्य के बीच विचार-विमर्श, संवाद एवं बैठकों के माध्यम से परिसर जीवन को अधिक गतिशील बनाया जाता है, साथ ही यह शारीरिक एवं मानसिक पुनरुत्थान में भी सहायक है।

आईटी सर्वर कक्ष: तकनीकी रूप से उन्नत सर्वर कक्ष महाविद्यालय की डिजिटल अवसंरचना और पहलों को समर्थन प्रदान करता है।

सीसीटीवी: सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

एकाधिक प्रवेश एवं निकास द्वार: वाहनों और पैदल आवागमन के प्रभावी प्रबंधन के लिए सुव्यवस्थित।

सुसज्जित एवं प्रकाशयुक्त छात्र मार्ग: विशेष रूप से सायंकालीन छात्रों के लिए सुरक्षा और सुगम पहुँच सुनिश्चित करते हैं।

वाई-फाई युक्त परिसर: संपूर्ण महाविद्यालय परिसर वाई-फाई सुविधा से युक्त है।

हाल के अवसंरचनात्मक विकास कार्य

मदर डेयरी बूथ (Mother Dairy Booth): एक नवनिर्वाचित कैंपस बूथ जो छात्रों और कर्मचारियों को ताजा डेयरी उत्पादों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं तक त्वरित पहुँच प्रदान करता है। यह कैंपस की सुविधा को बढ़ाता है और एक स्वच्छ वातावरण में छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देता है।

कैंटीन में वेंडिंग मशीन (Vending Machine in the Canteen): कैंटीन में हाल ही में स्थापित की गई एक वेंडिंग मशीन पेय पदार्थों (बेवरेजेस) और पैकेज्ड स्नैक्स का सुविधाजनक वितरण (डिस्पेंसिंग) प्रदान करती है। यह कैंपस की सुविधाओं को आधुनिक बनाता है और कक्षाओं के बीच छात्रों का समय बचाता है।

निर्धारित स्थानों पर शिकायत पेटियाँ (Complaint Boxes at Dedicated Locations): कैंपस में रणनीतिक रूप से चुनिंदा स्थानों पर लगाई गई भौतिक पेटियाँ (भौतिक बॉक्स), जो छात्रों और कर्मचारियों को आसानी से अपने सुझाव और फीडबैक साझा करने की अनुमति देती हैं। यह पहल संस्थागत जवाबदेही, पारदर्शिता और समस्याओं के समय पर समाधान को बढ़ावा देती है। महाविद्यालय के छह ब्लॉकों के आसपास रखी गई ये पेटियाँ एक सुरक्षित और अत्यधिक संवेदनशील (त्वरित कार्रवाई वाले) कैंपस वातावरण को सुनिश्चित करती हैं।

पुस्तकालय में ओनोस (ONOS) की सदस्यता : पुस्तकालय ने ओनोस (वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन) की सदस्यता ली है, जिससे शैक्षणिक उपयोग के लिए विद्वत्तापूर्ण (स्कॉलरली) ई-संसाधनों, पत्रिकाओं (जर्नल्स) और डेटाबेस तक पहुँच का विस्तार हुआ है।

सुगम्य पुस्तकालय : सुगम्य पुस्तकालय सुलभ सामग्री तैयार करने वाले प्रकाशकों/निर्माताओं के लिए एक सहायक मंच है, जो प्रिंट-दिव्यांगता (पढ़ने में असमर्थता) वाले लोगों को मिलकर सुलभ पुस्तकें तैयार करने और उपलब्ध कराने का काम करता है। महाविद्यालय ने दृष्टिबाधित छात्रों के लिए पठन सामग्री तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए इसकी सदस्यता ली है।

वर्ष 2026–27 हेतु प्रस्तावित अवसंरचनात्मक विकास

बहुउद्देशीय हॉल-सह-खेल ब्लॉक (Multipurpose Hall-cum-sports block)

- बैडमिंटन, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और टेबल टेनिस के लिए इनडोर कोर्ट।
- शतरंज, कैरम और अन्य इनडोर बोर्ड गेम्स के लिए समर्पित स्थान।
- योग और नृत्य को बढ़ावा देने के लिए स्थान।
- खेल, फिटनेस और पाठ्येतर (एक्स्ट्रा-करिकुलर) गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्थान।

आउटडोर खेल सुविधाएं (Outdoor Sports Facilities)

- फ्लडलाइट्स से सुसज्जित पूर्ण आकार का क्रिकेट ग्राउंड।
- अभ्यास पिच, चेंजिंग रूम और वॉशरुम।
- समर्पित फुटबॉल ग्राउंड।
- खुली व्यायामशाला (ओपन-एयर जिमनेजियम)।

ईसीए कॉम्प्लेक्स (ECA complex)

- छात्रों की सांस्कृतिक, रचनात्मक, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर (एक्स्ट्रा-करिकुलर) गतिविधियों के लिए समर्पित स्थान।
- सोसायटियों और क्लबों के लिए रिहर्सल, बैठकें, कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित करने की सुविधाएं।

शैक्षणिक विस्तार (Academic Expansion)

- 20+ नए क्लासरूम और प्रयोगशालाएं (कंप्यूटर और भूगोल लैब)।
- शिक्षण, सीखने और अनुसंधान के लिए आधुनिक स्थान।

कैंपस विकास (Campus Development)

- सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए आउटडोर एम्फीथिएटर (खुला रंगमंच)।
- बैठने की बढ़ी हुई क्षमता के साथ उन्नत वातानुकूलित कैंटीन।

विभिन्न केंद्र

आंतरिक शिकायत समिति

आंतरिक शिकायत समिति शहीद भगत सिंह महाविद्यालय महिला छात्राओं और कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित, संरक्षित और अनुकूल शैक्षणिक व कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। SBSC में, हम अत्यधिक सतर्क रहते हैं और यौन उत्पीड़न व लैंगिक असंवेदनशीलता के किसी भी रूप के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस' (बिल्कुल बर्दाश्त न करने की) नीति अपनाते हैं। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार, महाविद्यालय ने छात्राओं और कर्मचारियों से यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया है। कोई भी पीड़ित व्यक्ति बिना किसी डर या संकोच के पीठासीन अधिकारी या आंतरिक शिकायत समिति के किसी भी सदस्य से संपर्क कर सकता है। स्पष्टता और सुलभता में सुधार के लिए, ने अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (FAQs) का एक सेट तैयार किया है, जो शिकायत प्रक्रिया, जांच प्रक्रियाओं, झूठी शिकायतों के प्रभाव और अन्य प्रासंगिक पहलुओं को रेखांकित करता है। व्यापक समझ के लिए ये महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

संपर्क सूत्र: ई-मेल: icc@sbs.du.ac.in |
पीठासीन अधिकारी: प्रो. कमलेश कुमारी

आरटीआई – सूचना का अधिकार

महाविद्यालय पारदर्शी कामकाज में विश्वास रखता है। कोई भी छात्र, शिक्षक, गैर-शिक्षण स्टाफ का सदस्य या यहाँ तक कि कोई बाहरी व्यक्ति भी केवल 10 रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करके, सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम के तहत आवेदन कर के महाविद्यालय से कोई भी जानकारी मांग सकता है। आवेदन जन सूचना अधिकारी (PIO) को संबोधित होना चाहिए।

जन सूचना अधिकारी (Public Information Officer): प्रो. शिखा गुप्ता
ई-मेल आईडी: rti@sbs.du.ac.in

अनुशासन समिति

हमारे महाविद्यालय में एक सम्मानजनक और केंद्रित शिक्षण वातावरण बनाए रखने के लिए अनुशासन समिति बेहद महत्वपूर्ण है। भावी छात्रों के रूप में, महाविद्यालय के मूल्यों को बनाए रखने और सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में समिति की भूमिका को समझना आवश्यक है। समर्पित संकाय सदस्यों से मिलकर बनी यह समिति व्यावहारिक मुद्दों, कदाचार और नीति के उल्लंघनों का निष्पक्ष और तटस्थ रूप से समाधान करती है।

वे गहन जांच करते हैं और छात्रों को अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर देते हैं। कदाचार का समाधान करने के अलावा, यह समिति नैतिक व्यवहार, संघर्ष समाधान और नीतियों के पालन पर कार्यशालाएं (वर्कशॉप) आयोजित करके सम्मान और ईमानदारी की संस्कृति को बढ़ावा देती है। वे सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले निवारक उपायों और सहायता प्रणालियों को लागू करने के लिए अन्य विभागों के साथ सहयोग करते हैं। कदाचार की गंभीरता के आधार पर, समिति द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में चेतावनी और काउंसलिंग से लेकर निलंबन या निष्कासन तक शामिल हो सकता है। उनका लक्ष्य छात्रों को व्यक्तिगत विकास और जिम्मेदार नागरिकता की ओर मार्गदर्शन करना है, जिससे शैक्षणिक माहौल बेहतर हो सके।

समिति की उपस्थिति का उद्देश्य एक सहायक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देना है, न कि डर पैदा करना। महाविद्यालय की अपेक्षाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाकर, वे एक ऐसा कैंपस माहौल बनाने में मदद करते हैं जहाँ सभी छात्र सफल हो सकें। यदि आप किसी नियम का उल्लंघन देखते हैं या किसी समस्या की रिपोर्ट करना चाहते हैं, तो शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की अनुशासन समिति से यहाँ संपर्क करें: **disciplinecommittee@sbs.du.ac.in.**

संयोजक: डॉ. आशीष सिंह

ज्ञान प्रसार केंद्र

ज्ञान प्रसार केंद्र एक अभूतपूर्व पहल है जिसे सभी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अर्थशास्त्र, गणित, वाणिज्य और लिबरल आर्ट्स को कवर करने वाली विश्वविद्यालय परीक्षाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं और शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के लिए संरचित (स्ट्रक्चर्ड) शिक्षण संसाधन प्रदान करता है। प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार अत्री के नेतृत्व में 25 नवंबर, 2023 को स्थापित यह केंद्र एक लाइव स्टूडियो से संचालित होता है, जिसमें एक साउंडप्रूफ रिकॉर्डिंग रूम, हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरे, ग्रीन स्क्रीन सेटअप, स्मार्टबोर्ड, एडिटिंग रूम और पॉडकास्ट स्टूडियो शामिल हैं। महाविद्यालय की सभी सोसायटियों के लिए इस उन्नत तकनीकी सेटअप का लाभ उठाने के अवसर खुले हैं।

ज्ञान प्रसार केंद्र का एक यूट्यूब (YouTube) चैनल भी है जिसका उद्देश्य शैक्षिक सामग्री तक पहुँचने के लिए एक केंद्रीकृत मंच के रूप में कार्य करना और क्लासरूम से परे सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। यह पहल स्मार्ट बोर्ड और पेशेवर रूप से सुसज्जित रिकॉर्डिंग सेटअप के माध्यम से महाविद्यालय के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक व्याख्यानों के लिए एक मंच प्रदान करती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच का विस्तार करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल उन छात्रों की सहायता करने का प्रयास करती है, जिन्हें बेहतर सीखने के अवसरों और शैक्षणिक संसाधनों तक पहुँचने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

व्याख्यानों के अलावा, यह एक मीडिया हब के रूप में भी कार्य करता है जो पॉडकास्ट, इंफोटेनमेंट सामग्री, शॉर्ट-फॉर्म वीडियो और लाइव कार्यक्रमों की स्ट्रीमिंग तैयार करता है। पिछले कुछ महीनों में, इसने हजारों व्यूज प्राप्त किए हैं, जो शिक्षा के माध्यम से "विकसित भारत" के दृष्टिकोण को मजबूत करता है। ज्ञान प्रसार केंद्र ने अब तक लगभग 100 व्याख्यान वीडियो, 25 पॉडकास्ट और 65 लाइव स्ट्रीम तैयार किए हैं। डिजिटल सहभागिता के मामले में, केंद्र के प्लेटफॉर्म ने लगभग 7 लाख से अधिक व्यूज और 3.11K से अधिक सब्सक्राइबर्स दर्ज किए हैं। यह केंद्र महाविद्यालय के लिए शैक्षणिक मीडिया उत्पादन और डिजिटल पहुँच (आउटरीच) की केंद्रीय इकाई के रूप में लगातार कार्य कर रहा है।

निदेशक (Director): श्री नमन जैन

यूट्यूब चैनल लिंक:

https://www.youtube.com/channel/UCQ5KyhWxIxoUmTRNtLzNTDA

सीमा अध्ययन केंद्र

सीमा अध्ययन केंद्र की आधिकारिक स्थापना 23 जनवरी, 2026 को हुई थी। इसे भू-राजनीतिक सीमाओं, राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमावर्ती समुदायों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों पर शोध के लिए एक समर्पित शैक्षणिक मंच के रूप में कार्य करने के लिए बनाया गया था। सेमिनार, संवादात्मक सत्र (इंटरैक्टिव सत्र) और अनुसंधान परियोजनाओं का आयोजन करके, इस पहल का उद्देश्य शैक्षणिक पाठ्यक्रम को समृद्ध करना और छात्रों को समकालीन सीमा प्रबंधन व क्षेत्रीय राजनीति की गहरी समझ प्रदान करना है।

निदेशक: प्रो. नीलांजना मुखर्जी

आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र

मई 2018 में स्थापित, आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र, आपदा प्रबंधन अनुसंधान, प्रशिक्षण और आपदा तैयारियों, जोखिम न्यूनीकरण व शमन के लिए जागरूकता पैदा करने में एक उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में कार्यरत है। यह केंद्र अपने जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जोखिमों के प्रबंधन के लिए स्थानीय लोगों और समुदायों को लक्षित करने में सक्रिय रूप से कार्य करता है।

इसके पीछे का विचार यह है कि समुदाय ही किसी भी आपदा के समय सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले होते हैं, इसलिए उन्हें अपने जोखिमों को कम करने और प्रबंधित करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। स्थानीय समुदायों के अलावा, केंद्र विभिन्न विभागों और संकायों के छात्रों के लिए समर्पित प्रशिक्षण और कार्यशालाएं आयोजित करने की भी योजना बना रहा है। छात्र हमारे समाज की रीढ़ हैं और उन्हें हर समाज का "भविष्य" माना जाता है, इसलिए अपने समर्पित प्रयासों के माध्यम से समग्र रूप से समाज के जीवन में बड़े बदलाव लाना प्रत्येक छात्र की जिम्मेदारी है। नियमित रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिसमें छात्रों, कर्मचारियों और अन्य प्रतिभागियों के लिए मॉक ड्रिल, व्याख्यान (लेक्चर्स), शॉर्ट-टर्म कोर्स, सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम, अंतर-महाविद्यालय व अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण और कार्यशालाएं शामिल हैं।

समन्वयक: प्रो. विश्व राज शर्मा

भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र का उद्घाटन 16 जनवरी, 2023 को आज़ादी का अमृत महोत्सव और दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के दौरान किया गया था। इस केंद्र की स्थापना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लक्ष्यों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप की गई है, ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अनुसंधान व आउटरीच गतिविधियों को सुगम और प्रसारित किया जा सके। इसके अलावा, यह केंद्र नियमित रूप से सूचनात्मक और व्यावहारिक कार्यशालाओं , वार्ताओं और सेमिनारों का आयोजन भी करता है। केंद्र ने हमारे प्रत्येक छात्र को वन-ऑन-वन (व्यक्तिगत) ट्यूशन सत्रों के दौरान अपने संचार के तरीकों (जैसे- असाइनमेंट, पेपर, प्रेजेंटेशन, भाषण, रचनात्मक लेखन आदि) या सॉफ्ट स्किल्स का मूल्यांकन करने और उनमें सुधार करने के लिए एक तंत्र विकसित किया है, और जल्द ही इस तंत्र का परीक्षण व कार्यान्वयन किया जाएगा।

समन्वयिका: डॉ. कोमल अग्रवाल

अंतर्राष्ट्रीय संबंध केंद्र

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय संबंध केंद्र की स्थापना के माध्यम से अपने वैश्विक शैक्षणिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थागत पहल की। 23 जनवरी, 2026 को मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय समन्वय और विकास कार्यक्रम को औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय संबंध केंद्र के रूप में पुनर्गठित किया गया। अनुसंधान, शैक्षणिक आदान-प्रदान और नीति-उन्मुख संवाद के लिए एक बहुविषयक मंच के रूप में परिकल्पित यह केंद्र तुलनात्मक राजनीति, कूटनीति, अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा अध्ययन, संस्कृति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल गवर्नेंस में छात्रवृत्ति व ज्ञान को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है, जिसमें भारतीय तथा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के दृष्टिकोणों पर विशेष जोर दिया गया है। इस दृष्टिकोण के माध्यम से, इस केंद्र का उद्देश्य महाविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक नेटवर्क में एक सक्रिय भागीदार के रूप में स्थापित करना है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध केंद्र ने भविष्य के सहयोग, अनुसंधान समूहों, नीति संवादों, छात्र विनिमय और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के लिए एक मजबूत संस्थागत नींव रखी है। बहुत हीक म समयावधि में, इस केंद्र ने शहीद भगत सिंह कॉलेज की शैक्षणिक रूपरेखा और वैश्विक दृष्टिकोण को उल्लेखनीय रूप से समृद्ध किया है, साथ ही , गहन, बाह्यमुखी तथा नीति-उन्मुख शोध की संस्कृति को बढ़ावा दिया है।। भविष्य की ओर देखते हुए, यह समिति अधिक छात्र विनिमय पहलों और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से बहुसांस्कृतिक एकीकरण को सुदृढ़ करके अपनी पहुँच का विस्तार करना चाहती है, जिससे उच्च शिक्षा में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिल सके।

निदेशिका: डॉ. ऋत्युषा मणि तिवारी

पूर्वोत्तर भारत अध्ययन केंद्र

पूर्वोत्तर भारत अध्ययन केंद्र की स्थापना पूर्वोत्तर क्षेत्र के अंतःविषय अध्ययन के लिए समर्पित एक प्रमुख अनुसंधान, शिक्षण तथा संस्थागत सहयोग के केंद्र के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर एक शैक्षणिक केंद्र के रूप में कार्य करना है ताकि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक बहुलता, पारिस्थितिक समृद्धि (इकोलॉजिकल रिचनेस) और सामाजिक-राजनीतिक गतिशीलता को मुख्यधारा के विद्वत्तापूर्ण और नीतिगत संवाद में लाया जा सके। मैदानी अनुसंधान को नीतिगत जुड़ाव के साथ जोड़कर, यह केंद्र पूर्वोत्तर भारत की समकालीन चुनौतियों और ऐतिहासिक प्रक्षेपपथों (हिस्टोरिकल ट्रैजेक्टरी) को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है।

निदेशक: डॉ. क्षेत्रीमयुम कृष्णदास

स्कूल ऑफ़ हैप्पीनेस केंद्र

स्कूल ऑफ़ हैप्पीनेस शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों के भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण का ध्यान रखना है। शहीद भगत सिंह के आदर्शों से प्रेरित होकर, यह पहल सार्थक जुड़ाव, सामाजिक कल्याण तथा सकारात्मक सामाजिक बदलाव को बढ़ावा देती है।

इसका दृष्टिकोण बहुविषयक (मल्टीडिसिप्लिनरी) सहयोग, मनोवैज्ञानिक कल्याण और समग्र विकास को बढ़ावा देना है, जिससे छात्र सहानुभूति रखने वाले और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बन सकें। यह केंद्र सेवा के माध्यम से सीखने के अवसरों और सहकर्मी परामर्श(पीयर मेंटरशिप) कार्यक्रमों के माध्यम से विभागीय बाधाओं को तोड़ता है, और 'विकसित भारत@2047' के प्रगतिशील दृष्टिकोण का समर्थन करता है। इन उद्देश्यों के अनुरूप, स्कूल ऑफ हैप्पीनेस ने प्रोजेक्ट 'राही' के तत्वावधान में 'समरस' फाउंडेशन के सहयोग से 20 अगस्त 2025 को "हियर फॉर यू" (Here For You) नामक एक सेमिनार आयोजित करने के लिए शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के रोटरैक्ट क्लब के साथ भागीदारी की थी। इस सेमिनार का मुख्य फोकस 'होमसिकनेस' (घर से दूर रहने पर घर की याद आना) के समाधान पर था, जो नए वातावरण में ढलने वाले छात्रों के सामने आने वाली एक आम चुनौती है, और इसने चर्चा व इससे निपटने की रणनीतियों के लिए एक सहायक मंच प्रदान किया।

समन्वयिका: डॉ. रति ढिल्लों

जनजातीय अध्ययन केंद्र

यह केंद्र जनजातीय समुदायों के अंतर्विषयक अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए एक समर्पित शैक्षणिक मंच के रूप में कार्य करता है। यह उनके समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों तथा सामाजिक-आर्थिक विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है।

संगोष्ठी, संवादात्मक सत्रों और क्षेत्रीय अनुसंधान पहलों के आयोजन के माध्यम से, यह केंद्र वंचित समूहों द्वारा सामना की जाने वाली समकालीन चुनौतियों को संबोधित करने तथा जनजातीय दृष्टिकोणों को मुख्यधारा के शैक्षणिक एवं नीतिगत विमर्श में शामिल करने का उद्देश्य रखता है।

नोडल अधिकारी: डॉ. राकेश कुमार मीणा

लेखन एवं संप्रेषण केंद्र

यह केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी तरह का एक अनूठा स्थान है। इसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और बाहरी विशेषज्ञों के विविध वर्गों के साथ मिलकर काम करके महाविद्यालय समुदाय के भीतर संचार, आलोचनात्मक सोच और अनुसंधान कौशल विकसित करना है, साथ ही लेखन, संचार और अनुसंधान के सर्वोत्तम तौर-तरीकों की एक बहुविषयक समझ प्रदान करना है। छात्रों को उच्च शिक्षा और वैश्विक नौकरी बाजार के लिए तैयार करने के लिए, यह केंद्र नियमित रूप से अंग्रेजी व्याकरण (इंग्लिश ग्रामर) कक्षाएं, बातचीत सत्र और शैक्षणिक परीक्षाओं के लिए कार्यशालाएं जैसे कि "एंडगेम: स्ट्रेटजी, स्ट्रक्चर, एंड स्कोर" आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, यह केंद्र 4 फरवरी, 2026 को शुरू किया गया एक जीवंत बुक क्लब 'लोगोस' (Logos) चलाता है, जो कैंपस में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक बारीकियों, साहित्य, दर्शन और वैश्विक दृष्टिकोणों की खोज करने वाली त्रिभाषी (तीन भाषाओं में) चर्चाओं की मेजबानी करता है।

समन्वयक: श्री गौरव कुमार

मेराकी (Meraki)

मेराकी शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की द्विभाषी (Bilingual) रचनात्मक लेखन समिति है, जिसने दिल्ली विश्वविद्यालय सर्किट और उससे आगे लगातार शीर्ष स्थान हासिल किए हैं और एक मजबूत प्रतिष्ठा स्थापित की है। घनिष्ठ मित्रता की नींव पर बनी यह समिति युवा प्रतिभाओं को लेखन के क्षेत्र में एक साथ सीखने, बढ़ने और प्रगति करने के लिए एक सहायक मंच प्रदान करती है। अपने उद्देश्य के प्रति सच्ची रहते हुए, यह सोसायटी साल भर विभिन्न बैठकें आयोजित करती है, स्वतंत्र गति से व्यक्तिगत रचनात्मक विकास को बढ़ावा देती है, एआई (AI) द्वारा संचालित दुनिया में रचनात्मक लेखन के वास्तविक सार को सुरक्षित रखती है, और अपने सदस्यों को विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करती है। इस समिति के प्रमुख अंतर-महाविद्यालय उत्सव (फ्लैगशिप फेस्टिवल) का नाम 'अल्फ़ाज़' (Alfaaz) है।

योग एवं ध्यान केंद्र – हर घर ध्यान

यह केंद्र नियमित योग अभ्यास और आध्यात्मिक शिक्षाओं को बढ़ावा देकर छात्रों के मन, शरीर और आत्मा को पोषित करता है। इसका उद्देश्य एकाग्रता, आत्म-जागरूकता और भावनात्मक कल्याण में सुधार करना है, जिससे छात्रों को अपनी पढ़ाई और व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियों को बेहतर ढंग से संभालने में मदद मिल सके। यह माइंडफुलनेस (सचेतनता), सम्मान और समावेशिता के माध्यम से एक सकारात्मक वातावरण बनाता है। यह केंद्र विश्राम (रिलैक्सेशन), तनाव कम करने और सकारात्मक मानसिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए नियमित योग सत्र, अनुकूल योग प्रतियोगिताएं और माइंडफुलनेस/ध्यान सत्र आयोजित करता है।

योग और ध्यान केंद्र सहनशक्ति और सटीकता पर आधारित वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम (फ्लैगशिप इवेंट) 'सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता' आयोजित करता है, जिसमें प्रतिभागी सूर्य नमस्कार के कई दौर पूरे करते हैं। यह केंद्र छात्रों को अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने और जीवन में निरंतरता, माइंडफुलनेस और आत्म-अनुशासन के मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
संयोजक: श्री अमोल दीपक नेरकर

गांधी अध्ययन मंडल

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में गांधी अध्ययन चक्र युवा पीढ़ी के बीच महात्मा गांधी की शिक्षाओं और सिद्धांतों के अध्ययन व अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसका मिशन समकालीन मुद्दों और चुनौतियों के लिए उनकी प्रासंगिकता को समझने के लिए उनके लेखन, भाषणों और कार्यों की गहराई में जाकर गांधीजी के विचारों और दर्शन पर शैक्षणिक संवाद, वाद-विवाद और चर्चाओं को बढ़ावा देना है। पिछला शैक्षणिक वर्ष 'द मिलेनियल महात्मा' (The Millennial Mahatma) पुस्तक के विमोचन के साथ संपन्न हुआ, जो गांधी अध्ययन चक्र के सदस्यों द्वारा लिखी गई एक मूल कृति है। यह महत्वपूर्ण बौद्धिक प्रयास इस सोसायटी के सामूहिक शैक्षणिक परिश्रम का प्रतिनिधित्व करता है।
संयोजिका: डॉ. सायमा इक़बाल

ब्लेंडेड लर्निंग केंद्र

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के 'सेंटर फॉर ब्लेंडेड लर्निंग' ने आईआईएम बैंगलोर (IIM Bangalore) के सहयोग से 'अंतरराष्ट्रीय विपणन के आवश्यक तत्व'(Essentials of International Marketing) कोर्स को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। यह भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के 'स्वयं' (SWAYAM) प्लेटफॉर्म के तहत एक 3-क्रेडिट कोर्स है।

नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCrF) के तहत 6.5 क्रेडिट प्रदान करने वाले इस कोर्स के अब तक दो बैच सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं। इसके पहले बैच में 1800 से अधिक तथा दूसरे बैच में 1000 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया।

छात्रों को ग्लोबल मार्केटिंग (वैश्विक विपणन) की मुख्य अवधारणाओं से अवगत कराने के लिए डिज़ाइन किया गया यह कोर्स शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों (रियल-वर्ल्ड एप्लीकेशंस) का एक बेहतरीन मिश्रण पेश करता है, जिससे छात्रों को सीखने का एक इंटरैक्टिव अनुभव मिलता है। इस कार्यक्रम ने छात्रों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के उतार-चढ़ाव को गहराई से समझने में सक्षम बनाया है, जो उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास में मददगार साबित हो रहा है।

समन्वयक: श्री जयकर सोड्गिरी

रिसर्च सेल

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का 'रिसर्च सेल' (अनुसंधान प्रकोष्ठ) शिक्षा के भविष्य को आकार देने में अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक विकास की परिवर्तनकारी शक्ति को मान्यता देता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप, इस सेल की स्थापना शैक्षणिक उत्कृष्टता की संस्थागत संस्कृति को विकसित करने और एक जीवंत अनुसंधान वातावरण बनाने के लिए की गई थी।

इसका मुख्य उद्देश्य अनुसंधान उत्पादकता को बढ़ाना, अंत:विषय सहयोग (विभिन्न विषयों के बीच तालमेल) को बढ़ावा देना और संकाय सदस्य व छात्रों दोनों के बीच अत्यधिक नैतिक अनुसंधान प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है। रणनीतिक रूप से, यह सेल स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग को सुगम बनाता है, बाहरी फंडिंग और अनुदान सुरक्षित करता है, और बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPR) की रक्षा करता है।

समन्वयक: डॉ. अश्विनी कुमार अग्निहोत्री

कौशल विकास केंद्र

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय ने 16 जुलाई, 2016 को अपने स्वर्ण जयंती समारोह (गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन्स) के उद्घाटन समारोह के अवसर पर 'सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट' (कौशल विकास केंद्र) की स्थापना की घोषणा की थी।

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवाओं के बीच उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) और कौशल विकसित करने के भारत के राष्ट्रीय मिशन में योगदान देना है। यह केंद्र छात्रों को उनके व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से लैस करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने इस उद्देश्य के तहत, केंद्र ने रोजगार क्षमता (एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स), निर्णय लेने की क्षमता, आलोचनात्मक सोच (क्रिटिकल थिंकिंग) और व्यावहारिक शिक्षा (एक्सपेरिएंशियल लर्निंग) पर कार्यशालाओं (वर्कशॉप्स) की एक श्रृंखला आयोजित की है।

इन्क्यूबेशन, नवाचार एवं उद्यमिता प्रकोष्ठ (IIEC)

यह सेल 'सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट' के तहत दो मुख्य स्तंभों के माध्यम से काम करता है: पहला ई-सेल (E-Cell), जो सेमिनार, वर्कशॉप और प्रतियोगिताओं के जरिए नए विचार उत्पन्न करने पर ध्यान केंद्रित करता है; और दूसरा इन्क्यूबेशन सेल (Incubation Cell), जो मेंटरशिप (मार्गदर्शन), उद्योग जगत से जुड़ाव और स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करता है।

कैंपस में उद्यमिता (बिजनेस शुरू करने) की एक मजबूत भावना विकसित करने के लिए समर्पित यह सेल, करियर विकास और वित्तीय साक्षरता पर महत्वपूर्ण शैक्षणिक सेमिनारों का आयोजन करता है। इसके साथ ही, यह अर्ध-वार्षिक (छह महीने में होने वाले) कार्यक्रम "इग्निशिया"(Ignitia) और वार्षिक प्रमुख उत्सव "एमिनेंस"(Eminence) जैसे बड़े आयोजनों की मेजबानी भी करता है। इन पहलों, प्रख्यात वक्ताओं के सत्रों (स्पीकर सेशन्स) और छात्रों के लाइव उद्यमी स्टॉल(Live Entrepreneur Stall) के माध्यम से, IIEC सक्रिय रूप से उद्योग जगत के साथ साझेदारी बनाता है, मेंटरशिप के अवसरों का विस्तार करता है और छात्रों के स्टार्टअप बिजनेस को आगे बढ़ाता है।

समन्वयिका: डॉ. नेहा नैनवाल

लीडxएसबीएससी (LEADxSBSC)

'सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट' के तहत संचालित, लीडxएसबीएससी शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की एक प्रमुख शैक्षणिक और नेतृत्व विकास पहल (लीडरशिप डेवलपमेंट इनिशिएटिव) है। यह शैक्षणिक उत्कृष्टता, नेतृत्व विकास, नवाचार, कौशल वृद्धि और व्यावहारिक शिक्षा (एक्सपेरिएंशियल लर्निंग) के समग्र मिश्रण के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार स्नातक तैयार करने की संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

परिवर्तनकारी शैक्षणिक पहलों के लिए एक साझा मंच (अम्ब्रेला प्लेटफॉर्म) के रूप में डिज़ाइन किया गया, लीडxएसबीएससी सम्मेलनों, कार्यशालाओं (वर्कशॉप्स), सेमिनार, वेबिनार, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, प्रतियोगिताओं, उद्यमिता पहलों, उद्योग जगत के साथ संवाद, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और बहुविषयक शिक्षण अनुभवों को एक साथ लाता है। यह मंच छात्रों को आलोचनात्मक सोच अपनाने, जिम्मेदारी से नेतृत्व करने, आत्मविश्वास से नवाचार करने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता के महाविद्यालय के दृष्टिकोण से प्रेरित, लीडxएसबीएससी रचनात्मकता, अनुसंधान, संचार कौशल, व्यावसायिक क्षमता और जीवन भर सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के साथ-साथ शिक्षा जगत, उद्योग, सरकार और समुदाय के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।
संयोजिका: डॉ. पूजा तलवार

शहीद भगत सिंह अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में, शोध-आधारित शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए साल 2017 में शहीद भगत सिंह अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सेंटर फॉर शहीद भगत सिंह स्टडीज एंड रिसर्च) की स्थापना की गई थी। अपने शुरुआती वर्ष में, इस केंद्र ने नियमित और गहन अभिलेखागार (आर्काइव) दौरों के माध्यम से भगत सिंह और अन्य क्रांतिकारियों पर पुस्तकों, लेखों और अन्य दस्तावेजों का एक व्यापक संग्रह तैयार किया।

यह केंद्र भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन पर प्रकाशित और अप्रकाशित सामग्रियों का एक समृद्ध संग्रह एक साथ लाता है, जिसमें ब्रिटिश होम पॉलिटिकल रिकॉर्ड्स, स्वतंत्रता सेनानियों के संस्मरण और भगत सिंह के साथियों के साक्षात्कारों की पांडुलिपियां (मैनुस्क्रिप्ट्स) शामिल हैं। इसके अलावा, तस्वीरों, कैलेंडर आर्ट और निर्धारित चित्रों और साहित्य की एक विस्तृत श्रृंखला छात्रों को भगत सिंह की विरासत से जुड़ने में सक्षम बनाती है।

हाल के वर्षों में, इस केंद्र ने भारत के क्रांतिकारी आंदोलन के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन व्याख्यान (लेक्चर्स), पुस्तक पठन (बुक रीडिंग्स), शैक्षणिक स्थलों का दौरा (साइट विजिट्स) और वृत्तचित्रों (डॉक्यूमेंट्री) की स्क्रीनिंग का आयोजन किया है।

यह केंद्र भविष्य में भी इसी तरह के फील्ड दौरों, स्क्रीनिंग, व्याख्यानों, चर्चाओं और अन्य गतिविधियों के माध्यम से शहीद-ए-आजम भगत सिंह के क्रांतिकारी अतीत और उनकी विरासत को याद रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

समन्वयक: डॉ. जय राम मीणा

सामाजिक प्रभाव इकाई

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में 'सोशल इम्पैक्ट यूनिट' (सामाजिक प्रभाव इकाई) एक समर्पित मंच है, जिसकी स्थापना छात्रों को गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) से जोड़ने और विभिन्न सामाजिक पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद करने के लिए की गई है। इस यूनिट ने '24*7 केयर फाउंडेशन' के सहयोग से इस वर्ष दो कार्यक्रमों का आयोजन किया। यूनिट के सदस्यों ने रोहिणी, दिल्ली में स्थित 24*7 केयर फाउंडेशन के बुजुर्गों के मनोरंजन केंद्र (रिक्रिएशन सेंटर) का दौरा किया। छात्रों ने इस दौरे के दौरान मनाए गए दिवाली-पूर्व (प्री-दिवाली) कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रों ने दीये जलाए और बुजुर्गों को दीये पेंट करने में मदद की।

दूसरा कार्यक्रम मेदांता-द मेडिसिटी अस्पताल के सहयोग से आयोजित एक 'स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम' (ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम) था। इस दौरान सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (कैंसर सर्जरी) की विशेषज्ञ डॉ. अनन्या देओरी द्वारा एक व्याख्यान दिया गया, और महिला छात्रों व संकाय सदस्यों (फैकल्टी) को स्तन कैंसर की स्वयं जांच (सेल्फ-डायग्नोस) करने का तरीका सिखाने के लिए एक कैंप का आयोजन किया गया। छात्रों ने इस बातचीत में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और 50 से अधिक छात्राओं ने स्वयं स्तन परीक्षण करने की प्रक्रिया सीखी।

नोडल अधिकारी: डॉ. दीपक सोलंकी

विशेष रूप से सक्षम छात्रों के समावेशन एवं सशक्तिकरण केंद्र

'दिव्यांग छात्रों के लिए समावेशन और सशक्तीकरण केंद्र (सेंटर फॉर इंक्लूजन एंड एम्पावरमेंट फॉर स्पेशली एबल्ड स्टूडेंट्स) की स्थापना वर्ष 2022 में की गई थी। इस केंद्र का उद्देश्य महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों में आगे बढ़ने की आकांक्षा जगाना है और विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य की नौकरी की संभावनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने में उनकी मदद करना है।

यह केंद्र छात्रों को संयोजकों और संकाय शिक्षकों साथ बैठकों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है ताकि वे अपनी विशेष आवश्यकताओं पर चर्चा कर सकें। इसके साथ ही, यह अन्य छात्रों को भी इस प्रासंगिक उद्देश्य एवं मुहिम से जुड़ने के लिए लामबंद (एकजुट) करता है।

समन्वयिका:: प्रो. स्वाति राजपूत

सक्षम इकाई (इनेबलिंग यूनिट)

महाविद्यालय ने विकलांग (दिव्यांग) छात्रों और शिक्षकों की छिपी हुई प्रतिभाओं और क्षमताओं को पहचानने और उन्हें सामने लाने के लिए एक 'इनेबलिंग यूनिट' (सक्षम इकाई) की स्थापना की है। यह इकाई 'सेंटर फॉर इंक्लूजन एंड एम्पावरमेंट ऑफ स्पेशली एबल्ड स्टूडेंट्स' के तहत काम करती है। इस पहल के माध्यम से, दिव्यांग छात्र एक संवेदनशील समुदाय के मार्गदर्शन और समर्थन से समाज के अन्य लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। यूएनसीआरपीडी (UNCRPD) के सिद्धांत "हमारे बिना हमारे लिए कुछ भी नहीं" (nothing for us without us) और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016- "उचित सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि दिव्यांग व्यक्ति दूसरों के समान ही समानता के अधिकार, गरिमापूर्ण जीवन और अपनी अखंडता के प्रति सम्मान का आनंद उठाएं") से प्रेरणा लेते हुए, हम दिव्यांग छात्रों और शिक्षकों की आवश्यकताओं और जरूरतों को समझते हैं। इस यूनिट के कुछ प्रमुख प्रयासों में—उचित केबिनों के साथ पूरी तरह सुसज्जित एक 'इनेबलिंग यूनिट रूम' स्थापित करना, और उसमें स्क्रीन रीडिंग व बुक रीडिंग सॉफ्टवेयर वाले कंप्यूटर और वॉयस-इनेबल्ड (आवाज से चलने वाली) स्कैनिंग मशीनों जैसे उचित उपकरण उपलब्ध कराना और बहुत कुछ शामिल है।

समन्वयक: डॉ. एस. वरदराज

समान अवसर प्रकोष्ठ

इक्वल अपॉर्चुनिटी सेल (समान अवसर प्रकोष्ठ) की स्थापना महाविद्यालय समुदाय के सभी सदस्यों के लिए एक समावेशी और न्यायसंगत शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय की पहल के अनुरूप, यह सेल अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) श्रेणियों के साथ-साथ विकलांग व्यक्तियों (PwDs) से संबंधित छात्रों के मुद्दों के समाधान का प्रयास करता है। EOC सकारात्मक कार्रवाई को बढ़ावा देता है और पूरी संस्था में एक बाधारहित वातावरण सुनिश्चित करने, सुलभ बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) और सहायता प्रणाली प्रदान करने की दिशा में काम करता है। यह विकलांग व्यक्तियों (PwDs) की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, आर्थोपेडिक (अस्थि-विकलांगता) और न्यूरोलॉजिकल (तंत्रिका संबंधी) विकलांगता से पीड़ित लोग शामिल हैं। इसके साथ ही, यह विकलांगता या अल्पसंख्यक दर्जे के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म करने का प्रयास करता है। यह सेल सक्रिय रूप से जागरूकता बढ़ाता है, रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से अल्पकालिक पहलों माध्यम से कौशल विकास को प्रोत्साहित करता है, और अपनी पहुंच व प्रभाव को मजबूत करने के लिए समान क्षेत्रों में काम करने वाले संस्थानों और संगठनों के साथ सहयोग करता है।

संयोजक: प्रो. संतोष कुमार

समितियाँ

हरितक्रम (पर्यावरण समिति)

हरितक्रम (The Environment Society) इस मूल सिद्धांत पर कार्य करती है कि सार्थक पर्यावरणीय परिवर्तन की शुरुआत जमीनी स्तर से होती है। इस समिति का उद्घाटन 7 सितंबर 2012 को प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं लेखिका पद्मश्री सुनीता नारायण द्वारा किया गया था। यह समिति महाविद्यालय परिसर और उसके आसपास पर्यावरण जागरूकता फैलाने तथा सतत एवं हरित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। हरितक्रम दिल्ली सरकार के सहयोग से आयोजित पर्यावरण अभियानों, चर्चाओं, वाद-विवादों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों की ऊर्जा को एक स्वस्थ और स्थिर समाज के निर्माण की दिशा में प्रवाहित करती है। यह समिति छात्रों को पर्यावरणीय मुद्दों पर विचार-विमर्श और सक्रिय भागीदारी के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है।

पिछले शैक्षणिक वर्ष की एक उल्लेखनीय उपलब्धि “Nudging Green: Towards Pro-Environmental Behaviour” नामक आठ सप्ताह का ऑनलाइन पाठ्यक्रम था, जिसका आयोजन 26 जुलाई से 14 सितंबर 2025 तक किया गया। इस पाठ्यक्रम को दिल्ली विश्वविद्यालय के 11 विभिन्न महाविद्यालयों से अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली और 77 छात्रों ने इसे सफलतापूर्वक पूर्ण किया। व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए यह समिति नियमित रूप से फील्ड ट्रिप्स और पर्यावरणीय अभियानों का आयोजन करती है तथा अर्थ आवर (Earth Hour) और विश्व पर्यावरण दिवस (World Environment Day) जैसे वैश्विक आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेती है। यह समिति इस विश्वास पर आधारित है कि युवा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की सबसे शक्तिशाली शक्ति हैं, और उन्हें इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

संयोजक: डॉ. हरविंदर सिंह

उड़ान - सिविल सेवा समिति

उड़ान (Udaan), महाविद्यालय की "सिविल सेवा परीक्षा" से संबंधित समिति है, जिसकी स्थापना इस उद्देश्य के साथ की गई थी कि UPSC सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को मार्गदर्शन, मेंटरशिप और सहयोग प्रदान किया जा सके। इस समिति का मुख्य लक्ष्य छात्रों को उनके प्रशासनिक सेवाओं के सपने को साकार करने में सक्षम बनाना है।

समिति की प्रमुख पहल इसका वार्षिक प्रमुख आयोजन “League of UPSC Diaries” है, जिसका उद्देश्य भावी सिविल सेवकों को तैयार करना है। यह आयोजन छात्रों को रणनीतिक मार्गदर्शन, विषय-विशेष सहायता तथा एक बौद्धिक रूप से समृद्ध वातावरण प्रदान करता है। उड़ान समिति छात्रों में विश्लेषणात्मक सोच (Analytical Thinking), समसामयिक घटनाओं (Current Affairs) की समझ और परीक्षा-उन्मुख तैयारी को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देती है, जिससे वे सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकें।

उड़ान का मुख्य उद्देश्य प्रभावी उत्तर लेखन (Answer Writing) में दक्षता विकसित करना है, जो UPSC की प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए एक अत्यंत आवश्यक कौशल है। पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान, उडान (Udaan) विभिन्न प्रभावशाली और मूल्य-आधारित गतिविधियों का आयोजन करती है, जिनमें विशेषज्ञ व्याख्यान, सेवारत अधिकारियों के साथ संवादात्मक सत्र, तथा अत्यंत संरचित शैक्षणिक कार्यक्रम शामिल हैं। ये सभी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया का अनुभव, प्रेरणादायक मार्गदर्शन और लोक प्रशासन की बहुआयामी जिम्मेदारियों की गहरी समझ प्रदान करती हैं।

समन्वयक: डॉ. शशांक पटेल

वित्त और निवेश समिति

वित्त एवं निवेश समिति (FIS) की स्थापना वर्ष 2013 में हुई। अपनी स्थापना के बाद से इसने दिल्ली विश्वविद्यालय की अग्रणी वित्तीय समितियों में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। समिति की प्रमुख एवं व्यावहारिक पहल 'प्रोजेक्ट सिक्का' है, जो वास्तविक समय (Real-time) पर आधारित एक आभासी (Virtual) शेयर बाज़ार सिम्युलेटर है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को इक्विटी, क्रिप्टोकरेंसी तथा कमोडिटी के व्यापार का व्यावहारिक एवं व्यापक अनुभव प्राप्त होता है।

समिति नियमित रूप से उच्च प्रभाव वाले शैक्षणिक एवं वित्तीय कार्यक्रमों का आयोजन करती है। शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से FIS प्रतिमाह व्यवसाय एवं वित्तीय बाज़ार पर आधारित न्यूज़लेटर प्रकाशित करती है। इसके साथ ही समिति निफ्टी (NIFTY) के प्रदर्शन, विभिन्न क्षेत्रों (Sectoral Outlooks) तथा प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) के विश्लेषण को समाहित करते हुए एक विस्तृत वार्षिक निवेश प्रतिवेदन (Investment Report) भी प्रकाशित करती है। वित्तीय साक्षरता के प्रसार हेतु समिति अपने शैक्षणिक YouTube कंटेंट के माध्यम से डिजिटल मंचों पर भी सक्रिय योगदान देती है।
समिति का वार्षिक प्रमुख उत्सव 'क्रोम्युलेंट (Cromulent)' दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करता है, जहाँ वे अपनी वित्तीय समझ, रणनीतिक सोच एवं प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

संयोजक: डॉ. अमोल दीपक नेरकर

वित्तमंत्रा, वित्तीय साक्षरता समिति

वित्तमंत्रा, वित्तीय साक्षरता समिति, की स्थापना जुलाई 2024 में शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में इस महत्वपूर्ण उद्देश्य से की गई थी कि महाविद्यालय के छात्रों के बीच आवश्यक वित्तीय साक्षरता का प्रसार किया जा सके। यह समिति छात्र समुदाय को धन प्रबंधन के आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करती है, जिससे वे प्रारंभिक अवस्था से ही सूचित और विवेकपूर्ण वित्तीय निर्णय लेने की आदत विकसित कर सकें।

वित्तमंत्रा का उद्देश्य बजट बनाना, बचत, निवेश, निवेश जागरूकता तथा उन्नत संपत्ति प्रबंधन रणनीतियों में मजबूत आधार तैयार करके छात्रों को सशक्त बनाना है। निरंतर आयोजित इंटरैक्टिव सत्रों, विशेषज्ञ व्याख्यानों और व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से वित्तमंत्रा एक समृद्ध और सहयोगपूर्ण शिक्षण वातावरण प्रदान करता है, जो युवाओं को व्यक्तिगत वित्त की जटिलताओं को आत्मविश्वास के साथ समझने और संभालने के लिए तैयार करता है।

इस समिति ने विविध, उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन करके अपनी दक्षता सिद्ध करते हुए एक स्थापित पहचान बनाई है, जिनका उद्देश्य वित्तीय जागरूकता और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की दूरी को कम करना है।

संयोजिका: सुश्री शिवांगी धवन

वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम छात्रों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंचों पर भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है, जिससे उनका व्यावहारिक ज्ञान और वित्तीय समझ विकसित होती है। यह कार्यक्रम शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, बैंकिंग तथा भारत की वित्तीय प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण वास्तविक जीवन के क्षेत्रों में व्यापक शैक्षिक जानकारी प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए रणनीतिक प्रयास छात्रों में समालोचनात्मक सोच, व्यावहारिक वित्तीय कौशल और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान विकसित करते हैं, विशेषकर उन विद्यार्थियों के लिए जो वित्त और प्रबंधन के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। बजट बनाना, बचत करना, निवेश करना तथा ऋण प्रबंधन जैसे बुनियादी वित्तीय अवधारणाओं की जानकारी देकर, यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

नोडल अधिकारी: डॉ. निशा गुप्ता

महिला विकास प्रकोष्ठ

वैश्विक स्तर पर चल रही लैंगिक विमर्श की पृष्ठभूमि में, महिला विकास प्रकोष्ठ (Women Development cell)) परिसर में जागरूकता, समावेशन और सार्थक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के अपने मूल उद्देश्य के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में, यह प्रकोष्ठ उदासीनता को चुनौती देने और गहराई से जड़ जमा चुकी लैंगिक रूढ़ियों को समाप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है, ताकि महिलाओं और समाज के संवेदनशील वर्गों का उत्थान किया जा सके।

इसका वार्षिक उत्सव 'रूहानी' निरंतर विकास और संरचनात्मक सहयोग के वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह समिति आज के समय में महिलाओं के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने का प्रयास करती है और उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक व्यावहारिक साधनों से सुसज्जित करती है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में आयोजित गतिविधियों में पीरियड पेन सिमुलेटर पर आधारित एक जागरूकता कार्यक्रम, "अस्तित्व" नामक लघु फिल्म का निर्माण, एक व्यापक आत्मरक्षा अभियान का आयोजन आदि शामिल रहे। इस समिति का मूल विश्वास यह है कि सभी लैंगिक पहचानों के बीच एकजुटता ही सार्थक और दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख आधार बनेगी।

संयोजिका: सुश्री पूजा रानी

गर्ल अप अदीरा

गर्ल अप अदीरा, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में महिला विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत कार्यरत एक नेतृत्व विकास संगठन है, जो बालिकाओं और युवतियों को वैश्विक लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए जोड़ता, प्रशिक्षित करता और सक्रिय बनाता है। संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन की एक पहल के रूप में कार्य करते हुए, यह क्लब व्यापक समुदाय के साथ साझेदारी कर वैश्विक लैंगिक समानता के प्रयासों को सशक्त बनाता है। गर्ल अप अदीरा का उद्देश्य महाविद्यालय परिसर को सभी लैंगिक पहचानों के लिए एक सुरक्षित, सहयोगात्मक और अधिक समावेशी स्थान बनाना है। यह विभिन्न परियोजनाओं, फंडरेज़र, जागरूकता अभियानों और सामुदायिक कार्यशालाओं के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करता है। 'अदीरा' नाम सशक्तिकरण, श्रेष्ठता, शक्ति और निरंतर प्रगति का प्रतीक है, जो क्लब के उन मूल्यों को दर्शाता है जिन्हें वह छात्र समुदाय के भीतर स्थापित करना चाहता है।

क्वियर फेमिनिस्ट कलेक्टिव

क्वियर फेमिनिस्ट कलेक्टिव का गठन इस मूल उद्देश्य के साथ किया गया था कि परिसर में लैंगिक एवं यौन अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े छात्रों की विशिष्ट चिंताओं को पहचाना और उन्हें संबोधित करना है। छात्रों के एक सक्रिय समूह के रूप में कार्य करते हुए, यह कलेक्टिव नारीवादी मुद्दों पर व्यापक संवाद को प्रोत्साहित करने तथा पूरे महाविद्यालय समुदाय में सहयोग (allyship) के मजबूत नेटवर्क का निर्माण करने का प्रयास करता है।

यह कलेक्टिव तीन प्रमुख उद्देश्यों पर केंद्रित है: क्वियर छात्रों के लिए एक सुरक्षित स्थान और सहयोग समूह का निर्माण, क्वियर नारीवादी मुद्दों का प्रतिनिधित्व, तथा छात्र समुदाय में सहयोग की भावना को बढ़ावा देना। स्थापना के बाद से इस समिति ने समुदाय निर्माण और व्यापक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अनेक छात्र-नेतृत्व वाली गतिविधियों का आयोजन किया है।

कठोर पदानुक्रमिक संरचना के बिना कार्य करते हुए, यह नियमित रूप से अतिथि वेबिनार, डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग, खुली चर्चाएँ और लिसनिंग सर्कल आयोजित करता है, ताकि LGBTQIA+ समुदाय छात्रों के लिए एक सुरक्षित और सहयोगपूर्ण वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

संयोजिका: सुश्री सौम्या कुमार

पूर्वोत्तर छात्र समिति

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की पूर्वोत्तर छात्र समिति (Noth East Students Society) की स्थापना वर्ष 2012 में महाविद्यालय में नामांकित उत्तर-पूर्वी राज्यों से आने वाले छात्रों के सहयोग हेतु की गई थी। इस समिति के मुख्य उद्देश्यों में उत्तर-पूर्वी छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न समस्याओं का समाधान करना तथा देश के अन्य हिस्सों से आए छात्रों के बीच उत्तर-पूर्वी राज्यों की समृद्ध संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना शामिल है।

यह समिति उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों को महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रमिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती है। एक सक्रिय छात्र संगठन के रूप में, यह समिति अपने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'कोअलेस' (COALESCE) का आयोजन करती है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विशिष्ट परंपराओं तथा विविधता को प्रदर्शित और उत्सव के रूप में मनाना है।

सांस्कृतिक उत्सवों के आयोजन से आगे बढ़ते हुए, यह समिति क्षेत्र के प्रति बेहतर समझ विकसित करने, रूढ़ियों को तोड़ने तथा छात्रों को शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने का कार्य भी करती है, ताकि किसी भी छात्र को अपने महाविद्यालय जीवन के दौरान अकेलापन महसूस न हो।

संयोजक: डॉ. क्षत्रिमयुम कृष्णदास

सबीएससी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (MUN) समिति

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) के तहत वर्ष 2022 में स्थापित, एसबीएससी मॉडल यूनाइटेड नेशंस समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की एक प्रमुख शैक्षणिक संस्था है। यह समिति वैश्विक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का अनुकरण (सिमुलेशन) करने वाले व्यवस्थित मंचों के माध्यम से तार्किक सोच (क्रिटिकल थिंकिंग), वक्तृत्व कला (पब्लिक स्पीकिंग) और कूटनीति (डिप्लोमेसी) को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह छात्रों को बातचीत (नेगोशिएशन) और नेतृत्व कौशल विकसित करने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मामलों का बहुमूल्य अनुभव प्रदान करती है।

समिति के वार्षिक प्रमुख आयोजन, 'यूथ कॉन्क्लेव' में दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से 300 से अधिक प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) ने हिस्सा लिया। इस आयोजन ने युवा मस्तिष्क को वैश्विक चुनौतियों और राजनयिक प्रतिक्रियाओं पर एक व्यवस्थित संवाद में शामिल होने का अवसर प्रदान किया। इस कॉन्क्लेव ने आकर्षक सिमुलेशन और बहसों के माध्यम से प्रतिभागियों के बीच सार्वजनिक भाषण और बातचीत के कौशल को सफलतापूर्वक विकसित किया।

समन्वयक: श्री शुभ सेजवार

रोटरैक्ट क्लब

रोटरैक्ट क्लब को समर्पित सेवा और प्रभावशाली सामुदायिक पहलों के लिए जाना जाता है। यह क्लब लोगों के जीवन को बदलने के उद्देश्य से समाज के कल्याण के लिए काम करता है। दूसरों के उत्थान द्वारा निराशा को आशा में बदलने के लिए क्लब कई परियोजनाओं का संचालन करता है। "स्वयं से ऊपर सेवा" (Service Above Self) के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, क्लब ने विभिन्न पहलों के माध्यम से नेतृत्व, सामाजिक जिम्मेदारी और छात्रों की सार्थक भागीदारी को बढ़ावा देना जारी रखा है।

पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान, क्लब ने 11 बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिससे 850 से अधिक व्यक्तियों को लाभ पहुँचा:

- स्वास्थ्य पहल: वर्ष की शुरुआत एक 'रक्तदान और थैलेसीमिया जांच शिविर' के साथ हुई, जहाँ सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए 90 यूनिट रक्त एकत्र किया गया और 120 थैलेसीमिया जांच की गईं।
- क्लब सेवा (इंटरनल बॉन्डिंग): इसके अंतर्गत सदस्यों के बीच आंतरिक जुड़ाव और नेतृत्व को मजबूत करने पर केंद्रित 6 कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'स्क्रिबल नाइट', सोशल आउटिंग्स, एक क्रिकेट मैच, इंडक्शन और ओरिएंटेशन सत्र, और आंतरिक नियोजन (प्लानिंग) बैठकों जैसी गतिविधियों ने टीम वर्क, सहभागिता और एक मजबूत क्लब संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद की।

इन पहलों के माध्यम से, रोटरैक्ट क्लब ने व्यक्तिगत, संस्थागत और सामुदायिक स्तरों पर अपना प्रभाव डालना जारी रखा है, जिससे सेवा, नेतृत्व और युवा सशक्तिकरण के एक मजबूत मंच के रूप में इसकी भूमिका और अधिक सुदृढ़ हुई है।

संयोजिका : डॉ. रंजना ठाकुर

इनैक्टस

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की इनैक्टस शाखा, 'इनैक्टस एसबीएससी' ने अपनी कड़ी मेहनत और अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से हजारों जीवनों को प्रभावित करने वाली कई सामाजिक समस्याओं के समाधान में बड़ी सफलता हासिल की है। शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में इनैक्टस की कार्यप्रणाली सामाजिक प्रभाव पैदा करने, सामुदायिक सहभागिता और छात्रों के विकास के प्रति निरंतर प्रयासों के लिए जानी जाती है।

इस शैक्षणिक सत्र की प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ इस प्रकार रहीं:

- प्रोजेक्ट ग्रामीण (Project Grameen): सत्र की शुरुआत सोलन, हिमाचल प्रदेश में 'रुचि' (RUCHI - रूरल सेंटर फॉर ह्यूमन इंटरेस्ट्स) के सहयोग से एक 'ग्रामीण विसर्जन कार्यक्रम' (Rural Immersion Program) के साथ हुई। इसके तहत सदस्यों ने प्रणालीगत सामाजिक-आर्थिक और कृषि संबंधी चुनौतियों का विश्लेषण करने के लिए ग्राम पंचायत और स्थानीय किसानों के साथ सीधा संवाद किया।
- सत्र की शुरुआत और प्रतियोगिताएं: वार्षिक सत्र 'रिहा' (Riha) के माध्यम से नए छात्रों (फ्रेशर्स) को शामिल करने के बाद, समिति ने 'इम्पैक्ट क्वेस्ट' (Impact Quest) की शुरुआत की, जो एक ग्रामीण गतिशीलता (रूरल मोबिलिटी) स्टार्टअप पर केंद्रित एक विशेष केस कॉम्पिटिशन था।
- आउटरीच कार्यक्रम: सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, इनैक्टस ने वित्तीय साक्षरता, बाल सुरक्षा और सामुदायिक संसाधन वितरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न भागीदार गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के साथ मिलकर कई लक्षित आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए।
- फ्लैगशिप इवेंट 'समत्व': इस सत्र का शानदार समापन इसके पहले प्रमुख वार्षिक आयोजन 'समत्व' (Samatva) के साथ हुआ। इसमें 'द इम्पैक्ट फ्रंटियर' और 'इनक्राफ्ट' जैसी राष्ट्रीय स्तर की केस प्रतियोगिताओं की मेजबानी की गई, जिसमें विश्वविद्यालय सर्किट के विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संयोजिका : डॉ. पूजा तलवार

सांस्कृतिक एवं ललित कला समिति

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की सांस्कृतिक एवं ललित कला समिति 11समितियों(संस्थाओं) से मिलकर बनी है, जो छात्रों के बीच रचनात्मकता, प्रतिभा और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह समिति छात्रों को विभिन्न कलात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करती है, जिससे उनमें आत्म-अभिव्यक्ति (सेल्फ-एक्सप्रेशन) और टीम वर्क (सामूहिक भावना) को प्रोत्साहन मिलता है।

संयोजक: डॉ. ऋषभ गुप्ता

ऑडियोफाइल

वर्ष 2011 में स्थापित, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की म्यूजिक समिति, 'ऑडियोफाइल' का दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) के म्यूजिक सर्किट में एक बेहद उल्लेखनीय सफर रहा है। ऑडियोफाइल में युवा और उत्साही छात्रों का एक ऐसा समूह है, जो संगीत के प्रति एक समान जुनून साझा करता है। सभी वर्षों और विभिन्न पाठ्यक्रमों के सदस्यों से सजी इस समिति को संगीत के प्रति उनका प्यार और प्रदर्शन की कला एक सूत्र में बांधती है।

एक समिति के रूप में इसमें काफी विविधता है। पश्चिमी (वेस्टर्न) और भारतीय (इंडियन) गायकों, बीटबॉक्सर्स, प्रोड्यूसर्स, वादकों (इंस्ट्रूमेंटलिस्ट्स) और रैपर्स के साथ, यह वर्तमान में डीयू सर्किट की सबसे बेहतरीन म्यूजिक समितियों में से एक है। यह समिति मुख्य रूप से अपने तीन मुख्य प्रभागों (विंग्स) के माध्यम से काम करती है:

- द बैंड (The Band)
- इंडियन क्लासिकल क्वायर (Indian Classical Choir)
- वेस्टर्न एकापेला ग्रुप (Western Acapella Group)

इन प्रभागों के माध्यम से समिति ने पिछले कुछ वर्षों में अनगिनत पुरस्कार और सम्मान अपने नाम किए हैं। यह समिति अपने वार्षिक उत्सव 'स्वरात्मिका' (Swaratmika) की मेजबानी भी करती है, जो पूरे डीयू सर्किट से संगीत प्रेमियों को एक मंच पर लाता है। 'स्वरात्मिका' के अंतर्गत समिति विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। यह उत्सव महाविद्यालय के सांस्कृतिक कैलेंडर का एक मुख्य आधार बन गया है, जो संगीत प्रेमियों और कलाकारों के बीच समान रूप से ध्यान और सराहना आकर्षित करता है।

वाद-विवाद समिति

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की वाद-विवाद समिति भाषाई आधार पर दो प्रमुख कार्यक्षेत्रों कार्य करती है—पहला हिंदी वाद-विवाद समिति और दूसरा इंग्लिश वाद-विवाद समिति। इस समिति का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच तार्किक सोच, स्पष्ट अभिव्यक्ति तथा सूचित जनमत निर्मा को विकसित करना है। यह समिति सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और दार्शनिक विषयों की विस्तृत श्रृंखला पर खुले संवाद और स्वस्थ चर्चा को प्रोत्साहित करती है। साथ ही, यह अपने सदस्यों में सम्मानजनक असहमति की भावना तथा विविध दृष्टिकोणों के प्रति सहिष्णुता को बढ़ावा देती है। इसके माध्यम से छात्रों में विश्लेषणात्मक सोच, सार्वजनिक भाषण और तर्क-वितर्क जैसे महत्वपूर्ण कौशलों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाता है।

द रेवोल्यूशनिस्ट्स (अंग्रेज़ी वाद-विवाद समिति)

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की इंग्लिश वाद-विवाद समिति, 'द रिवोल्यूशनिस्ट्स', एक ऐसा सुरक्षित और प्रेरणादायक माहौल तैयार करने का प्रयास करती है जहाँ समर्पित और उत्साही छात्र विश्वविद्यालय स्तर की वाद-विवाद के अद्वितीय अनुभव को जी सकें। पिछले कुछ वर्षों में, 'द रिवोल्यूशनिस्ट्स' ने वाद-विवाद जगत में अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है। इसके सदस्यों ने वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डिबेटिंग सर्किट में कई पुरस्कार और सम्मान अपने नाम किए हैं।

यह समिति मुख्य रूप से दो बड़े टूर्नामेंट्स की मेजबानी करती है:

- एसबीएस बीपीडी (Shaheed Bhagat Singh British Parliamentary Debate): यह महाविद्यालय परिसर में ऑफलाइन आयोजित होने वाली वार्षिक 'ब्रिटिश पार्लियामेंट्री डिबेट' प्रतियोगिता है।
- राहत (RAHAT): यह एक ऑनलाइन फंडरेज़र डिबेट (धन जुटाने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता) है, जो सामाजिक कारणों (सोशल कॉज़) को अपना समर्थन देने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास है।

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, 'द रिवोल्यूशनिस्ट्स' का उद्देश्य आज के युवाओं में संवाद और चर्चा की भावना को जीवित रखना है। इसके साथ ही, यह छात्रों को विचारों की स्पष्टता के साथ अपनी बात और विश्वास को मजबूती से सामने रखना सीखने में मदद करती है।

सर्वज्ञ (हिंदी वाद-विवाद समिति)

वर्ष 2019 में स्थापित, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की हिंदी डिबेटिंग समिति, 'सर्वज्ञ', छात्रों में तार्किक सोच और वाकपटुता (eloquence) का संचार करती है। यह मंच न केवल विचारों के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है, बल्कि छात्रों के भीतर विश्लेषणात्मक कौशल (analytical skills) और नेतृत्व क्षमताओं का भी निर्माण करता है।

विवाद प्रतियोगिताओं से लेकर अभ्यास सत्रों तक, यह समिति विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को तराशती है ताकि वे वाद-विवाद में कुशल बन सकें। इसमें संसदीय वाद-विवाद (पार्लियामेंट्री डिबेट), पारंपरिक वाद-विवाद (ट्रेडिशनल डिबेट),आशुभाषण (एक्सटेम्पोर) और टर्नकोट जैसे अलग-अलग प्रारूप शामिल हैं। यह समिति 'क्रांति' और 'तर्कसंग्राम' जैसी संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करती है। इसके अलावा, समिति के सदस्य विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और नए विचारों को अपनाते हैं। साथ ही, छात्र राजनीतिक सिद्धांत, इतिहास, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान और भूगोल के महत्वपूर्ण पहलुओं को भी समझते हैं, जिससे उनका समग्र विकास होता है।

नृत्य समिति

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की नृत्य समिति (Dance Society) का उद्देश्य नृत्य के माध्यम से कलात्मक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक जागरूकता और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना है। समिति का लक्ष्य शास्त्रीय (क्लासिकल), समकालीन (कंटेंपरेरी), लोक नृत्य और पश्चिमी शैलियों सहित विभिन्न नृत्य रूपों में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है, और महाविद्यालय के भीतर व अंतर-महाविद्यालय (इंटर-महाविद्यालय) आयोजनों में छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। यह सामूहिक समिति नियमित अभ्यास सत्रों, कार्यशालाओं (वर्कशॉप) और सहयोगी प्रस्तुतियों के माध्यम से टीम वर्क, अनुशासन और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती है, और साथ ही नृत्य कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं व उत्सवों (फेस्ट) का आयोजन करके परिसर में सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ाती है।

स्पर्धा - पाश्चात्य नृत्य समिति

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की पाश्चात्य एवं स्ट्रीट डांस समिति दिल्ली के नृत्य जगत में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। 25 दिसंबर, 2017 को स्थापित यह समिति अपनी स्थापना के समय से ही निरंतर समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्टता के साथ कार्य करते हुए नई ऊँचाइयों को प्राप्त करती रही है।
रचनात्मकता की सीमाओं का विस्तार करते हुए तथा अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए स्पर्धा अपने ऊर्जावान एवं आकर्षक नृत्य-प्रदर्शनों के माध्यम से दर्शकों को प्रेरित और आनंदित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रत्येक प्रस्तुति के साथ समिति नृत्य के क्षेत्र में एक स्थायी विरासत स्थापित करने तथा अपनी कलात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से दर्शकों के मन में अविस्मरणीय छाप छोड़ने का संकल्प रखती है।

नाट्यमंत्रा (भारतीय नृत्य समिति)

नाट्यमंत्रा, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की भारतीय नृत्य समिति, भारतीय शास्त्रीय एवं लोकनृत्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने के साथ-साथ विभिन्न स्तरों के नर्तकों में कला के प्रति समर्पण, सृजनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास करती है। समिति ने दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों तथा अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा आयोजित नृत्य प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। गत शैक्षणिक वर्ष में समिति ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कीं। इनमें भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) में आयोजित एकल लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, हंसराज महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित 'कलावंत' एकल लोकनृत्य प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, तथा आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी के सांस्कृतिक उत्सव 'काशीयात्रा'26 के अंतर्गत आयोजित 'ग्लिट्ज़' (एकल लोकनृत्य) प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करना विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

डिजिटल मीडिया समिति

महाविद्यालय की 'डिजिटल मीडिया समिति' उन छात्रों के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करती है जो दृश्य कहानी कहने की कला (विजुअल स्टोरीटेलिंग), सामग्री निर्माण (कंटेंट क्रिएशन) और मीडिया प्रोडक्शन के प्रति उत्साही हैं। यह समिति दो गतिशील और आपस में जुड़े स्तंभों के माध्यम से संचालित होती है: 'फ़िल्मतंत्रा' (फिल्म-मेकिंग समिति) और 'एन्विज़न' (फोटोग्राफी समिति)। ये दोनों स्तंभ मिलकर एक एकजुट इकाई बनाते हैं जो छात्रों को डिजिटल मीडिया के विशाल क्षेत्र का पता लगाने के लिए सशक्त बनाती है। गतिमान (मोशन) और स्थिर (स्टिल) इमेजरी के संयोजन से, यह समिति रचनात्मकता और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देती है, वास्तविक दुनिया के मीडिया उत्पादन का अनुभव प्रदान करती है, महाविद्यालय की डिजिटल उपस्थिति में योगदान देती है, और छात्रों को कंटेंट क्रिएशन, मीडिया, विज्ञापन व पत्रकारिता में करियर के लिए तैयार करती है।

एन्विज़न

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की फोटोग्राफी समिति 'एन्विज़न' (Envision), पूरे वर्ष रचनात्मकता और कलात्मकता का एक प्रमुख केंद्र रही है। इस समिति का उद्देश्य फोटोग्राफी के माध्यम से छात्रों के भीतर की रचनात्मक भावना को बाहर लाना और महाविद्यालय के जीवंत शैक्षणिक, सांस्कृतिक व सामाजिक जीवन को कैमरे में कैद करना है। पूरे वर्ष के दौरान 'एन्विज़न' ने कई फोटोवॉक आयोजित किए हैं, जिसमें इसके सभी सदस्य सी.आर. पार्क के दुर्गा पूजा पंडालों की शिल्प कौशल, पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक की विविध सड़क जिंदगी व जीवंत माहौल, और पुराना किला, राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (नेशनल जूलॉजिकल पार्क) व लोधी गार्डन की स्थापत्य (आर्किटेक्चरल) और विरासत फोटोग्राफी को तलाशने के लिए एक साथ आए।

यह समिति महाविद्यालय के सभी प्रमुख कार्यक्रमों, प्रशासनिक कार्यों और विभिन्न समितियोंकी गतिविधियों को कैमरे में कैद कर और उनका दस्तावेजीकरण कर सक्रिय रूप से कवर करती है। 'एन्विज़न' ने सभी कौशल स्तरों के छात्रों के लिए कार्यशालाओं (वर्कशॉप) की एक श्रृंखला भी आयोजित की। इन कार्यशालाओं में कैमरे के बुनियादी कार्यों से लेकर एडोब लाइटरूम और फोटोशॉप जैसे उद्योग-मानक सॉफ्टवेयरों का उपयोग करके उन्नत पोस्ट-प्रोसेसिंग तकनीकों (एडिटिंग) तक के विषयों को व्यापक रूप से शामिल किया गया।

'एन्विज़न' महाविद्यालय के भीतर और बाहर दोनों जगह विभिन्न समितियोंके साथ मिलकर सक्रिय रूप से काम करती है, जिससे रचनात्मकता और सीखने को बढ़ावा मिलता है। इसके प्रमुख सहयोगों में श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय के साथ फोटोवॉक और मिरांडा हाउस व कमला नेहरू महाविद्यालय की फैशनसमितियोंके साथ साझेदारी में तैयार किया गया हमारा प्रसिद्ध पत्रिका प्रोजेक्ट 'एनकैंटो' (Encanto) शामिल हैं।

इसके सदस्यों ने दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों में आयोजित कई फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। उनके समर्पण और प्रतिभा को कई सम्मानों के माध्यम से सराहा गया है, जिससे समिति और महाविद्यालय दोनों का नाम रोशन हुआ है। शैक्षणिक कार्यक्रमों के अलावा, 'एन्विज़न' सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती है। उन्होंने अपने वार्षिक उत्सव 'चित्रकोश '26' (Chitrakosh '26) के तहत छात्रों के लिए 'लेंस-ओ-विज़न '26' (Len-Ó-Vision’26) जैसी अंतर-महाविद्यालय फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया।

नए सदस्यों को एक्सपोज़र ट्राइएंगल सेटिंग्स और कैमरा हैंडलिंग जैसी बुनियादी अवधारणाओं से परिचित कराने के लिए समिति ने "फोटोग्राफी के बुनियादी नियम" (Basics of Photography) कार्यशाला का आयोजन किया। इसके अलावा, समिति ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित स्ट्रीट फोटोग्राफर और ब्रसेल्स स्ट्रीट फोटोग्राफी फेस्टिवल के विजेता, सचिन चौहान के साथ एक विशेष कार्यशाला की भी मेजबानी की।

फ़िल्मतंत्रा

'फ़िल्मतंत्रा' का उद्देश्य ऐसी जागरूक और कलात्मक रूप से मार्मिक फ़िल्में बनाना है जो छात्र सिनेमा (स्टूडेंट सिनेमा) में नए आयाम स्थापित कर सकें। समिति ने प्रयोगात्मक (एक्सपेरिमेंटल), ड्रामा और बच्चों की शॉर्ट फ़िल्मों से लेकर ट्रैवल फ़िल्मों और महाविद्यालय के कार्यक्रमों के कवरेज जैसी विभिन्न शैलियों में कदम रखा है। समिति ने सिनेमा की गहरी समझ और सराहना को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्रों को फिल्म निर्माण (फिल्ममेकिंग) के क्षेत्र को तलाशने के लिए एक मंच प्रदान करना जारी रखा है। वर्ष के दौरान, 'फ़िल्मतंत्रा' ने अभिनय (एक्टिंग), पटकथा लेखन (स्क्रिप्टराइटिंग), सिनेमैटोग्राफी और एडिटिंग जैसे फिल्म निर्माण के प्रमुख पहलुओं पर केंद्रित विभिन्न कार्यशालाओं (वर्कशॉप), चर्चाओं और सहयोगी गतिविधियों का आयोजन किया। इन पहलों ने सदस्यों को टीम वर्क और नवाचार (इनोवेशन) को बढ़ावा देने के साथ-साथ रचनात्मक और तकनीकी दोनों कौशल विकसित करने में सक्षम बनाया।

इस वर्ष की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि एक फिल्म स्क्रीनिंग (कार्यक्रम का सफल आयोजन था, जिसने छात्रों को आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से सिनेमा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन ने सार्थक चर्चाओं को सुगम बनाया, जो फिल्म निर्माण के साथ-साथ फिल्म की सराहना को बढ़ावा देने के समिति के उद्देश्य के अनुरूप था। इसके अलावा, 'फ़िल्मतंत्रा' ने कई अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भी सक्रिय रूप से भाग लिया और उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

मिनर्वा

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की क्विज़िंग समिति 'मिनर्वा' (Minerva), जिज्ञासा, विश्लेषणात्मक सोच और सौहार्द का माहौल तैयार करते हुए विभिन्न प्रकार के क्विज़, कार्यशालाओं (वर्कशॉप) और ज्ञानवर्धक सत्रों का आयोजन करती है।

इसका प्रमुख आयोजन, 'इंकलाब' (INQUILAB), महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव 'कलाकृति' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, जिसने विभिन्न महाविद्यालयों से बड़े पैमाने पर भागीदारी को आकर्षित किया और सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों, इतिहास व समसामयिक मामलों (करंट अफेयर्स) पर प्रतिभागियों का परीक्षण किया। इस प्रमुख क्विज़ के अलावा, मिनर्वा ने 'इंडिया थ्रू द एजेस' (India Through the Ages) और 'पॉप कल्चर एंड करंट अफेयर्स' जैसे अंतर-महाविद्यालय कार्यक्रम आयोजित किए, साथ ही क्विज़ रणनीतियों, समय प्रबंधन (टाइम मैनेजमेंट) और व्यावसायिक संचार (प्रोफेशनल कम्युनिकेशन) पर कौशल-निर्माण कार्यशालाएँ भी आयोजित कीं। 'ओडिन्स आई' (Odin's Eye) और 'क्वेश्चन ढीला है' जैसे अनौपचारिक थीम-आधारित क्विज़ ने सीखने और टीम बॉन्डिंग के लिए एक सहज व तनावमुक्त माहौल बनाने में मदद की।

राजनीति, व्यवसाय, पॉप संस्कृति या इतिहास—जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सफलता के साथ, मिनर्वा ने खुद को महाविद्यालय के सबसे सक्रिय और उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्र निकायों में से एक के रूप में स्थापित किया है, जो बौद्धिक दृढ़ता और सहयोगी भावना दोनों को पोषित करता है। मिनर्वा के सदस्यों ने अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार अर्जित किए, जिसने शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्रतिस्पर्धी बढ़त के लिए समिति की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया।

नूर:फैशन समिति

महाविद्यालय की फैशन समिति 'नूर' (Noor) की स्थापना वर्ष 2018 में हुई थी। हर साल, वे गर्व से अपनी वार्षिक पत्रिका 'एनकैंटो' (ENCANTO) प्रकाशित करते हैं, जो उनकी यात्रा, रचनात्मकता और उपलब्धियों को दर्शाती है। नूर मुख्य रूप से चार विभागों में बंटी हुई है: मॉडलिंग, डिजाइनिंग, पब्लिक रिलेशंस (PR) और मेकअप। मॉडलिंग विभाग उनके डिज़ाइनों को मंच पर प्रस्तुत करता है, डिज़ाइन विभाग परिधानों (outfits) को तैयार करता है, पीआर विभाग संचार और आउटरीच (प्रसार) का प्रबंधन करता है, और मेकअप व स्टाइलिंग विभाग मॉडल्स के समग्र लुक को पूरा करता है। नूर समिति ने कई अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है और पूरे शैक्षणिक वर्ष में प्रतिष्ठित स्थान व विशेष सम्मान हासिल किए हैं।

पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से पहली—पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में मॉडलिंग इवेंट में प्रथम स्थान प्राप्त करना, दूसरी—गलगोटिया यूनिवर्सिटी में जीत हासिल करना, और तीसरी—निफ्ट (NIFT) दिल्ली में 'बेस्ट मॉडल' का पुरस्कार जीतना था। 'नूर' आत्म-अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास का एक ऐसा मंच है जो सदस्यों को मूल्यवान एक्सपोज़र और अनुभव प्रदान करता है। वे टीम वर्क और गुणवत्तापूर्ण ज्ञान पर जोर देते हुए विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। उनका वार्षिक कार्यक्रम, 'ज़रह-ए-नूर' (Zarah-e-Noor), मुख्य आकर्षणों में से एक है। 'नूर' सीखने और विकास के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में निरंतर आगे बढ़ रही है।

नटवे

नटवे थिएटर समिति ने आईआईटी दिल्ली (IIT D), आईआईटी कानपुर (IIT K), एमएएमसी (MAMC) आदि जैसे कई प्रतिष्ठित मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ाव रखा है। प्रत्येक प्रस्तुति ने कलात्मक और सामूहिक, दोनों रूपों में टीम के विकास में योगदान दिया है। इस यात्रा के दौरान मिली पहचान टीम के समर्पण का प्रमाण है, जो उन्हें अपने शिल्प को लगातार विकसित और मजबूत करने के लिए प्रेरित करती है।

स्टेज प्ले इवेंट – स्पेस (SPACE)-नटवे का वार्षिक स्टेज प्ले कार्यक्रम 'स्पेस', कलाकारों और दर्शकों के बीच की दूरी को मिटाकर, गहन कहानी कहने (इमर्सिव स्टोरीटेलिंग) के माध्यम से थिएटर को एक नया रूप देता है, जिससे एक अधिक संवादात्मक (इंटरैक्टिव) और आकर्षक अनुभव तैयार होता है। इस वर्ष, यह कार्यक्रम सफल प्रायोजकों (सपॉन्सरशिप) की मदद से 30 मार्च 2026 को 'स्टार्ट स्टूडियो', घिटोरनी में आयोजित किया गया था। शॉर्टलिस्ट की गई छह टीमों ने मंच संभाला, और प्रत्येक ने इमर्सिव थिएटर पर अपना अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। इस आयोजन ने अनुभवात्मक कहानी कहने (एक्सपीरिएंशियल स्टोरीटेलिंग) के प्रभाव को प्रभावी ढंग से उजागर किया, जिससे दर्शक गहराई से जुड़ गए और उन्हें आधुनिक मंच प्रस्तुतियों पर एक नया दृष्टिकोण मिला।

स्ट्रीट प्ले इवेंट – पैगाम (Paigaam)-'पैगाम' इस वर्ष नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट थिएटर) की भावना का जश्न मनाने के लिए समर्पित एक स्वतंत्र मंच के रूप में उभरा। भावना, तीव्रता और कलात्मक दृढ़ विश्वास से भरपूर यह कार्यक्रम, दिल्ली महाविद्यालयिएट थिएटर सर्किट की अनगिनत प्रस्तुतियों के लिए एक शक्तिशाली समापन बिंदु (culmination point) के रूप में खड़ा रहा। पर्दे के पीछे, टीम के समन्वित प्रयासों ने इस आयोजन की सफलता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई प्रायोजकों को सुरक्षित करने से लेकर अनुशासन समिति में सक्रिय रूप से योगदान देने तक, हर जिम्मेदारी को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाया गया, जिससे यह उत्सव सुचारू रूप से चल सका। 27 अप्रैल 2026 को, शॉर्टलिस्ट की गई कुल 16 टीमें मंच पर आईं, जिनमें से प्रत्येक ने सम्मोहक कहानियाँ और सामाजिक रूप से प्रासंगिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्होंने दर्शकों को गहराई से झकझोरा और प्रभावित किया।

प्रोमेथियन

फाइन आर्ट्स समिति 'प्रोमेथियन' (Promethean), छात्रों को अपनी कलात्मक प्रतिभा को तलाशने, विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करती है। कार्यशालाओं (वर्कशॉप), प्रदर्शनियों (एग्जीबिशन), प्रतियोगिताओं और सहयोगी गतिविधियों के माध्यम से, यह समिति रचनात्मकता को पोषित करती है, विभिन्न कला माध्यमों के साथ प्रयोगों को प्रोत्साहित करती है, और नवाचार (इनोवेशन), अभिव्यक्ति व कलात्मक उत्कृष्टता का माहौल तैयार करती है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान, समिति ने कई समृद्ध गतिविधियों का आयोजन किया और उनमें भाग लिया। इसके सदस्यों ने कर्तव्य पथ पर आयोजित 'विकसित भारत पेंटिंग इवेंट' में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और 'दिव्योत्सव' के दौरान एक प्रदर्शनी और इंटरैक्टिव स्टॉल के माध्यम से अपने काम का प्रदर्शन किया। समिति ने 'महाविद्यालय ऑफ आर्ट' के लिए एक शैक्षणिक यात्रा (educational visit), लोधी गार्डन में स्केचिंग और क्ले मॉडलिंग (मिट्टी की मूर्तिकला) से युक्त एक 'आर्ट वॉक' और पूर्व समिति अध्यक्ष शनि राज के नेतृत्व में एक विशेष 'चारकोल वर्कशॉप' का भी आयोजन किया, जिससे सदस्यों को अनुभवात्मक सीख के माध्यम से अपने कलात्मक कौशल को निखारने का अवसर मिला।

इस सत्र का समापन महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'कलाकृति 2026' में प्रोमेथियन की सक्रिय भागीदारी के साथ हुआ। समिति ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को एक साथ लाते हुए अपनी प्रमुख प्रतियोगिताओं—'ज़ेविया' (Xevia), 'एविया' (Avia), और 'सिल्फिरा' (Silfira)—का सफलतापूर्वक संचालन किया। इन पहलों के माध्यम से, प्रोमेथियन ने रचनात्मकता को प्रेरित करना, कलात्मक अभिव्यक्ति का जश्न मनाना और महाविद्यालय समुदाय के भीतर दृश्य कला (विजुअल आर्ट्स) की संस्कृति को मजबूत करना जारी रखा।

वाणी – महाविद्यालय पत्रिका

छात्रों की रचनात्मक क्षमता और अभिव्यंजक कौशल को बढ़ावा देने के लिए, महाविद्यालय छात्रों को महाविद्यालय की पत्रिका 'वाणी' (Vani) में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसमें विभिन्न प्रकार की विधाएँ (genres) शामिल होती हैं जैसे—व्याख्यात्मक और सूचनात्मक लेख, दिलचस्प आत्मकथात्मक व उपाख्यानात्मक (anecdotal) अनुभव, हास्य और व्यंग्य रचनाएँ, कविताएँ, लघु कथाएँ, एकांकी नाटक (one-act plays), फोटो निबंध (photo essays) आदि। प्रकाशन से पहले इन योगदानों का मूल्यांकन पत्रिका की संपादकीय समिति (Editorial Committee) द्वारा किया जाता है। संपादकीय टीम में छात्र भी शामिल होते हैं जो महाविद्यालय के संकाय सदस्यों (प्रोफेसर्स) के मार्गदर्शन में काम करते हैं।

'वाणी 2025-26 विभिन्न विषयों (थीम्स) का एक अनूठा संगम है, जो उन विचारों, कहानियों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों को एक साथ लाता है जो छात्र जीवन और उनकी सोच के कई आयामों को दर्शाते हैं। इस वर्ष की पत्रिका में छह महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं, जिसमें "वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव" (celebrating 150 years of Vande Mataram) पर विशेष ध्यान दिया गया है। पत्रिका के अन्य विषयों में "परिवर्तन की लहरें" (Waves of Change), "मन का प्रतिबिंब" (Reflection of Mind), "शहरी गूँज: सड़कों की कहानियाँ" (Urban Echoes: Stories of the Street), "कालजयी लेखकों को श्रद्धांजलि" (Tributes to Timeless Writers), और "अनुभवों का सतरंगी संसार" (Kaleidoscope of Experiences) शामिल हैं।

संयोजिका: डॉ. कविता अरोड़ा

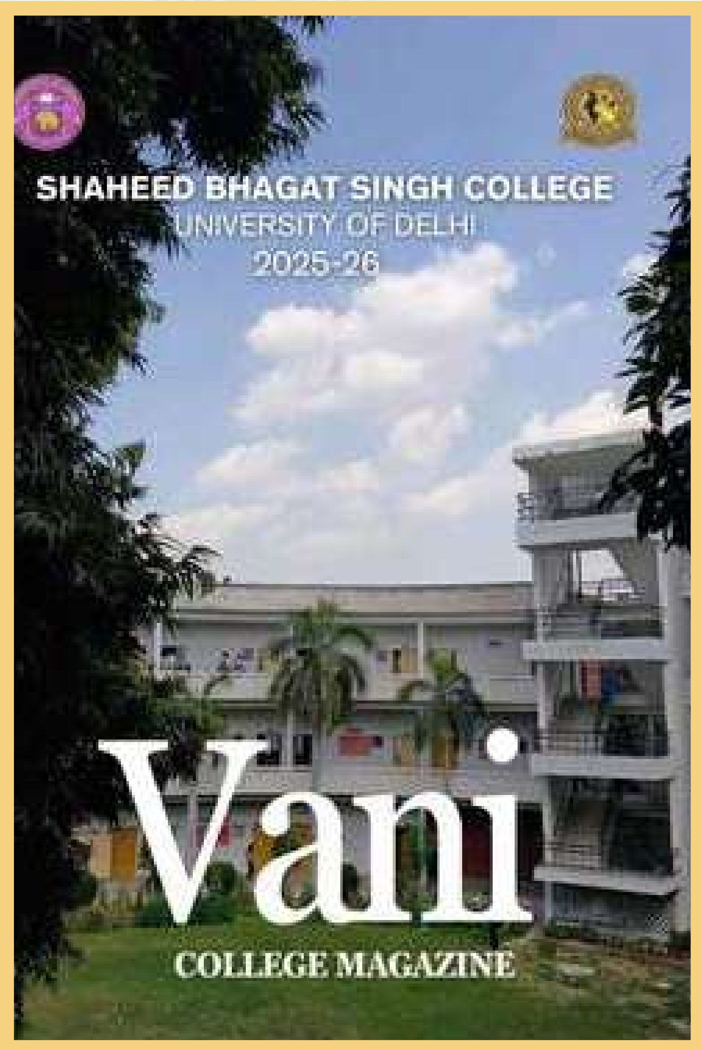

खेलकूद

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग एवं खेल समिति

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग, खेल समिति के साथ मिलकर, महाविद्यालय में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन एवं समन्वय करता है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान, महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद (Delhi University Sports Council), दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। टीमों ने वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, कबड्डी, टेबल टेनिस, फुटबॉल, शतरंज तथा एथलेटिक्स (पुरुष एवं महिला) में भागीदारी की।

महाविद्यालय ने मार्च 2026 में अपना वार्षिक खेल दिवस एवं एथलेटिक मीट का भी आयोजन किया, जिसमें विभिन्न आंतरिक (इंट्राम्यूरल) प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। वॉलीबॉल, शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस, क्रिकेट, फुटबॉल और एथलेटिक्स जैसे खेलों का आयोजन छात्र एवं छात्राओं दोनों के लिए किया गया।

इसके अतिरिक्त, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए भी अलग-अलग प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें रस्साकश, म्यूजिकल चेयर, टेबल टेनिस, बैडमिंटन और शॉट पुट शामिल थे। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

प्रभारी अध्यापक: श्री बलविंदर सिंह (शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग)
संयोजक, खेल समिति: डॉ. अरुण सिंह आवाना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), जिसकी स्थापना वर्ष 2011 में हुई, छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह इकाई नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम, आपदा राहत गतिविधियाँ आयोजित करती है तथा समुदाय की सेवा हेतु गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करती है।

NSS के मुख्य उद्देश्य सामाजिक एवं नागरिक जिम्मेदारी का विकास करना, नेतृत्व और टीमवर्क को प्रोत्साहित करना, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना तथा छात्रों को सामाजिक चुनौतियों और आपात स्थितियों से निपटने के लिए सक्षम बनाना है। अपने आदर्श वाक्य "स्वयं से पहले आप" (Not Me But You) से प्रेरित होकर, NSS छात्रों को निस्वार्थ सेवा की भावना अपनाने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करता है।

NSS स्वयंसेवक रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान, साक्षरता अभियान, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों तथा विभिन्न सरकारी जनसंपर्क कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। ये अनुभव छात्रों में संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता और नागरिक कर्तव्य की गहरी भावना विकसित करते हैं।

मुख्य उपलब्धियाँ (2025–26):

- NSS स्वयंसेवक प्रियांशु राज का चयन देशभर के 100 प्रतिभागियों में (दिल्ली से केवल दो प्रतिभागियों सहित) गणतंत्र दिवस 2026 समारोह में विशेष अतिथि के रूप में किया गया।
- स्वयंसेवकों ने नवंबर 2025 में मनाली, हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप में भाग लिया।
- लगभग 200–300 छात्रों ने 25 सितंबर 2025 को आयोजित 'विकसित भारत युवा संवाद – सेवा पखवाड़ा संस्करण (युवा कनेक्ट कार्यक्रम)' में भागीदारी की।
- पच्चीस NSS स्वयंसेवकों ने 9–12 जनवरी 2026 के दौरान भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. गौरव नैन

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय के उन अग्रणी संस्थानों में शामिल होने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने एनसीसी के "दिल्ली निदेशालय" के अंतर्गत नामांकन किया। इसकी विशिष्ट इकाई, 1 शहीद भगत सिंह महाविद्यालय कंपनी, ग्रुप 'सी' मुख्यालय के '4 दिल्ली बटालियन' के अधीन कार्य करती है। यह कंपनी एनसीसी के आदर्श वाक्य को पूर्ण निष्ठा से निभाते हुए नेतृत्व, चरित्र, उत्साह, सहकारिता एवं खेल भावना का विकास करती है, जिससे विद्यार्थियों में अनुशासित जीवन शैली, देशभक्ति तथा नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

एनसीसी के बारे में:

नेशनल कैडेट कॉर्प्स (NCC) भारत का एक प्रमुख युवा संगठन है, जो युवाओं में चरित्र निर्माण तथा साहसिक भावना के विकास के लिए कार्य करता है। एनसीसी एक स्वैच्छिक संगठन है, जो देश भर के विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से कैडेट्स का चयन करता है।

इसके उद्देश्य:

- युवाओं में चरित्र, सहकारिता, अनुशासन, नेतृत्व, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक भावना तथा निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों का विकास करना।
- जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व क्षमता वाले संगठित, प्रशिक्षित एवं प्रेरित युवाओं का समूह तैयार करना।
- युवाओं को सशस्त्र बलों में करियर अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु उपयुक्त वातावरण प्रदान करना।

कार्यक्रम संरचना:

- ड्रिल प्रशिक्षण: मूलभूत ड्रिल अभ्यास, राइफल ड्रिल एवं औपचारिक परेड अभ्यास।
- शारीरिक प्रशिक्षण: शारीरिक फिटनेस गतिविधियाँ, सहनशक्ति दौड़ एवं बाधा दौड़।
- हथियार प्रशिक्षण: राइफल से परिचय, फायरिंग अभ्यास तथा सुरक्षा उपायों का प्रशिक्षण।
- साहसिक प्रशिक्षण: रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रेकिंग, पर्वतारोहण तथा साइक्लिंग अभियानों जैसी गतिविधियाँ।

उपलब्धियाँ:

1 शहीद भगत सिंह महाविद्यालय कंपनी, का वर्तमान में एक प्रभावशाली पूर्व छात्र रिकॉर्ड है, जिसमें कुल 28 कमीशंड अधिकारी शामिल हैं। इनमें से 24 अधिकारी वर्तमान में भारतीय सेना में सेवारत हैं, जबकि शेष 4 अधिकारी भारतीय वायु सेना में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

एनसीसी द्वारा आयोजित प्रमुख शिविरों में आरडीसी, ऑल इंडिया थल सैनिक कैंप (TSC), इंटर डायरेक्टरेट स्पोर्ट्स शूटिंग प्रतियोगिता (IDSSC), पैरा बेसिक कोर्स, स्पोर्ट्स क्लाइम्बिंग प्रशिक्षण कोर्स, स्कूबा डाइविंग कैंप, मुख्यमंत्री रैली, स्वतंत्रता दिवस शिविर (IDC), विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर (SNIC), EBSB ओडिशा, EBSB दिल्ली, यूपी ट्रेक-1, बिहार एवं झारखंड ट्रेक-1, शिवाजी ट्रेक, आर्मी अटैचमेंट कैंप, गुजरात ट्रेक-1, नेतृत्व एवं टीम निर्माण शिविर, मिलिट्री हॉस्पिटल अटैचमेंट कैंप तथा प्रधानमंत्री रैली-2026 शामिल हैं।

नामांकन प्रक्रिया:
जो छात्र एनसीसी कंपनी में शामिल होना चाहते हैं, वे शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में नामांकन अवधि के दौरान आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता परीक्षा तथा साक्षात्कार शामिल होता है। चयनित कैडेट्स को एनसीसी के मूल्यों और गतिविधियों से परिचित कराने हेतु एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम (इंडक्शन प्रोग्राम) से गुजरना होता है।

संपर्क जानकारी:
अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
एनसीसी अधिकारी: सीटीओ डॉ. आयुष्मान
ईमेल: 1sbsccoy@gmail.com

RDC,2026

PARA BASIC COURSE

TSC,2025

ARMY ATTACHEMENT CAMP

PNB MARATHON

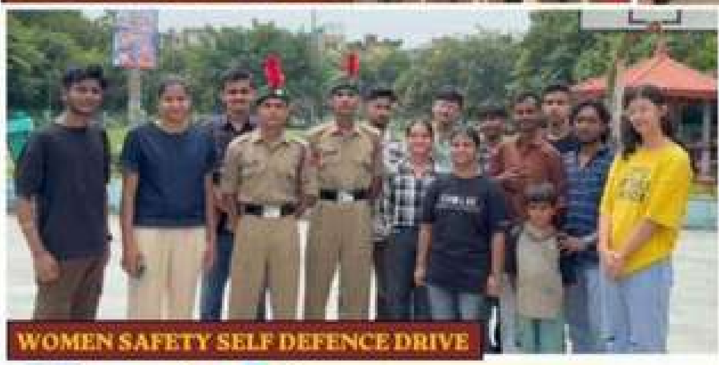
WOMEN SAFETY SELF DEFENCE DRIVE

IDSSC 2025

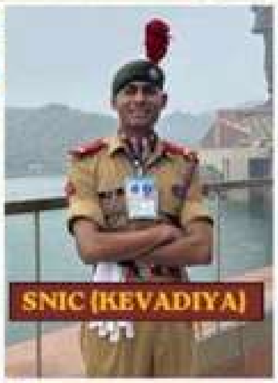
SNIC (KEVADIYA)

CHUNAUTI'26

छात्र संघ एवं कल्याण

लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप निर्वाचित, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय का छात्र संघ नेतृत्व, प्रतिनिधित्व और भाईचारे के मूल आदर्शों को सुदृढ़ रूप से स्थापित करता है। छात्र समुदाय की आधिकारिक आवाज़ के रूप में कार्य करते हुए, यह संघ परिसर में सौहार्द बनाए रखने, छात्र कल्याण को बढ़ावा देने तथा सक्रिय सहभागिता और पारदर्शी शासन के माध्यम से महाविद्यालय की गतिविधियों के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 का छात्र संघ दीपक यादव (बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, 2023/4072) के नेतृत्व में कार्यरत रहा, जिन्होंने अध्यक्ष के रूप में समावेशिता और सहभागितापूर्ण नेतृत्व पर विशेष ध्यान देते हुए संघ का मार्गदर्शन किया। उन्हें उपाध्यक्ष के रूप में निखिल कुमार मिश्रा (बी.ए. प्रोग्राम, 2024/5619) का सहयोग प्राप्त हुआ, जिन्होंने छात्र संपर्क को सुदृढ़ करने तथा सांस्कृतिक और शैक्षणिक संवाद को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संयोजक: डॉ. सौरभ वत्स

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय)

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE (UNIVERSITY OF DELHI)
NAAC Accredited 'A' Grade

No. SBSC/163 Date: 27-04-2026

PUBLIC NOTICE

It is hereby notified for the information of all concerned that, in order to ensure proper coordination, discipline, accountability, and adherence to institutional procedures, all Fests, Freshers' welcome programmes, events, and other cultural related activities of the College shall be organized by the **Cultural Committee** and **Function Committee** of the College.

It is further notified that the Students' Union of the College shall not organize, conduct, or undertake any such events, like freshers' welcome, Annual Fest etc. programmes, independently or in any capacity within or on behalf of the College.

The role of the Students' Union shall be restricted to representation in student welfare activities, including representing the interests of students in matters concerning their welfare, and assisting in initiatives that are duly approved by the College authorities.

Further, it is clarified that:

- The Students' Union shall not be authorized to seek permissions, enter into collaborations, or represent the College in organizing any programmes like Fests or Freshers' welcome.
- The Students' Union shall not be permitted to collect, mobilize, or handle any funds, sponsorships, or financial contributions for any event or activity conducted in the name of organising fests or freshers' welcome.
- No proposals, requests, or communications from the Students' Union in relation to organizing events or fests shall be entertained by the College authorities.

All Departments, Societies, Committees, and students are requested to comply with the above. Any deviation from these instructions shall be viewed seriously and dealt with in accordance with the rules and regulations of the College.

(Prof. Arun Kumar Attree)
Principal

Copy to:
- Convener, Prospectus Committee
- Convener, Students' Union & Welfare Committee
- Convener, Cultural Committee
- Convener, Functions Committee
- All Faculty Members
- All Non-Teaching Staff
- ERP/Website

प्रवेश (ADMISSIONS)

महाविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अंतर्गत विभिन्न विषयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह स्नातकोत्तर स्तर पर एम.कॉम. कार्यक्रम भी संचालित करता है। प्रवेश निर्धारित आरक्षण नीति के अनुसार किए जाते हैं, जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में अनारक्षित (UR), अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए सीटों का आवंटन निर्धारित है।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटों का विवरण:

- चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (नीचे दी गई सूची देखें)
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम – एम.कॉम. (अगले पृष्ठ पर दी गई सूची देखें)

स्नातक (यूजी) कार्यक्रमों के लिए सीट मैट्रिक्स

Total Intake for the Academic Year 2026-27

S. N.	Course	UR	SC	ST	OBC	EWS	Total	Supernumerary Seats						Grand Total
								PwD	KM	CW	Sports	ECA	Foreign Stdt.	
1	B.Com (Hons)	194	71	35	129	51	480	24	24	24	10	14	24	600
2	B.Com	78	28	14	51	21	192	10	10	10	4	6	10	242
3	B.A (Hons) Economics	35	13	7	23	9	87	4	4	4	2	2	4	107
4	B.A (Hons) English	35	13	7	23	9	87	4	4	4	2	2	4	107
5	B.A (Hons) Geography	24	9	4	16	5	58	3	3	3	1	2	3	73
6	B.A (Hons) Hindi	24	9	4	16	5	58	3	3	3	1	2	3	73
7	B.A (Hons) History	24	9	4	16	5	58	3	3	3	1	2	3	73
8	B.Sc (Hons) Mathematics	24	9	4	16	5	58	3	3	3	1	2	3	73
9	B.A (Hons) Political Science	24	9	4	16	5	58	3	3	3	1	2	3	73
10	B.A Programme	22	8	4	16	6	56	3	3	3	2	2	2	71
(i)	Commerce+Mathematics	11	4	2	8	3	28	2	1	2	1	1	1	36
(ii)	Political Science+History	11	4	2	8	3	28	1	2	1	1	1	1	35
11	Total	484	178	87	322	121	1192	60	60	60	25	36	59	1492

नोट: सुपरन्यूमेरेरी सीटों—जिनमें दिव्यांगजन (PwD), कश्मीरी प्रवासी, सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/विधवाएँ (CW), खेल, ईसीए तथा विदेशी छात्र शामिल हैं—के साथ-साथ स्टाफ वार्ड कोटा की सीटों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया आधिकारिक वेबसाइट देखें: **https://sbs.du.ac.in/**

नोट: स्नातक (यूजी) प्रवेश के लिए कृपया आधिकारिक वेबसाइट देखें: **https://admission.uod.ac.in/?UG-Admissions**

प्रवेश (ADMISSIONS)

स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रम के लिए सीट मैट्रिक्स

Courses Offered (PG)	Number of seats Offered						
	Total Seats	UR	SC	ST	OBC	EWS	Minority
M.Com	25	9	4	2	7	3	-

नोट: एम.कॉम. प्रवेश के लिए कृपया आधिकारिक वेबसाइट देखें।
https://admission.uod.ac.in/?PG-Admissions

खेल कोटा के लिए सीट मैट्रिक्स

SPORTS Seat Matrix the Academic Year 2026-27

Sr.No.	Game/Sports	Position/Event/Category	Total	Grand Total
1	Athletics (Men)	100 meters	2	6
		400 meters	1	
		800 meters	2	
		Shot Put	1	
2	Basketball (Men)	Centre	2	5
		Forward	3	
3	Basketball (Women)	Centre	2	5
		Forward	3	
4	Cricket (Men)	Batsman	3	7
		Leg Spinner	1	
		Off Spinner	1	
		Medium Pace	2	
5	Footbal(Men)	Forward	2	4
		Stoper	2	
6	Table-Tennis (Men)		2	2
7	Table-Tennis (Women)		2	2
8	Volleyball (Men)	Spikker	2	5
		Setter	2	
		Libro	1	
9	Volleyball (Women)	Spikker	2	4
		Setter	2	
Total				40

ईसीए के लिए सीट मैट्रिक्स

ECA Seat Matrix the Academic Year 2026-27

Dance	2a	Indian Classical	2
Debate	3a	Debate (Hindi)	1
	3b	Debate (English)	1
Digital Media	4a	Photography	1
	4b	Film Making	2
Fine arts	5a	Sketching and painting	1
Music (vocal)	6a	Indian (classical)	2
Music (Instrumental-Indian)	7b	Flute	1
		Tabla	1
		Sitar	1
		Violin	1
Music (Instrumental-western)	8a	Drums	1
		Keyboard	1
		Guitar (Bass)	1
Theater	9	Theater	2
Quiz	10	Quiz	1
Total			20

शुल्क संरचना

TUITION FEES AND ANNUAL CHARGES FOR THE YEAR 2026-2027 (1ST YEAR STUDENTS)

	B.COM (H) & B.Com	B.A (H) ENGLISH	B.A. (Prog)	B.A (H) Hindi	B.A (H) History	B.A (H) Eco	B.Sc Math	B.A (H) Pol. Sci.	B.A (H) GEOG	PwD * STUDENT	STAFF CASE
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	11	12
1. TUITION FEES (MAY TO APRIL)	180	180	180	180	180	180	180	180	180		
2. COLLEGE STUDENT WELFARE FUND	6950	6350	6250	6250	6250	6550	6750	6750	7150	0	150
3. COLLEGE DEVELOPMENT FUND	5750	5750	5750	5750	5750	5750	5750	5750	5750	0	0
4. COLLEGE FACILIITIES AND SERVICES CHARGES	5455	5455	5455	5455	5455	5455	5455	5455	5455	105	505
5. UNIVERSITY DEVELOPMENT FEE	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750		1750
6. UNIVERSITY STUDENT WELFARE FUND	300	300	300	300	300	300	300	300	300		300
7. UNIVERSITY FACILITY AND SERVICES CHARGES	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750		1750
8. ECONOMICALLY WEAKER SECTION SUPPORT UNIVERSITY FUND	300	300	300	300	300	300	300	300	300		300
9. DUSU FEES	40	40	40	40	40	40	40	40	40	40	40
TOTAL	22475	21875	21775	21775	21775	22075	22275	22275	22675	145	4795

* Annual fees for Students belonging to Orphan Category - Rs.10/-

* **PwD** (Persons with Disablities)

प्रवेश नियम, विनियम एवं प्रक्रिया

प्रवेश विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के आधार पर किया जाएगा। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश इस उद्देश्य के लिए गठित विभिन्न समितियों के माध्यम से किए जाते हैं। विस्तृत प्रवेश नियमों एवं विनियमों के लिए तथा प्रवेश से संबंधित सभी अद्यतनों हेतु कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश वेबसाइट देखें: https://admission.uod.ac.in/

प्रवेश हेतु किससे संपर्क करें

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के संबंध में आप महाविद्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं:

Sr. No.	Name of Faculty Members	Designation	Mobile No.	Email ID
1.	Mr. Naman Jain	Chief Coordinator Admission	9899156244	naman.jain@sbs.du.ac.in
2.	Prof. Kumar Bhaskar	Convener, Help Desk	9312154532	kumar.bhaskar@sbs.du.ac.in
3.	Dr. Nitin Punit	Convener, Grievance Redressal Committee	9810488344	nitinpunit@sbs.du.ac.in
4.	Dr. Jay Singh Meena	Convener, Grievance Redressal Committee for SC/ST/OBC-NL/EWS and PwBD	9560680069	jay.meena@sbs.du.ac.in

महाविद्यालय प्रशासन

प्रशासन अनुभाग

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री ए.के. वर्मा	प्रशासनिक अधिकारी
2.	श्री रविन्दर पाल सिंह	वरिष्ठ निजी सहायक
3.	सुश्री मधु ओबेरॉय	अनुभाग अधिकारी (कार्यवाहक)
4.	श्री रुद्र भान सिंह	वरिष्ठ सहायक
5.	श्री सोमनाथ	सहायक
6.	सुश्री अनुराधा यादव	सहायक
7.	श्री राजेश	कनिष्ठ सहायक
8.	श्री मोहम्मद वासिफ अंसारी	केयरटेकर (कार्यवाहक)
9.	श्री रोहित	कनिष्ठ सहायक
10.	सुश्री दीपाली	कनिष्ठ सहायक
11.	श्री मनवेन्द्र	ईआरपी सहायक
12.	श्री शुभम	वीडियो संपादक (ज्ञान प्रसार केंद्र)

लेखा अनुभाग

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1.	सुश्री पूजा भारद्वाज	प्रशासनिक अधिकारी
2.	श्री विक्रम सिंह राणा	अनुभाग अधिकारी
3.	सुश्री कांता भाटिया	वरिष्ठ सहायक
4.	श्री गोपाल राम	वरिष्ठ सहायक
5.	सुश्री वंदना मित्तल	सहायक
6.	श्री कुणाल कुमार	सहायक
7.	श्री बृजेश मांझी	कनिष्ठ सहायक
8.	श्री पंकज पहाड़िया	कनिष्ठ सहायक

पुस्तकालय

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. पूजा आनंद गुलाटी	पुस्तकालयाध्यक्ष (अवकाश पर)
2.	डॉ. सुगंधा सक्सेना	व्यावसायिक सहायक
3.	श्री मनोज कुमार	अर्द्ध-व्यावसायिक सहायक / पुस्तकालयाध्यक्ष (अतिरिक्त प्रभार)
4.	श्री मुकेश कुमार	अर्द्ध-व्यावसायिक सहायक

भूगोल प्रयोगशाला

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री सूरज पंवार	प्रयोगशाला सहायक

प्रवेश समन्वयक / संयोजक

एम.कॉम.	डॉ. विजय व्रत आर्य
बी.कॉम. (ऑनर्स)	
संयोजक	सुश्री लीला जोशी
सह-संयोजक	डॉ. रवि कांत
सह-संयोजक	सुश्री मंजू तनवार
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	
संयोजक	डॉ. पूजा तलवार
सह-संयोजक	डॉ. शुचि प्रिया मित्तल
सह-संयोजक	डॉ. दिव्या मेहता
सह-संयोजक	डॉ. ऋषभ गुप्ता
अर्थशास्त्र	सुश्री जसप्रीत कौर
अंग्रेज़ी	सुश्री बीना आर्या
भूगोल	डॉ. नितिन पुनीत
हिंदी	डॉ. महेश कुमार चौधरी
इतिहास	डॉ. प्रेरणा रॉय
गणित	डॉ. श्वेता ग्रोवर कुकरेजा
राजनीति विज्ञान	डॉ. राकेश कुमार मीणा

एसईसी/वीएसी/एईसी/जीई/डीएसई पाठ्यक्रमों हेतु संयोजक / समन्वयक / नोडल अधिकारी

पाठ्यक्रम	नाम	पदनाम
एसईसी/वीएसी/एईसी	सुश्री शिवांगी धवन	संयोजक एवं नोडल अधिकारी
जीई	डॉ. अमन वर्मा	संयोजक
डीएसई	डॉ. शशांक पटेल	समन्वयक

शैक्षणिक कैलेंडर

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

Acad.I/299/Academic Calendar/482 Dated: 01.07.2026

NOTIFICATION

The Academic Calendar to be followed for the all Undergraduate and Postgraduate Programmes for the academic session 2026-27, is hereby notified for necessary compliance by all concerned:

Semester I/III/V/VII	
Classes Begin	28th July, 2026 (Tuesday)
Autumn Vacation	18th October, 2026 (Sunday) to 25th October, 2026 (Sunday)
Classes begin after Autumn Vacation	26th October, 2026 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	20th November, 2026 (Friday)
Theory examinations begin	04th December, 2026 (Friday)
Winter Vacation	25th December, 2026 (Friday) to 31st December, 2026 (Thursday)
Semester II/IV/VI/VIII	
Classes begin	01st January, 2027 (Friday)
Mid Semester Vacation	21st March, 2027 (Sunday) to 28th March, 2027 (Sunday)
Classes begin after Mid semester Vacation	29th March, 2027 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	30th April, 2027 (Friday)
Theory Examination Begin	13th May, 2027 (Thursday)
Summer Vacation	3rd June, 2027 (Thursday) to 20th July, 2027 (Tuesday)

In order to give effect to the above-mentioned Academic Calendar for the Academic Session 2026-27, summer vacation notified in the existing Academic Calendar for the Undergraduate and Postgraduate Programmes for the academic session 2025-26 may be extended from 20th July, 2026 to 27th July, 2026.

REGISTRAR

STRUCTURE OF UG SINGLE CORE DISCIPLINE PROGRAMME

स्नातक एकल मुख्य विषय कार्यक्रम की संरचना

यूजीसीएफ प्रवाह-चार्ट

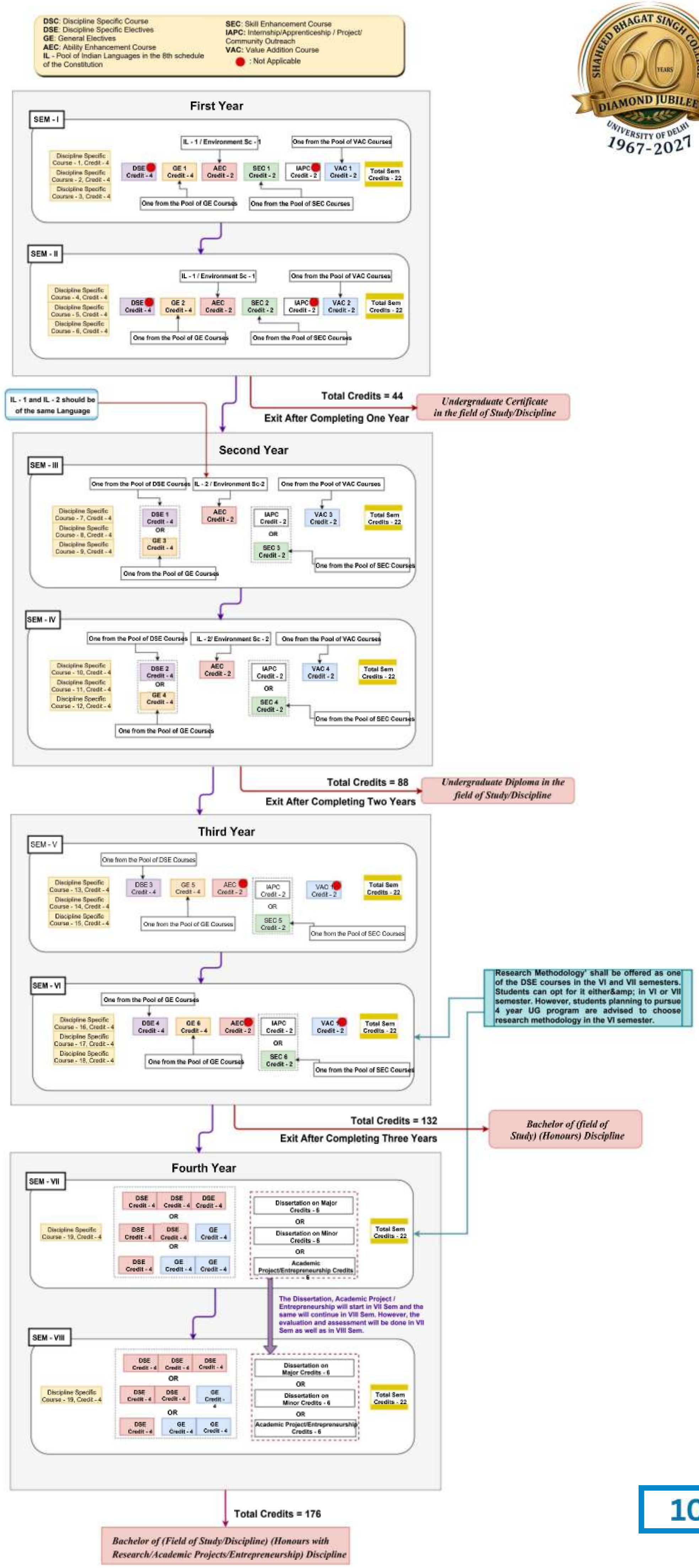

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

In a single core discipline program, the student shall Major in the core discipline. However, if he/she wishes to Minor in another discipline then he/she has to earn 28 credits from GE courses of the second discipline.

In four years, a student will study the following number of DSCs, DSEs and GEs:
Total DSC papers : 20
Total DSE paper op ons : 10 (minimum to be chosen is 4)
Total GE paper op ons : 10 (minimum to be chosen is 4)

The student can Minor in another discipline, if he/she fulfills the following criteria:

Seven GEs = Minor
(7x4)=28credits

Example: A student is enrolled in B.A. (Hons.) History and decides to pursue 4th year (sem VII + sem VIII).

If he successfully completes the 4th year, he/she will be awarded Major in History

In addition, if the student successfully completes, seven GEs in Political Science, he/she will be awarded Minor in Political Science.

STRUCTURE OF UG MULTIDISCIPLINARY PROGRAM (WITH THREE CORE DISCIPLINES)

स्नातक बहुविषयक कार्यक्रम (तीन मुख्य विषयों सहित) की संरचना

यूजीसीएफ प्रवाह-चार्ट

Example: For B.Sc. Life Sciences programme with Botany, Zoology and Chemistry as core disciplines.

A student shall study credit courses of three disciplines i.e., Botany, Zoology and Chemistry.
DSC 1 may be of Discipline A (say, Botany),
DSC 2 may be of Discipline B (say, Zoology) and
DSC 3 may be of Discipline C (say, Chemistry).

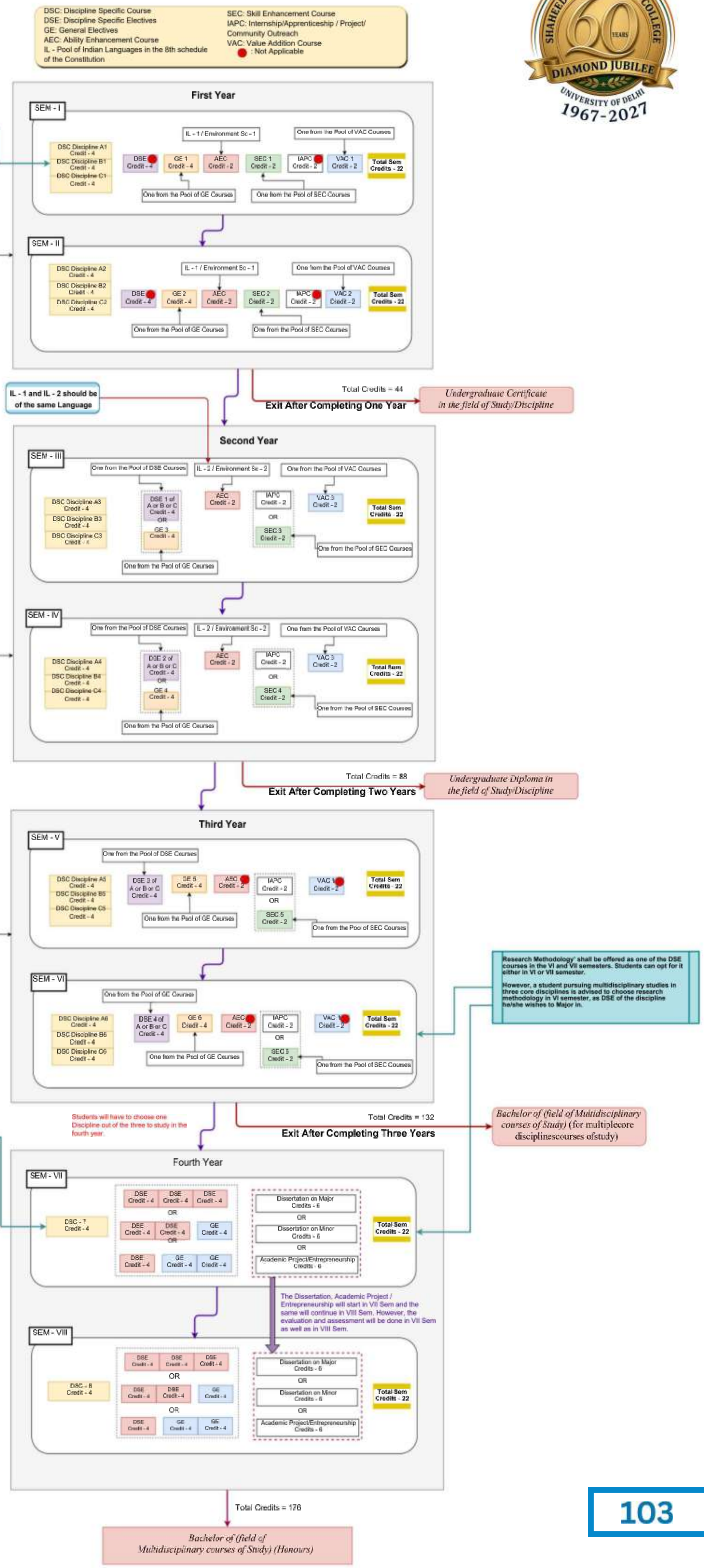

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

In the fourth year (Sem VII and Sem VIII), students will study only one of the discipline i.e., either A or B or C in both of the semesters. .

Honours Degree: To pursue an Honours degree in a field of mul disciplinary study, candidates will have to choose, in the fourth year, only one of the disciplines (either A or B or C). Candidates will have to study **Two** DSCs and **Six** DSEs in the chosen discipline in the VII and VIII semesters and write disserta on.

Major and Minor shall be awarded on fulfilment of the following conditions.
Major -> 80 credits, Minor -> 28 credits

Example: B.Sc. Life Sciences programme with Botany, Zoology and Chemistry as core disciplines.

Case I: He/She shall get **Major** in Botany, on successful completion of VIII semester, if he/she earns minimum 80 credits in Botany from **Eight** DSCs and at least **Nine** DSEs of Botany and writes dissertation in Botany.
Advice: S tudents areadvisedto choose thediscipline in whichtheywish to Major and must study at least **Three DSEs** of that discipline in the first three years. Like in this example, student must decide earlier and study three DSEs of Botany in the first three years as only maximum of six DSEs are available in fourth year. Similarly, if the student want to minor in any of the remaining two disciplines, he/she should study one DSE of that discipline in the first three years.

He/She shall get a Minor in Zoology, if he/she earns minimum 28 credits from **Six** DSCs and **one** DSE of Zoology. Or
He/She shall get a Minor in Chemistry, if he/she earns minimum 28 credits from **Six** DSCs and **One** DSE of Chemistry.

Case II: If a student doesn't do dissertation in Botany, but in other disciplines, say Zoology or Chemistry, or does Academic Project or Entrepreneurship, then he/she will not be awarded Major in Botany as he/she will be unable to get 80 credits. in such cases, he/she will be awarded B.Sc. (Honours) Life Sciences.

STRUCTURE OF UG PROGRAMME TWO CORE DISCIPLINES APPLICABLE TO ALL B.A.(PROGRAMMES)

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE
60 YEARS
DIAMOND JUBILEE
UNIVERSITY OF DELHI
1967-2027

DSC: Discipline Specific Course
DSE: Discipline Specific Electives
GE: General Electives
AEC: Ability Enhancement Course
IL - Pool of Indian Languages in the 8th schedule of the Constitution
SEC: Skill Enhancement Course
IAPC: Internship/Apprenticeship / Project/ Community Outreach
VAC: Value Addition Course
● : Not Applicable

Example: For BA (Programme) History + Economics

A student shall study two disciplines, i.e., History and Economics
DSC 1 may be of Discipline A or B (say, History / Economics),
DSC 2 may be of Discipline A (say, History) and
DSC 3 may be of Discipline B (say, Economics).

GE-1, GE-3 should be of one Language
GE - 2, GE - 4 should be of Language other than studied in GE-1 and GE-3.
At least one of the language should be Indian Language.

दो मुख्य विषयों वाले स्नातक कार्यक्रम की संरचना (सभी बी.ए. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रमों पर लागू)

यूजीसीएफ प्रवाह-चार्ट

Important

Student can study **Two DSCs** of any of the Two Disciplines of the B.A. (Program) per sem in semesters 1 and II (Example; Two DSCs of discipline A and one DSC of discipline B).

However, in Third sem student will have the option to interchage the Disciplines (example two DSCs of discipline B and one DSC of discipline A).

Such choices made in the third semester shall continue till VIth Sem.

IL - 1 and IL - 2 should be of the same Language

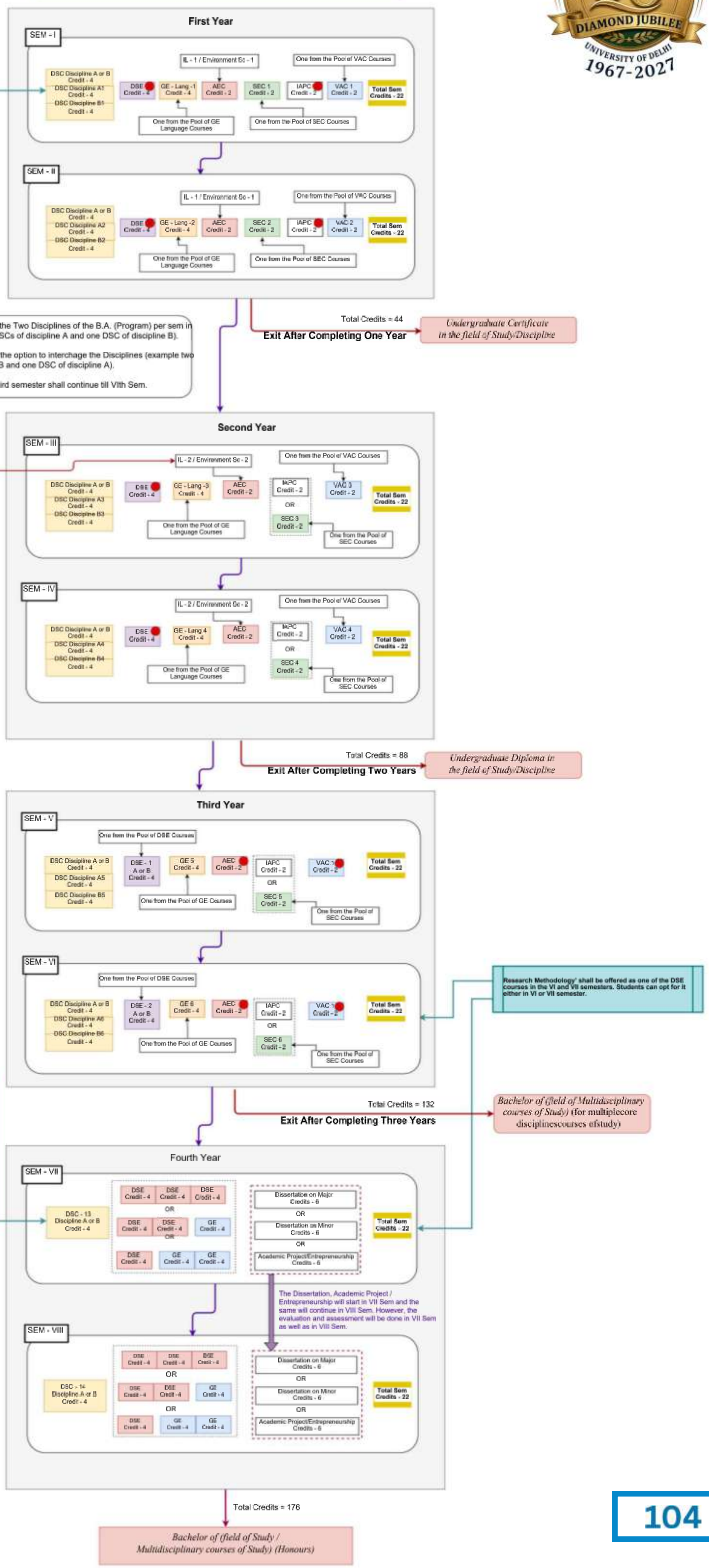

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

In the fourth year, students will study only one of the discipline i.e., either A or B in both Sem VII and Sem VIII semesters. .

To pursue Four years Honours degree in B.A. (Program), student shall study in the fourth year, the discipline, in which he/she has studied at least 10 DSCs in the first three years.
Students will have to study the **Two** DSCs and upto **Six** DSEs in the chosen discipline in the VII and VIII semesters.

Major and Minor shall be awarded on fulfilment of the following conditions.
Major = 80 credits   Minor = 28 credits

Example: If a student wishes to **Major** in Discipline A, then he/she should earn at least 80 credits in discipline A.

He/she should study Two DSCs, Six DSEs and write dissertation in VII and VIII semesters.

If the sum total of the DSCs and DSEs of Discipline A is less than 80 credits, then the credits earned in the dissertation written on a topic of Discipline A shall also be taken into consideration to complete the requisite 80 credits

For Example: A student pursues four years B.A. (Honours) in History.
He/She shall get Major in History, on successful completion of VIII semester, if he/she earns Minimum 80 credits in History from :
14 DSCs + 8 DSEs = 88 Credits
14 DSCs + 7 DSEs = 84 Credits
14 DSCs + 6 DSEs = 80 Credits
14 DSCs + 5 DSEs + Dissertation = 88 Credits
14 DSCs + 4 DSEs + Dissertation = 84 Credits
14 DSCs + 3 DSEs + Dissertation = 80 Credits
12 DSCs + 8 DSEs = 80 Credits
12 DSCs + 7 DSEs + Dissertation = 88 Credits
12 DSCs + 6 DSEs + Dissertation = 84 Credits
12 DSCs + 5 DSEs + Dissertation = 80 Credits

He/She shall get a Minor in Economics, if he/she earns minimum 28 credits from ***Six*** *DSCs and* ***one*** *DSE..*

STRUCTURE OF B.COM (PROGRAMME)

बी.कॉम. (प्रोग्राम) की संरचना

यूजीसीएफ प्रवाह-चार्ट

DSC: Discipline Specific Course
DSE: Discipline Specific Electives
GE: General Electives
AEC: Ability Enhancement Course
IL - Pool of Indian Languages in the 8th schedule of the Constitution
SEC: Skill Enhancement Course
IAPC: Internship/Apprenticeship / Project/ Community Outreach
VAC: Value Addition Course
● : Not Applicable

In B.Com students shall study DSCs of Commerce and Allied Disciplines such as Economics, Business Economics, Management etc.

GE-1, GE-3 should be of one Language
GE - 2, GE - 4 should be of Language other than studied in GE-1 and GE-3.
At least one of the language should be Indian Language.

IL - 1 and IL - 2 should be of the same Language

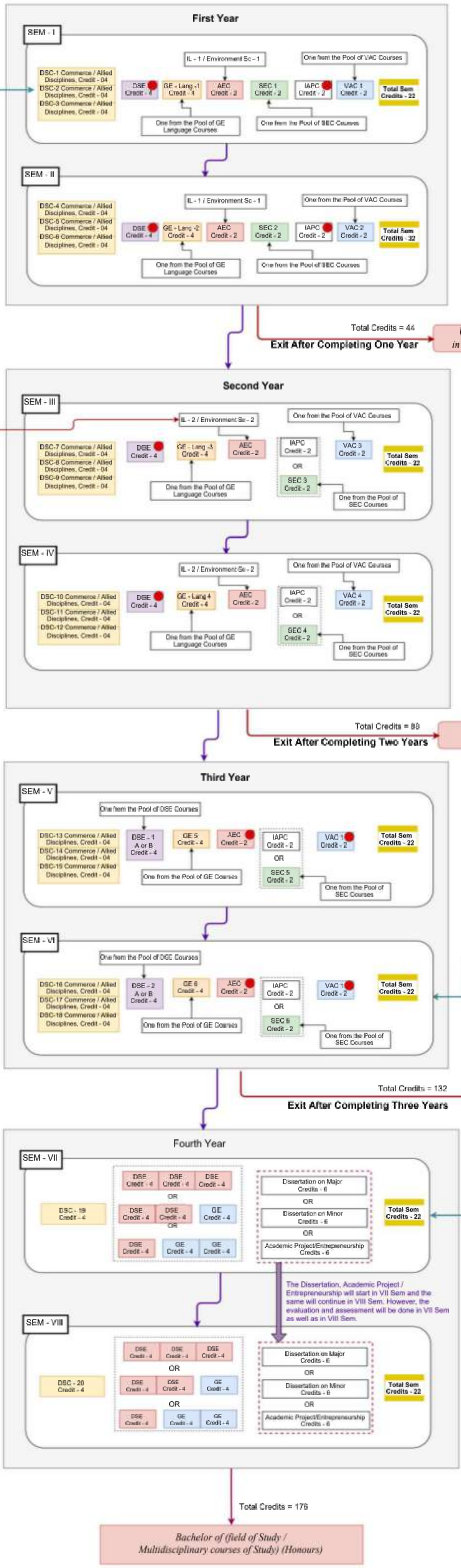

Research Methodology' shall be offered as one of the DSE courses in the VI and VII semesters. Students can opt for it either in VI or VII semester.

Bachelor of (field of Multidisciplinary courses of Study) (for multiplecore disciplinescourses ofstudy)

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

- To pursue Four years Honours degree in B.Com, student shall study in the fourth year, the discipline, in which he/she has studied at least 10 DSCs in the first three years.
  Students will have to study the **Two** DSCs and upto **Six** DSEs in the chosen discipline in the VII and VIII semesters.

- **Major and Minor** shall be awarded on fulfilment of the following conditions.
  Major = 80 credits Minor = 28 credits

Example: If a student wishes to **Major** in a particular Discipline, then he/she should earn at least 80 credits in that discipline.

He/she should study Two DSCs, Six DSEs and write dissertation in VII and VIII semesters in the chosen discipline.

टिप्पणी: बहु-मुख्य विषय (Multi-Core) कार्यक्रमों, अर्थात् बी.ए. (प्रोग्राम) एवं बी.कॉम. (प्रोग्राम) के विद्यार्थियों को डिसर्टेशन/शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता के अतिरिक्त चौथा विकल्प (Track) भी उपलब्ध कराया जाता है। सेमेस्टर VII एवं VIII में विद्यार्थियों को चारों डीएसई (DSEs) का चयन करने अथवा नीचे दिए गए अनुसार डीएसई (DSEs) एवं जीई (GEs) के विभिन्न संयोजनों में से किसी एक का चयन करने का विकल्प प्रदान किया जा सकता है।

सेमेस्टर	**डीएससी (DSC)**	**डीएसई/जीई (DSE/GE)**	**कौशल-आधारित पाठ्यक्रम (SBC)**	**कुल क्रेडिट**
VII	डीएससी (4 क्रेडिट)	4 डीएसई या 3 डीएसई + 1 जीई या 2 डीएसई + 2 जीई 4 DSEs	एसबीसी/कार्यशाला/विशिष्ट प्रयोगशाला/व्यावहारिक अधिगम	22
VIII	डीएससी (4 क्रेडिट)	4 डीएसई या 3 डीएसई + 1 जीई या 2 डीएसई + 2 जीई	एसबीसी/कार्यशाला/विशिष्ट प्रयोगशाला/व्यावहारिक अधिगम	22

जहाँ लागू हो, वहाँ स्नातकोत्तर (पीजी) प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अनुमोदित कौशल-आधारित पाठ्यक्रम (Skill Based Courses–SBCs) स्नातक (यूजी) चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

नियम, अनुशासन एवं आचार संहिता

उपस्थिति संबंधी आवश्यकताएँ

किसी भी विद्यार्थी को सेमेस्टर परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति तभी दी जाएगी जब उसने शैक्षणिक सत्र के दौरान आयोजित व्याख्यानों, ट्यूटोरियल्स तथा प्रायोगिक कक्षाओं में, दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों एवं विनियमों के अनुसार, न्यूनतम दो-तिहाई (2/3) उपस्थिति दर्ज की हो।

इस अनिवार्य उपस्थिति से छूट केवल दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुरूप ही प्रदान की जाएगी।

रैगिंग निषेध नियम

- **रैगिंग के प्रति शून्य सहनशीलता (पूर्ण असहिष्णुता):** मनोरंजन या मज़ाक के नाम पर भी किसी भी प्रकार की रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है। महाविद्यालय परिसर तथा विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत आने वाले किसी भी परिसर में रैगिंग करना या उसमें भाग लेना निषिद्ध है तथा कानून के अनुसार दंडनीय अपराध है।
- रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत अथवा सामूहिक कृत्य या व्यवहार गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-बी तथा अध्यादेश XV-सी के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।
- रैगिंग से अभिप्राय किसी भी ऐसे कृत्य, आचरण या व्यवहार से है, जिसके द्वारा किसी वरिष्ठ छात्र/छात्रा द्वारा नवप्रवेशित अथवा कनिष्ठ छात्र/छात्रा पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शारीरिक अथवा मानसिक दबाव डाला जाए। इसमें निम्नलिखित कृत्य सम्मिलित हैं—
- (क) शारीरिक हमला करना, चोट पहुँचाना अथवा शारीरिक बल का प्रयोग करना।
- (ख) विद्यार्थियों की सामाजिक प्रतिष्ठा, गरिमा एवं सम्मान को ठेस पहुँचाना।
- (ग) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित विद्यार्थियों की गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन करना।
- (घ) विद्यार्थियों को अश्लील, अशोभनीय या अपमानजनक कार्य करने के लिए विवश करना अथवा उनकी गरिमा को प्रभावित करना।
- (ङ) किसी भी प्रकार से भय, उत्पीड़न, अशोभनीय व्यवहार या अश्लील आचरण करना।
- यदि दिल्ली विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि प्राप्त करने वाला विद्यार्थी इस अध्यादेश के अंतर्गत रैगिंग के किसी कृत्य अथवा व्यवहार का दोषी पाया जाता है, तो विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त उपाधि वापस लेने हेतु अध्यादेश XV के अंतर्गत उपयुक्त कार्रवाई की जा सकती है।
- रैगिंग को बढ़ावा देना, सहायता करना अथवा उसका समर्थन करना भी रैगिंग करने के समान ही अपराध माना जाएगा।

रैगिंग संबंधी शिकायतें

जो भी विद्यार्थी रैगिंग का शिकार हुआ हो, वह अनुशासन समिति के संयोजक डॉ. आशीष सिंह अथवा महाविद्यालय के किसी भी कर्मचारी को तत्काल सूचित कर सकता/सकती है ताकि शीघ्र अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सके।

रैगिंग के दोषी पाए जाने पर निम्नलिखित दंड दिए जा सकते हैं—

- महाविद्यालय से निलंबन।
- निर्धारित अवधि के लिए कक्षाओं से निलंबन अथवा सार्वजनिक क्षमायाचना के साथ आर्थिक दंड।
- छात्रवृत्ति एवं अन्य लाभों का निरस्तीकरण।
- महाविद्यालय के चुनावों में प्रतिनिधित्व से वंचित करना।
- परीक्षा परिणाम रोकना।
- आवश्यक होने पर प्रकरण पुलिस को सौंपना।

टिप्पणी : माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा यूजीसी/एआईसीटीई के विनियमों के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी के लिए प्रत्येक वर्ष रैगिंग-रोधी शपथ-पत्र भरना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थी एंटी रैगिंग अथवा अमन मूवमेंट की वेबसाइट पर ऑनलाइन शपथ-पत्र भर सकते हैं। प्रवेश पूर्ण होने के एक माह के भीतर विद्यार्थियों को यह शपथ-पत्र महाविद्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।

आचार संहिता-

१. विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अनुशासन का उच्च स्तर बनाए रखें तथा महाविद्यालय की गरिमा और सम्मान को बनाए रखते हुए स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के निर्माण में योगदान दें।

२. जिन विद्यार्थियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है, उन्हें महाविद्यालय के किसी भी चुनाव में भाग लेने अथवा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

३. विद्यार्थियों को निम्नलिखित कार्यों से पूर्णतः परहेज़ करना होगा—

- शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों तथा सहपाठियों के प्रति दुर्व्यवहार।
- धूम्रपान, मद्यपान, जुआ खेलना तथा किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन।
- बरामदों एवं मार्गों में आवागमन में बाधा उत्पन्न करना।
- महाविद्यालय भवन, फर्नीचर, उपकरण, उद्यान, कैंटीन के बर्तनों अथवा किसी अन्य संपत्ति को क्षति पहुँचाना।
- कक्षाओं में मोबाइल फ़ोन का उपयोग।
- महाविद्यालय परिसर में बिना अनुमति बाहरी व्यक्तियों को लाना। प्रत्येक आगंतुक के लिए आगंतुक पंजिका में प्रविष्टि अनिवार्य होगी।
- अवकाश के दिनों में बिना अनुमति महाविद्यालय परिसर में प्रवेश करना।
- कक्षाओं के भीतर अथवा बाहर अनावश्यक रूप से घूमना तथा शोर-शराबा करना।
- उपरोक्त में से किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर विद्यार्थी अनुशासनात्मक कार्रवाई के पात्र होंगे, जिसमें आर्थिक दंड, निलंबन अथवा महाविद्यालय से निष्कासन तक की कार्रवाई की जा सकती है।
- ४. विद्यार्थियों को नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहना चाहिए।

५. विद्यार्थियों का दायित्व है कि वे महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखें।

६. विद्यार्थियों को पुस्तकालय में पूर्ण शांति बनाए रखनी चाहिए तथा महाविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करना चाहिए।

७. विद्यार्थी अपनी रुचि के खेलों एवं खेलकूद गतिविधियों में भाग ले सकते हैं, बशर्ते वे महाविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों एवं विनियमों का पालन करें।

८. प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अपना पहचान-पत्र सदैव अपने साथ रखना अनिवार्य है।

९. विद्यार्थियों को महाविद्यालय के सूचना-पट्ट, खेल सूचना-पट्ट, पुस्तकालय सूचना-पट्ट तथा महाविद्यालय की वेबसाइट का नियमित अवलोकन करना चाहिए, ताकि नवीनतम सूचनाओं से अद्यतन रह सकें।

१०. विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे शिक्षण अवधि के दौरान बाहरी व्यक्तियों को महाविद्यालय परिसर में न लाएँ।

११. विद्यार्थियों के सुझावों का सदैव स्वागत है तथा उन पर उचित ध्यान दिया जाएगा।

छात्र अनुभव

चतुर्थ वर्ष के प्रथम सफल बैच के विद्यार्थियों के अनुभव

चतुर्थ वर्ष ने मेरे शैक्षणिक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने मुझे एक शोधकर्ता, विचारक और पेशेवर के रूप में विकसित होने का अवसर प्रदान किया। उन्नत पाठ्यक्रमों, स्वतंत्र शोध तथा अमूल्य संकाय मार्गदर्शन के माध्यम से मेरी विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक सोच का विकास हुआ, दृष्टिकोण व्यापक हुआ और विषय की गहन समझ प्राप्त हुई। यह अनुभव मुझे उच्च शिक्षा, शोध एवं व्यावसायिक जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। मैं प्रत्येक इच्छुक विद्यार्थी को चतुर्थ वर्ष का चयन करने की सलाह दूँगी, जिससे उन्हें गहन शैक्षणिक ज्ञान और भविष्य के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्राप्त हो सके।

स्वाति
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
(चार वर्षीय पाठ्यक्रम)

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में अपने चतुर्थ वर्ष के दौरान मुझे निरंतर पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर सोचने तथा प्रश्न पूछकर नए अवसरों की खोज करने के लिए प्रेरित किया गया। शोध-आधारित अध्ययन से परिचित होने के कारण मुझे विभिन्न दृष्टिकोणों से जटिल समस्याओं का विश्लेषण करने और प्रमाण-आधारित सोच विकसित करने का अवसर मिला। इस अनुभव ने मेरी समझ को और अधिक गहन एवं परिपक्व बनाया।

अमन लाकड़ा
बी.कॉम. (ऑनर्स) शोध सहित
(चार वर्षीय पाठ्यक्रम)

जब मैंने चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लेने का निर्णय लिया, तब मुझे इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं थी और मैं अपने निर्णय को लेकर लगातार असमंजस में थी। किंतु इस वर्ष को पूर्ण करने के बाद मुझे प्रसन्नता है कि मैंने यह निर्णय लिया। शोध पाठ्यक्रम से परिचित होने वाले प्रथम बैच का हिस्सा बनना अपने आप में एक विशिष्ट अनुभव रहा। चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बावजूद, चतुर्थ वर्ष मेरे लिए अत्यंत सार्थक सिद्ध हुआ और इसने मेरी शैक्षणिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कृतिवंशी
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी
(चार वर्षीय पाठ्यक्रम)

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में मेरी शैक्षणिक यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक एवं परिवर्तनकारी रही है। महाविद्यालय ने मुझे केवल अपने राजनीतिक विज्ञान और भूगोल के अध्ययन में गहराई से सीखने का अवसर ही नहीं दिया, बल्कि विभिन्न समितियों, आयोजनों तथा सार्वजनिक पहलों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का भी अवसर प्रदान किया। कम सुविधा-संपन्न पृष्ठभूमि से आने के बावजूद महाविद्यालय ने मुझे अपनी क्षमता को पहचानने और विकसित करने का मंच दिया। संकाय सदस्यों का सतत सहयोग, समृद्ध शैक्षणिक वातावरण तथा सक्रिय छात्र समितियों ने मेरे नेतृत्व कौशल को निखारा और मुझे एक आत्मविश्वासी एवं उत्तरदायी विद्यार्थी बनने में सहायता की।

आर्यन अग्रवाल
बी.ए. कार्यक्रम
राजनीति विज्ञान + भूगोल
(चार वर्षीय पाठ्यक्रम)

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में मेरा छात्र जीवन अत्यंत आनंददायक और प्रेरणादायक रहा। मुझे यहाँ भूगोल (ऑनर्स) का अध्ययन करना अत्यंत पसंद आया। चौथे वर्ष में सम्मिलित होने के बाद मुझे विभाग के अध्ययन-कक्षों और प्रयोगशालाओं में प्रत्यक्ष रूप से शोध-आधारित अध्ययन करने का अवसर मिला, जिससे विषय के प्रति मेरी रुचि और अधिक बढ़ी। क्षेत्रीय सर्वेक्षणों तथा मैदानी भ्रमणों ने मेरी समझ को व्यावहारिक अनुभवों से समृद्ध किया। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि शोध के माध्यम से मुझे अपने विषय का गहन अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुआ। महाविद्यालय का वातावरण सदैव सौहार्दपूर्ण और सहयोगपूर्ण रहा। मेरी अनेक सुखद स्मृतियों में मित्रों का साथ, उनका प्रोत्साहन और सहयोग सबसे अधिक यादगार रहेगा।

राहुल
बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल
(चार वर्षीय पाठ्यक्रम)

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में मेरी शैक्षणिक यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक और समृद्ध अनुभवों से परिपूर्ण रही है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत चतुर्थ वर्ष ने मुझे स्वतंत्र शोध के क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्रदान किया। इस दौरान मैंने आँकड़ों की गोपनीयता, डिजिटल निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे समकालीन विषयों पर अध्ययन किया। यह उपलब्धि राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग और मार्गदर्शन के बिना संभव नहीं थी। विभाग के संकाय सदस्यों ने सदैव समालोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित किया तथा ऐसा शैक्षणिक वातावरण प्रदान किया, जिसने मेरे बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

तमन्ना वशिष्ठ
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
चार वर्षीय पाठ्यक्रम)

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में हिंदी ऑनर्स की मेरी यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक और अविस्मरणीय रही। यहाँ के सभी शिक्षक न केवल अपने विषय के उत्कृष्ट अध्यापक हैं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति भी पूर्णतः समर्पित हैं। उन्होंने प्रत्येक चरण पर मेरा मार्गदर्शन किया, मेरी जिज्ञासाओं का समाधान किया और मुझे निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय का सकारात्मक एवं सहयोगपूर्ण वातावरण, समृद्ध पुस्तकालय तथा विविध शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों ने मेरे व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहाँ प्राप्त शिक्षा, संस्कार और अनुभव मेरे उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए मुझे सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

वैभव झा
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी
(चार वर्षीय पाठ्यक्रम)

पूर्व छात्रों के अनुभव

एसबीएससी में बिताया गया मेरा समय मेरे जीवन के सबसे यादगार पड़ावों में से एक रहा है। नए शहर में आकर एक नए महाविद्यालय में स्वयं को स्थापित करना प्रारम्भ में चुनौतीपूर्ण लगा, किन्तु यहाँ के आत्मीय वातावरण ने इस यात्रा को सहज और सुखद बना दिया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि यहाँ अनेक ऐसे मित्र मिले जो आज भी मेरे सबसे निकट हैं। महाविद्यालय ने मुझे विविध अवसर प्रदान किए, जिनके माध्यम से मैं स्वयं को नए आयामों में विकसित कर सकी। एक अंग्रेज़ी (ऑनर्स) की छात्रा के रूप में मुझे ऐसे शिक्षकों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिन्होंने केवल विषय का ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि जीवन के ऐसे मूल्य भी सिखाए जो आज भी मेरे स्नातक अध्ययन के बाद के जीवन में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

स्निग्धा
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी (बैच: 2020-2023)
एम.ए. (अनुवाद एवं निर्वचन अध्ययन), मैनचेस्टर विश्वविद्यालय

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में बी.कॉम. (ऑनर्स) के अध्ययन के दौरान बिताए गए मेरे तीन वर्ष अत्यंत ज्ञानवर्धक और समृद्ध अनुभवों से परिपूर्ण रहे। मुझे प्रेरणादायी शिक्षकों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनकी सलाह और सहयोग ने मेरी शैक्षणिक यात्रा को महत्वपूर्ण दिशा प्रदान की। मैं ई-सेल, इंटर्नशिप प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा वार्षिक दिवस आयोजन समिति का दो वर्षों तक सक्रिय सदस्य रहा। इन गतिविधियों ने मेरे नेतृत्व कौशल, टीम भावना तथा संगठनात्मक क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अपूर्व राठी
बी.कॉम. (ऑनर्स) (बैच: 2016-2019)
परामर्शदाता, प्राइसवाटरहाउसकूपर्स; एमबीए, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझिकोड

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में मेरी शैक्षणिक यात्रा ने मेरे भविष्य की मजबूत नींव रखी। महाविद्यालय का उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण और समर्पित संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा अपनी क्षमताओं का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया। कक्षा शिक्षण के साथ-साथ महाविद्यालय ने छात्र निवेश समिति, विभिन्न समितियों और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व एवं टीम भावना विकसित करने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए। इन गतिविधियों से प्राप्त अनुभवों ने मुझे वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक सक्षम और आत्मविश्वासी बनाया।

यश कृपलानी
बी.कॉम. (ऑनर्स) (बैच: 2015-2018)
प्रैक्टिसरत चार्टर्ड अकाउंटेंट

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में बिताया गया समय मेरे जीवन की अविस्मरणीय स्मृतियों में से एक है। यहाँ मैंने केवल शैक्षणिक ज्ञान ही अर्जित नहीं किया, बल्कि आत्मविश्वास, टीम भावना और जीवन के आवश्यक कौशल भी विकसित किए। यहाँ के शिक्षकों का निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन मेरे व्यक्तित्व के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। एसबीएससी ने मुझे जो सुदृढ़ आधार और विविध अवसर प्रदान किए, उन्होंने मेरे वर्तमान व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी मैं अपने महाविद्यालय के प्रति अत्यंत आभारी हूँ, जिसने मुझे सीखने, आगे बढ़ने और स्वयं को विकसित करने के अनगिनत अवसर प्रदान किए।

हितेशी महाजन
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र (बैच: 2016-2019)
विश्लेषक सलाहकार, डिपार्टमेंट फ़ॉर एजुकेशन, मैनचेस्टर

एसबीएससी का अनुभव मेरे जीवन के सबसे परिवर्तनकारी चरणों में से एक रहा है। इसने मुझे केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि हर अवसर का भरपूर लाभ उठाना भी सिखाया। चाहे वह अध्ययन हो, छात्र गतिविधियाँ हों अथवा व्यक्तिगत विकास के अवसर—हर अनुभव ने मेरे व्यक्तित्व को नई दिशा दी। महाविद्यालय ने मुझे केवल एक उपाधि ही नहीं दी, बल्कि मेरे दृष्टिकोण को व्यापक बनाया, आत्मविश्वास को सुदृढ़ किया और ऐसी सोच विकसित की, जो आज भी मेरे जीवन और करियर का मार्गदर्शन कर रही है।

अविशा अग्रवाल
बी.कॉम. (ऑनर्स) (बैच: 2021-2024)
प्रबंधक, यस बैंक; एमबीए, भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई

वर्तमान छात्रों के अनुभव

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में अपने समय को स्मरण करते हुए मुझे वे अनेक अवसर याद आते हैं जिन्होंने मुझे अपने सीमित दायरे से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया। साहित्यिक गतिविधियों में सहभागिता से लेकर विभिन्न महाविद्यालयी आयोजनों में योगदान देने, नए लोगों से मिलने तथा प्राचार्य इंटर्नशिप कार्यक्रम जैसी पहल का हिस्सा बनने तक, प्रत्येक अनुभव ने मुझे अधिक आत्मविश्वासी और अभिव्यक्तिशील बनाया। पिछले वर्ष की मेरी सबसे प्रिय स्मृतियों में सार्थक शिक्षण-अनुभव, स्थायी मित्रताएँ और महाविद्यालय समुदाय को लौटाने का अवसर शामिल हैं, जिसने मुझे अनेक रूपों में समृद्ध बनाया है।

कृति द्विवेदी
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी
द्वितीय वर्ष

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में बिताए गए मेरे तीन वर्ष केवल अध्ययन तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने मुझे एक छोटे से गाँव से महानगर के जीवंत वातावरण तक की यात्रा का अनुभव कराया। इसी यात्रा ने मुझे धैर्य, दृढ़ता और शांत मन से जीवन की चुनौतियों का सामना करना सिखाया। अपने गृह नगर से पहली बार दूर रहने के कारण प्रारंभिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, किन्तु मित्रों और सक्रिय महाविद्यालयी सहभागिता ने इस परिवर्तन को सहज बना दिया। सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी ने मुझे एक विश्वसनीय सहपाठी, उत्तरदायी वरिष्ठ विद्यार्थी तथा ऐसा छात्र बनने में सहायता की, जो अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन को सदैव महत्व देता है।

जीतू पचौरी
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी
तृतीय वर्ष

मेरे लिए शहीद भगत सिंह महाविद्यालय एक ऐसी प्रेरक शक्ति सिद्ध हुआ है जिसने मेरे सीखने और आत्म-विकास की गति को नई दिशा दी। सीमित आत्मविश्वास के साथ महाविद्यालय में प्रवेश करने वाला मैं, ज्ञान प्राप्त करने और अपनी क्षमता को पहचानने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ा। यहाँ की शिक्षण प्रक्रिया ने पुस्तकों के पन्नों से आगे बढ़कर मुझे व्यावहारिक अनुभव, आत्मविश्वास, अमूल्य स्मृतियाँ, सच्चे मित्र तथा जीवनोपयोगी कौशल प्रदान किए। सबसे बढ़कर, इस महाविद्यालय ने मुझे घर से दूर भी घर जैसा अपनापन और आत्मीय वातावरण दिया।

विष्णु बिश्नोई
बी.ए. कार्यक्रम
तृतीय वर्ष

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में बी.एससी. (ऑनर्स) गणित की मेरी यात्रा अत्यंत परिवर्तनकारी रही है। यहाँ के उत्कृष्ट शिक्षकों ने मुझे विश्लेषणात्मक दृष्टि से सोचने के लिए प्रेरित किया, जबकि समृद्ध पुस्तकालय ने मेरे गणितीय चिंतन को और अधिक गहन बनाया।
शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग से मैंने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा स्वर्ण पदक से सम्मानित होने का सौभाग्य मिला। शहीद भगत सिंह महाविद्यालय केवल विषय का ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित भी करता है।

सृजन रावत
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित
तृतीय वर्ष

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के विद्यार्थी के रूप में शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में मेरा अनुभव अत्यंत प्रेरणादायक और समृद्ध रहा है। सहयोगी शिक्षकों, सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण तथा सीखने के विविध अवसरों ने मेरे ज्ञान का विस्तार करने के साथ-साथ मेरे व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्राचार्य इंटर्नशिप योजना में सहभागिता ने मुझे व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया, उद्योग जगत से परिचित कराया तथा मेरे व्यावसायिक कौशल को विकसित करने में सहायता की। मैं अपने भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने के लिए महाविद्यालय का हृदय से आभारी हूँ।

पवित्र अग्रवाल
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
द्वितीय वर्ष

एसबीएससी में मेरा अब तक का अनुभव मेरी अपेक्षाओं से कहीं अधिक समृद्ध और प्रेरणादायक रहा है। अंग्रेज़ी (ऑनर्स) की छात्रा होने के नाते साहित्यिक आलोचना मेरा अत्यंत प्रिय विषय बन गया है, क्योंकि इसने साहित्य को देखने और समझने की मेरी दृष्टि को एक नया आयाम प्रदान किया। इसके परिणामस्वरूप मैं कक्षा में होने वाली चर्चाओं में पहले की अपेक्षा अधिक सक्रियता और आत्मविश्वास के साथ भाग लेने लगी हूँ।
शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त, मैं महिला विकास प्रकोष्ठ से भी जुड़ी, एक इंटर्नशिप पूर्ण की तथा अन्य महाविद्यालयी आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन अनुभवों ने मुझे अधिक आत्मविश्वासी बनाया, नई परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालना सिखाया तथा नेतृत्व और संवाद कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वंशिका सिंह
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी
द्वितीय वर्ष

59वाँ वार्षिक दिवस

SHAHEED BHAGAT SINGH COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)
59th ANNUAL DAY
Dr. Ananya Ghosh Dastidar

59th ANNUAL DAY
Dr. Ananya Ghosh Dastidar
Professor at the University of Delhi South

(UNIVERSITY OF DELHI)
59th ANNUAL DAY

59th ANNUAL DAY
Chief Guest
Shri Ram Bahadur Rai
Padma Shri, Padma Bhushan
President, Indira Gandhi National
Council of Arts

59th ANNUAL DAY

सत्र 2025-26 की झलकियाँ

एसबीएससी : एक जीवंत परिसर

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्।

सुजलाम् सुफलाम् मलय़जशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 1।।

शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 2।।

कोटि-कोटि कण्ठ कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बॉले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीम्,
रिपुदलवारिणीं मातरम्। वन्दे मातरम्।। 3।।

तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि हृदि तुमि मर्म,
त्वम् हि प्राणाः शरीरे, बाहुते तुमि माँ शक्ति,
हृदय़े तुमि माँ भक्ति, तोमारेई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम् ।। 4।।

त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम्।। 5।।

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 6।।

सावधान

महाविद्यालय में रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है।
रैगिंग एक दंडनीय अपराध है।
महाविद्यालय धूम्रपान-मुक्त क्षेत्र है।

महत्वपूर्ण संपर्क

श्री नमन जैन	मुख्य समन्वयक, प्रवेश / प्रवेश नोडल अधिकारी, प्रवेश
श्री गद्दे सूर्या	उप समन्वयक, प्रवेश
डॉ. आशीष सिंह	संयोजक, अनुशासन समिति
प्रो. वरिंदर कुमार	सह-संयोजक, अनुशासन समिति
श्री नमन जैन	संयोजक, रैगिंग-रोधी समिति
डॉ. सर्वचेतन कटोच	सह-संयोजक, रैगिंग-रोधी समिति
सुश्री गरिमा यादव	सह-संयोजक, रैगिंग-रोधी समिति
डॉ. जयराम मीणा	भेदभाव-निरोधक अधिकारी
श्री शुभम सैजवार	धूम्रपान-निषेध नोडल अधिकारी
श्री ए. के. वर्मा	प्रशासनिक अधिकारी
श्री रुद्र भान	प्राचार्य के निजी सहायक
महाविद्यालय के दूरभाष क्रमांक	011-29250306 011-29257472

प्रॉस्पेक्टस समिति

संयोजिका	डॉ. गुंजन सिंह
सह-संयोजिका	प्रो. सोनिका शर्मा
सदस्य	प्रो. कुमार भास्कर
	सुश्री भगवती
	सुश्री मोहिनी अवस्थी
छात्र इंटर्न	रोहित वर्मा
	कृति द्विवेदी
	पवित्र अग्रवाल
	वंशिका सिंह
मीडिया पार्टनर	ज्ञान प्रसार केन्द्र

अस्वीकरण

यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सावधानी बरती गई है कि महाविद्यालय प्रॉस्पेक्टस की जानकारी प्रामाणिक हो। तथापि, विश्वविद्यालय के प्रासंगिक नियमों, विनियमों, अध्यादेशों एवं अधिनियमों में निहित जानकारी ही अंतिम मानी जाएगी। किसी भी प्रकार की गलत जानकारी तथा उसके उपयोग से उत्पन्न होने वाले परिणामों के लिए महाविद्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थियों को महाविद्यालय के अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। महाविद्यालय प्रॉस्पेक्टस में दी गई जानकारी केवल संकेतात्मक है और इसका उपयोग किसी भी कानूनी उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

महत्वपूर्ण महाविद्यालय लिंक

	वेबसाइट	sbsc.in
	एक्स	x.com/sbscduofficial?s=11
	आधिकारिक यूट्यूब चैनल	youtube.com/channel/UCQ5KyhWxIxoUmTRNtLzNTDA
	इंस्टाग्राम	instagram.com/sbsc_duofficial
	फेसबुक	facebook.com/profile.php?id=61557776511446

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(NAAC द्वारा 'A' ग्रेड से मान्यता प्राप्त)

शेख सराय, चरण–II, नई दिल्ली – 110017

फोन: 011-29250306

ई–मेल: principal@sbs.du.ac.in